@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
सोमवार, 20 जनवरी 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 71 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

शास्त्री ब्रिज के नीचे पंडालों में लगी आग, सीएम योगी ने लिया जायजा

प्रयागराज, 19 जनवरी। प्रयागराज में महाकुंभ मेला क्षेत्र में शास्त्री ब्रिज के नीचे पंडालों में भीषण आग लग गई थी। यह आग मेले क्षेत्र के सेक्टर 19 में सिलेंडर फटने से लग गई थी। जिसमें 18 टेंट आग में जल गए। आग पर काबू पाने के लिए दमकल की 15-16 गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। कड़ी मशक्कत के

बाद आग पर काबू पा लिया गया है। आग लगने का कारण अभी स्पष्ट नहीं है। आग की घटना के बाद अस्पताल में तैयारी की गई है। गनीमत है कि अभी तक किसी के भी हताहत होने की सूचना नहीं है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ घटनास्थल का जायजा लेने के लिए मौके पर पहुंचे। उन्होंने प्रभावित क्षेत्र का मुआयना करके अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए हैं। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी सीएम योगी से बात की है और घटना को लेकर जानकारी ली। महाकुंभ मेला क्षेत्र के सेक्टर-19 में पांटून पुल 12 स्थित अखिल भारतीय धर्म संघ श्रीकरपात्री धाम वाराणसी के शिविर में आग लगी थी। इसके बाद अन्य शिविर भी आग की चपेट में आ गए, और उनमें रखे एलपीजी सिलेंडर भी धमाके के साथ फटने लगे थे। रुक-रुककर सिलेंडर फट रहे थे। समाचार एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, इस हादसे में 19 में सिलेंडर फटे और करीब 18 टेंट जल गए। इसके बाद एहतियातन केंद्रीय अस्पताल महाकुंभ में 10 चिकित्सकों को इमरजेंसी में बुलाया गया। एसआरएन अस्पताल को भी अलर्ट मोड पर किया गया है। मुख्यमंत्री योगी ने आग लगने की घटना का संज्ञान लिया है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर वरिष्ठ अधिकारी मौके पर मौजूद हैं। मुख्यमंत्री ने घायलों के समुचित उपचार के निर्देश दिए हैं। आग लगने के दो मिनट बाद फायरब्रिगेड की गाड़ियां पहुंचीं।

आप ने भाजपा पर लगाया केजरीवाल पर हमला करवाने का आरोप

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 19 जनवरी। दिल्ली विधानसभा चुनाव की सरगर्मियां तेज हो गई हैं। नामांकन प्रक्रिया पूरी हो गई है। इस बार 70 सीटों पर 981 उम्मीदवारों ने 1522 नामांकन पत्र भरे हैं। 1522 नामांकन में से 477 खारिज कर दिए गए हैं। दिल्ली की सभी 70 विधानसभा सीटों पर एक साथ 5 फरवरी को मतदान होंगे और 8 फरवरी को मतगणना है। भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने कहा, अरविंज केजरीवाल से सवाल पूछना हमला हो गया है। अगर अरविंद केजरीवाल ने 10 साल शासन कर लिया और दिल्ली की जनता ने उनसे सवाल किया तो वे आक्रमणकारी हो गए? कल यहीं हुआ है। कल लोगों ने उनसे सवाल किया तो जवाब देने के बजाय उस पर गाड़ी चढ़ाने का प्रयास किया। अगर सवाल पूछना हमला है तो ऐसे हमले आप पर होते रहेंगे। चुनाव आयोग के मुताबिक, दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए अंतिम जांच के बाद 719 उम्मीदवारों के नामांकन स्वीकार किए गए हैं। कुल 1522 नामांकन फॉर्म प्राप्त हुए। नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि 20 जनवरी है। आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने कहा, भाजपा इस डॉक्यूमेंट्री से डरी क्यों हैं? भाजपा इस डॉक्यूमेंट्री से क्यों डरी हुई है जिसमें हम दिखाना चाहते हैं कि केजरीवाल जी को फर्जी मुकदमें में गिरफ्तार किया गया। हम इसकी शिकायत करेंगे। ये गलत हैं। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा, इस बार जिस तरह का प्रचार अभियान हम देख रहे हैं, वह पहले कभी नहीं देखा गया। दिल्ली के लोगों ने ऐसी हिंसा कभी नहीं देखी। एक पूर्व सीएम पर हत्या का प्रयास किया गया। मेरा जीवन समाज और राष्ट्र के लिए समर्पित है। वे बुरी तरह हार रहे हैं और उन्हें चुनाव लड़ना इसी तरह आता है। दिल्ली के सभी सफाई कर्मचारियों एवं अन्य सभी सरकारी कर्मचारियों को लेकर अरविंद केजरीवाल ने बड़ा एलान किया है। उन्होंने कहा, दिल्ली के अंदर सरकारी कर्मचारियों के लिए मकान बनवाएगी सरकार, इन्हें आसान किश्तों पर खरीदा जा सकेगा। इस कल्याणकारी योजना की शुरुआत सफ़ाई कर्मचारियों से होगी। इसके लिए केंद्र सरकार को सब्सिडी पर जमीन देने के लिए पीएम मोदी को पत्र लिखा है। मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा, इस हमले में एक और शख्स रोहित त्यागी शामिल है, यह भी प्रवेश वर्मा का करीबी है। रोहित त्यागी के खिलाफ भी चोरी, डकैती और हत्या के प्रयास जैसे मामले चल रहे हैं। एक अन्य हमलावर सुमित के खिलाफ भी

चोरी, डकैती और हत्या का प्रयास करने का केस चल रहा है। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा, कल नई दिल्ली विधानसभा में अरविंद केजरीवाल की गाड़ी पर भाजपा के गुंडों ने हमला किया। अगर वो पत्थर किसी को लग जाता तो जानलेवा हो सकता था। अरविंद केजरीवाल पर हमला करने वाला कौन था? एक शख्स राहुल उर्फ शैंकी, जो हमले में देखा गया था। वो हमेशा परवेश वर्मा के साथ दिखता है और उनके प्रचार में शामिल रहता है। इस शख्स पर डकैती की कोशिश का केस दर्ज है, जिसमें 7 साल की सजा हो सकती है, आर्म्स एक्ट का केस दर्ज है, जिसमें 2 साल की सजा हो सकती है, शकरपुर थाने में स्नढ्ढक्रदर्ज है। ये साफ है कि अरविंद केजरीवाल पर हमला करने के लिए एक अपराधी को भेजा गया था। विधानसभा चुनाव 2025 के लिए नामांकन प्रक्रिया पूरी हो गई है। इस बार 981 उम्मीदवारों ने 1522 नामांकन पत्र भरे हैं। 1522 नामांकन में से 477 खारिज कर दिए गए हैं। नई दिल्ली विधानसभा सीट पर सबसे ज्यादा हलचल है, जहां 29 उम्मीदवारों ने 40 नामांकन पत्र भरे हैं। यहां से पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, भाजपा के प्रवेश वर्मा और कांग्रेस के संदीप दीक्षित उम्मीदवार हैं। यह सीट शुरुआत से ही हाई-प्रोफाइल रही है और इस बार भी यह चर्चा का केंद्र बनी हुई है।

भारत, इटली ने आतंकवाद विरोधी सहयोग बढ़ाने का किया फैसला

नई दिल्ली, 19 जनवरी। भारत और इटली ने आतंकवाद से निपटने में अपने सहयोग को बढ़ाने का संकल्प लिया है, जिसमें आतंकवादी गतिविधियों के लिए प्रौद्योगिकी के दुरुपयोग का प्रभावी ढंग से मुकाबला करना भी शामिल है।विदेश मंत्रालय (एमईए) ने रविवार को एक बयान में कहा कि 16 और 17 जनवरी को रोम में आतंकवाद और संगठित अपराध पर भारत-इटली संयुक्त कार्य समूह (जेडब्ल्यूजी) की बैठक में आतंकवाद से निपटने में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर व्यापक विचार-विमर्श किया गया। इसमें कहा गया है कि दोनों पक्षों ने उभरते घरेलू, क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी खतरों पर चर्चा की और आतंकवाद और अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराध के खिलाफ सहयोग के कई क्षेत्रों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। बयान में आगे कहा गया है कि आतंकवादी उद्देश्यों के लिए प्रौद्योगिकी के दुरुपयोग का प्रभावी ढंग से मुकाबला करने के लिए सहयोग बढ़ाने की आवश्यकता को स्वीकार करते हुए दोनों पक्षों ने इस खतरे को रोकने और कम करने के अनुभव साझा किए। भारत और इटली ने आतंकवादी कृत्यों के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ प्रभावी अभियोजन के महत्व पर भी जोर दिया। विदेश मंत्रालय ने कहा कि वार्ता में दोनों रणनीतिक साझेदारों ने संयुक्त राष्ट्र, जीसीटीएफ (वैश्विक आतंकवाद निरोधक मंच) और एफएटीएफ (वित्तीय कार्रवाई कार्य बल) समेत बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग को मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। इसमें कहा गया कि दोनों पक्षों ने कई द्विपक्षीय समझौतों पर चल रही वार्ता को आगे बढ़ाने के तरीकों और साधनों पर भी चर्चा की।

चुनाव आयोग ने तकनीक का उपयोग कर लोगों की शक्ति को मजबूत किया: पीएम मोदी

सौरभ शर्मा

नई दिल्ली, 19 जनवरी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को मन की बात कार्यक्रम में चुनाव आयोग की सराहना की। पीएम मोदी ने कहा कि चुनाव आयोग ने तकनीक की शक्ति का उपयोग करके लोगों की शक्ति को मजबूत किया। साथ ही निष्पक्ष मतदान प्रक्रिया के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई। प्रधानमंत्री मोदी ने 25 जनवरी को होने वाले राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर चुनाव आयोग की स्थापना के बारे में बताया। वहीं विपक्ष लगातार चुनाव आयोग के भाजपा समर्थक होने का आरोप लगा रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि चुनाव आयोग ने समय-समय पर चुनाव प्रक्रिया को आधुनिक और मजबूत बनाया है। आयोग ने लोगों की शक्ति को मजबूत करने के लिए तकनीक की शक्ति का उपयोग किया। मैं देशवासियों से कहूंगा कि वो ज्यादा-से-ज्यादा संख्या में अपने मत के अधिकार का उपयोग करें और देश की लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा भी बनें और इस प्रकिया को सशक्त भी करें। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश के स्वतंत्र होने के बाद से एक लोकतंत्र के रूप में भारत की व्यावहारिकता पर संदेह जताया गया, लेकिन देश ने उन्हें गलत साबित कर दिया। आखिरकार भारत लोकतंत्र की जननी है। पीएम मोदी ने कहा कि हर बार मन की बात महीने की आखिरी रविवार को

होती है, लेकिन इस बार हम चौथे रविवार के बजाय तीसरे रविवार को ही मिल रहे हैं, क्योंकि अगले सप्ताह रविवार के दिन ही गणतंत्र दिवस है, मैं सभी देशवासियों को गणतंत्र दिवस की अग्रिम शुभकामनाएं देता हूं। इस बार का गणतंत्र दिवस बहुत विशेष है। ये भारतीय गणतंत्र की 75वीं वर्षगांठ है। इस वर्ष संविधान लागू होने के 75 साल हो रहे हैं। मैं संविधान सभा के उन सभी महान व्यक्तित्वों को नमन करता हूं, जिन्होंने हमें हमारा पवित्र संविधान दिया। मन की बात कार्यक्रम में पीएम मोदी ने बाबासाहब भीमराव आंबेडकर, राजेंद्र प्रसाद और श्यामा प्रसाद मुखर्जी के पुराने संबोधनों के कुछ अहम अंश भी सुनाए। पीएम मोदी ने कहा कि मैं संविधान सभा के सभी महान व्यक्तित्वों को नमन करता हूं, उन्होंने हमें पवित्र संविधान दिया। संविधान सभा के सदस्यों के विचार, वाणी हमारी बहुत बड़ी धरोहर है। प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ पर बात करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि हजारों वर्षों से चली आ रही इस परंपरा में कहीं भी कोई भेदभाव नहीं, जातिवाद नहीं। इसमें भारत के दक्षिण से लोग आते हैं, भारत के पूर्व और पश्चिम से लोग आते हैं। कुंभ में गरीब-अमीर सब एक हो जाते हैं। इस समागम में युवाओं की बड़ी भागीदारी नजर आ रही है। इससे सभ्यता की जड़ें मजबूत होंगी और स्वर्णिम भविष्य तय होगा। इस आयोजन की वैश्विक लोकप्रियता प्रत्येक भारतीय के लिए गर्व की बात है।

सपा ने जारी की स्टार प्रचारकों की सूची

कौमी संवाददाता

लखनऊ, 19 जनवरी। रामनगरी अयोध्या की बहुचर्चित मिल्कीपुर विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए समाजवादी पार्टी ने स्टार प्रचारकों की सूची जारी कर दी है। इसमें अखिलेश यादव समेत 40 नेता मिल्कीपुर का चुनाव मैदान संभालेंगे। यहां सपा और भाजपा में सीधी टक्कर है। मिल्कीपुर उपचुनाव में भाजपा ने अवधेश प्रसाद के बेटे अजीत प्रसाद के सामने पासी जाति के व्यक्ति को उम्मीदवार बनाया है। यह अवधेश के खिलाफ कोई पहला प्रयोग नहीं है। मिल्कीपुर उपचुनाव में पासी कार्ड से भाजपा उत्साहित जरूर है, लेकिन अवधेश प्रसाद के खिलाफ अन्य दलों का यह कोई पहला प्रयोग नहीं है। वर्ष 1985 से सोहावल व मिल्कीपुर में हुए विधानसभा चुनावों में आठ बार भाजपा व अन्य विपक्षी दलों ने अवधेश प्रसाद के

खिलाफ पासी फैक्टर ही अपनाया लेकिन सफलता नहीं मिली। सपा सांसद अवधेश प्रसाद 1974 से अब तक 13 विधानसभा चुनाव लड़ चुके हैं। इनमें उन्हें नौ बार सफलता मिली है। सात बार वह जिले की सोहावल विधानसभा सीट से विधायक चुने गए हैं, जबकि तीन चुनाव वह मिल्कीपुर सीट से लड़े हैं, जिसमें दो बार उन्हें जीत मिली है। पिछले इन सभी चुनावों पर नजर डालें तो लगभग हर बार प्रमुख दलों ने उनके सामने पासी समाज के ही उम्मीदवार को उतारा है। इसमें आठ बार उन्होंने प्रमुख दलों की चाल नाकामयाब की है।

खराब छवि वाले लोगों के लिए राकांपा में कोई जगह नहीं: अजित पवार

शिरडी, 19 जनवरी। महाराष्ट्र के बीड़ में सरपंच की हत्या के बाद से सियासी माहौल गर्म है। राकांपा नेता और महाराष्ट्र के मंत्री धनंजय मुंडे को लेकर विपक्ष सरकार पर सवाल खड़े कर रहा है। इस बीच, राज्य के डिप्टी सीएम अजित पवार ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि सार्वजनिक रूप से खराब छवि वाले किसी भी व्यक्ति के लिए उनके नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में कोई जगह नहीं है। अजित पवार ने यह भी कहा कि जो लोग गलत करेंगे उन्हें पार्टी से निकाल दिया जाएगा। शिरडी में रांकपा सम्मेलन को संबोधित करते हुए पवार ने कहा कि गांवों और कोने-कोने में राकांपा कार्यकर्ता आधार बनाया जाना चाहिए। सभी को समन्वय के साथ काम करना चाहिए। भविष्य राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का है। अजित पवार ने आगे कहा कि विधानसभा चुनाव के बाद हमारी जिम्मेदारी बढ़ गई है। आगामी बीएमसी चुनाव को लेकर अजित ने कहा कि स्थानीय निकाय चुनाव लड़ने में रुचि रखने वालों को 25 घरों के समूह से वोट सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार कार्यकर्ताओं का चयन करना चाहिए।

मैं अभिमन्यु नहीं, बल्कि अर्जुन हूं: धनंजय मुंडे

तेजिन्दर कौर बब्बर

मुंबई, 19 जनवरी। महाराष्ट्र के मंत्री धनंजय मुंडे ने रविवार को महाभारत का उदाहरण देकर कहा कि उन्हें घेरना असंभव है क्योंकि वह अभिमन्यु नहीं, महान तीरंदाज अर्जुन हैं। मुंडे इस समय विपक्ष और सत्तारूढ़ गठबंधन महायुति के नेताओं के निशाने पर हैं। उन पर बीड के सरपंच संतोष देशमुख की अपहरण और हत्या में शामिल होने का आरोप है। पुलिस के अनुसार, सरपंच संतोष देशमुख की हत्या के पीछे एक बड़ी जबरन वसूली का मामला है। बीड जिले में पवन चक्कियां स्थापित करने वाली एक ऊर्जा कंपनी से कथित तौर पर दो करोड़ रुपये की वसूली की जा रही थी। देशमुख ने इस जबरन वसूली का विरोध किया था, जिसके बाद नौ दिसंबर को उनका अपहरण किया गया और फिर हत्या कर दी गई। उनकी मौत के बाद मामले ने तूल पकड़ लिया, जिसके बाद चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। वहीं, कुछ दिन पहले, महाराष्ट्र के मंत्री धनंजय मुंडे के करीबी सहयोगी वाल्मीक कराड ने पुणे में पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण किया था। कराड को पुलिस हिरासत में भेज दिया गया था। बाद में गिरफ्तार कर लिया गया। अभी तक कुल सात आरोपी इस मामले में गिरफ्तार हो चुके हैं। इस मामले के बाद कई नेताओं ने मुंडे से सरकार से इस्तीफा देने की मांग की है। एनसीपी के विधायक मुंडे ने शिरडी में एक पार्टी

सम्मेलन में बोलते हुए कहा कि वह इस बात से ज्यादा दुखी हैं कि इन नेताओं में सत्तारूढ़ गठबंधन के नेता भी शामिल हैं। महायुति में भाजपा, शिवसेना और एनसीपी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि कुछ नेता जानबूझकर उन्हें घेरने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वह इस समय मुश्किलों में उनके साथ खड़े उपमुख्यमंत्री अजित पवार का आभार व्यक्त करते हैं। उन्होंने कहा, कोई फर्क नहीं पड़ता, मुझे घेरने की कोशिश करना बेकार होगा, क्योंकि मैं अभिमन्यु नहीं, अर्जुन हूं। कुछ नेता झूठी जानकारी अजित दादा तक पहुंचा रहे हैं, जो इस कठिन समय में मेरे साथ खड़े हैं। बता दें, महाभारत में अभिमन्यु को उनके विरोधी चक्रव्यूह में फंसाने में कामयाब रहे थे। उसके बाद उन्हें मार गिराया था। मुंडे ने इस घटना को दुखद बताया और कहा कि वह हमेशा चाहते थे कि दोषियों को फांसी दी जाए। उन्होंने यह भी कहा कि अपराध का कोई जाति या धर्म नहीं होता, लेकिन इस घटना को लेकर जानबूझकर एक समुदाय को निशाना बनाया जा रहा है। देशमुख की हत्या ने राज्य में हिंसक प्रदर्शन और जातिवाद पर आधारित विवादों को जन्म दिया है, क्योंकि अधिकांश आरोपी वंजारी समुदाय से हैं, जबकि देशमुख मराठा समुदाय से थे। मुंडे ने पवार के समर्थन का आभार व्यक्त किया और कहा कि दादा को इस समर्थन के लिए दोषी ठहराया जा रहा है। एनसीपी नेता ने कहा कि उन्होंने 2014 और 2019 के बीच तत्कालीन भाजपा-शिवसेना सरकार (देवेंद्र फडणवीस की) के खिलाफ कई अभियान चलाए थे।

देश में एकात्मक शासन की ताक में भाजपा: स्टालिन

चेन्नई, 19 जनवरी। देशभर में एक देश एक चुनाव को लेकर केंद्र सरकार और विपक्ष के बीच मुठभेड़ जारी है। इसी बीच तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने शनिवार को भाजपा और उसके सहयोगियों से एक देश एक चुनाव योजना का विरोध करने की अपील की। उन्होंने कहा कि भाजपा इस योजना के जरिए देश में एक पार्टी का शासन लागू करना चाहती है। हमें भाजपा की एक देश, एक चुनाव योजना का विरोध करना चाहिए, क्योंकि वह देश में एक पार्टी का शासन लाना चाहती है। डीएमके कानूनी विंग के तीसरे राज्य सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा सीएम स्टालिन ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि वे मानते हैं कि यदि यह योजना लागू होती है तो पूरे देश में एक साथ चुनाव होंगे। इससे देश में एकात्मक शासन (एक पार्टी का शासन) की स्थिति बन जाएगी। जो लोकतंत्र के लिए खतरनाक है। साथ ही स्टालिन ने यह भी कहा कि इस कदम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अधिक शक्ति मिल सकती है, जो तानाशाही की ओर बढ़ सकता है। अपने संबोधन के दौरान सीएम ने राज्यपाल आर एन रवि पर भी निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्यपाल एन रवि डीएमके सरकार को संविधान विरोधी साबित करने की कोशिश कर रहे हैं।

लालू से तो मिले राहुल गांधी, मगर तेजस्वी यादव को देते गए झटका

नरेश मल्होत्रा

पटना, 19 जनवरी। बिहार में सीटें भी जातीय जनगणना के आधार पर बंटेगी, जिसे राहुल गांधी ने बताया फर्जी लोकसभा के बाद अब विधानसभा चुनाव में भी तेजस्वी लेने वाले थे जातीय जनगणना का क्रेडिट राहुल गांधी ने जातीय जनगणना को बताया फर्जी;क्या बदलेंगे तेजस्वी यादव अपना एजेंडा? बिहार विधानसभा चुनाव समय पर होगा, यह पक्का है। सत्ता और विपक्ष-अब दोनों ने इसकी पुष्टि कर दी है। विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने कह दिया है- अब कोई खेला नहीं होगा। मतलब, तेजस्वी यादव चुनावी रण में उतरने की तैयारी में जुट गए हैं। वह यह भी कह चुके हैं कि लोकसभा चुनाव के पहले विपक्षी दलों का बना गठबंधन- इंडिया अब अस्तित्व में नहीं है। बिहार में महागठबंधन एक है। यह सारी बातें समझ में आ रही हैं, लेकिन चुनावी साल में पहली बार बिहार आए लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी कुछ ऐसा बोल गए हैं कि महागठबंधन के अंदर संशय की स्थिति हो गई है। तेजस्वी यादव जिसे चुनाव में भुनाने वाले थे, उस एक बड़े मुद्दे पर राहुल गांधी ने कांग्रेस की अलग राय रख दी। महागठबंधन के सबसे मजबूत दल- राष्ट्रीय जनता दल ने लोकसभा चुनाव 2024 के दौरान बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठंधन के खिलाफ मोर्चा ले रखा था। लोकसभा चुनाव के दौरान तेजस्वी यादव बार-बार यह कह रहे थे कि वह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ गए तो बिहार में जातीय जनगणना हो सकी। वह बिहार के जातीय जनगणना को लगातार अपने एजेंडे में रख रहे हैं। उन्होंने बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर बनी हर कार्य-योजना में इसे जगह देने का मन बनाया। चुनावी साल में अमर उजाला से बातचीत करते हुए तेजस्वी ने साफ कहा- विकास का कार्य हम लोगों ने किया है। जातीय आधारित गणना कराया है। आरक्षण की सीमा हम लोगों ने बढ़ाई है। हम लोगों ने जो कहा, वह किया। लेकिन, यह क्या! राहुल गांधी ने तो पटना में आकर ही कह दिया कि बिहार में फर्जी जातिगत जनगणना हुई थी। बिहार विधानसभा चुनाव 2020 के जनादेश से राज्य में गठित हुई राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार ने जातीय जनगणना कराने का फैसला लिया था। तत्कालीन विपक्ष, यानी महागठबंधन के दलों ने भी इसका समर्थन किया। आम लोगों ने विरोध शुरू किया और मामला कोर्ट में चला गया। इस बीच मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अगस्त 2022 में एनडीए छोड़ महागठबंधन का दामन थाम लिया और इसी के बाद जातीय जनगणना होकर इसकी रिपोर्ट आई और अक्टूबर 2023 में आननफानन में आरक्षण भी बढ़ा दिया गया, हालांकि कोर्ट ने इसपर रोक लगा दी। इस रोक को भाजपा की साजिश बताते

हुए तेजस्वी यादव लगातार बिहार में जातीय जनगणना कराने और आरक्षण बढ़ाने का दावा करते रहे हैं। एक तरफ एनडीए 2020 में अपनी सरकार बनने पर जातीय जनगणना का फैसला करने के लिए क्रेडिट ले रहा तो दूसरी तरफ अगस्त 2022 में उप मुख्यमंत्री बने तेजस्वी यादव जगणना करा आरक्षण बढ़ाने का क्रेडिट ले रहे। दोनों ही समय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार थे, इसलिए उनका क्रेडिट तो बनता ही है। ऐसे में अब राहुल गांधी के बयान के बाद सवाल उठ रहा है कि क्या तेजस्वी इस क्रेडिट वार में पिछड़ जाएंगे? बिहार में चुनावी राजनीति करने वाले हर दल को पता है कि यहां विकास से ज्यादा जाति बड़ा मुद्दा है। जातीय जनगणना के बाद बढ़ा आरक्षण लागू हुआ था, तभी जातीय गतिरोध बढ़ गया था। बहुत बड़ा कुछ हो, इसके पहले हाईकोर्ट ने इसपर रोक लगा दी। सुप्रीम कोर्ट ने भी इस रोक को हटाने से मना कर दिया। यह मामला अभी वहीं है। लेकिन, बिहार में जातीय जनगणना के आंकड़ों से जो माहौल बना- वह बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में कहीं-न-कहीं प्रभाव दिखाएगा, यह पक्का है। चाणक्या इंस्टीट्यूट ऑफ पॉलिटिकल राइट्स एंड रिसर्च के अध्यक्ष सुनील कुमार सिन्हा कहते हैं- बिहार में सीटों का बंटवारा भी इसी जातीय जनगणना के आधार पर होगा और हमेशा की तरह जातीय गोलबंदी से ही चुनाव परिणाम भी प्रभावित होगा। ऐसे में राजद अगर अब जातीय जनगणना का क्रेडिट लेने उतरता है तो भाजपा उसे कांग्रेस के नंबर वन नेता राहुल गांधी का पटना वाला बयान आइने की तरह दिखा सकती है। राहुल गांधी का यह बयान महागठबंधन की एकता के लिए मुसीबत बन सकता है, क्योंकि उन्होंने जातीय जनगणना को फर्जी बता दिया।

बांग्लादेशी हो सकता है सैफ का हमलावर, चोरी के इरादे से घर में घुसा था

नई दिल्ली, 19 जनवरी। सैफ अली खान पर हमला करने वाले आरोपी को लेकर मुंबई पुलिस ने कई खुलासे किए हैं। पुलिस ने रविवार सुबह प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि आरोपी का बांग्लादेश से कनेक्शन हो सकता है। मुंबई पुलिस के जोन 9 के डीसीपी दीक्षित गेडाम ने कहा, 16 जनवरी को रात 2 बजे अभिनेता सैफ अली खान पर उनके घर पर हमला हुआ। बांद्रा पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया और एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया। आरोपी का नाम मोहम्मद शरीफुल इस्लाम शहजाद है। आरोपी चोरी के इरादे से घर में घुसा था। हमें संदेह है कि वो बांग्लादेशी मूल का है। उसके पास वैध भारतीय दस्तावेज नहीं हैं। ष्टष्टक्क दीक्षित गेडाम ने कहा, प्रथम दृष्टया आरोपी बांग्लादेशी है और अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने के बाद उसने अपना नाम बदल लिया था। अभी उसने अपना वर्तमान नाम विजय दास रखा हुआ था। वो 5-6 महीने पहले मुंबई आया था। आरोपी एक हाउसकीपिंग एजेंसी में काम करता था। सैफ अली खान मामले में पुलिस ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि आरोपी का नाम मोहम्मद शरीफुल इस्लाम शहजाद है। वह 30 साल का है। आरोपी का कनेक्शन बांग्लादेश से है, ऐसा पुलिस को लग रहा है। पुलिस ने कहा कि आरोपी को कोर्ट में पेश करके कस्टडी की मांग की जाएगी। सैफ अली खान मामले में मुंबई बांद्रा पुलिस स्टेशन में मामला चल रहा है। डीसीपी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि हमें लगता है कि आरोपी बांग्लादेश से है। इसमें इसी तरह के चार्जेस की मांग की जाएगी। डीसीपी ने कहा कि उन्हें शक है कि आरोपी 5-6 महीने पहले मुंबई आया। इससे पहले मुंबई के आस पास के इलाके में रहता था। 15 दिन पहले वह फिर से मुंबई आया। वहीं, इस मामले में अब आरोपी के वकील ने कहा कि ऐसा कुछ नहीं है। वह कई सालों से यहीं रह रहा था। इसका कोई प्रूफ नहीं है।

लेबनान से बांग्लादेश के 47 और नागरिक स्वदेश लौटे

एजेंसी

ढाका। युद्धग्रस्त लेबनान में फंसे बांग्लादेश के 47 और नागरिक आज स्वदेश लौट आए। अंतरिम सरकार ने इनकी यात्रा का पूरा खर्च वहन किया। यह लोग कतर एयरवेज की उड़ान (क्यूआर 640) से सुबह 9:15 बजे हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचे। विदेश मंत्रालय के अनुसार, अब तक 19 उड़ानों के माध्यम से लेबनान से कुल 1,246 बांग्लादेशी नागरिकों को वापस लाया गया है। ढाका ट्रिब्यून की खबर के अनुसार, विदेश मंत्रालय, प्रवासी कल्याण और विदेशी रोजगार मंत्रालय और अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन ने सभी का हवाई अड्डे पर स्वागत किया। बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन ने प्रत्येक व्यक्ति को 5,000 टका प्रदान किए। विदेश मंत्रालय के अधिकारियों के अनुसार, वापस लौटे लोगों ने कहा कि लेबनान में संघर्ष के दौरान बमबारी की घटना में कथित तौर पर उनके एक साथी की जान चली गई।

भारी हिमपात के कारण काबुल को नौ प्रांतों से जोड़ने वाला मुख्य राजमार्ग अवरुद्ध

काबुल। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल को नौ उत्तरी प्रांतों से जोड़ने वाला सालंग राजमार्ग भारी हिमपात के कारण यातायात के लिए

अवरुद्ध हो गया है। लोक निर्माण मंत्रालय ने यह जानकारी दी। मंत्रालय ने कहा कि भारी हिमपात और तूफान के कारण राजमार्ग अवरुद्ध हो गया है। वाहन चालकों से अगली सूचना तक इस मार्ग पर वाहन न चलाने की अपील की गयी है। परिवहन और नागरिक उड्डयन मंत्रालय के अनुसार अफगानिस्तान के 34 प्रांतों में से 29 में अगले कुछ दिनों में भारी हिमपात, बाढ़ और भारी बारिश होगी।

दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति ने कोर्ट के समक्ष दी रिहाई की दलील

सियोल। दक्षिण कोरिया में पिछले महीने मार्शल लॉ की अल्पकालिक घोषणा कर कानूनी एवं राजनीतिक संकट में फंसे राष्ट्रपति यून सुक येओल ने सियोल न्यायाधीश के समक्ष अपनी रिहाई के लिए दलील दी। ऐसा इसलिए क्योंकि अदालत ने समीक्षा की कि क्या उनकी औपचारिक गिरफ्तारी के लिए कानून प्रवर्तन अनुरोध को मंजूरी दी जानी चाहिए। यून के वकीलों ने कहा कि लगभग पांच घंटे की बंद कमरे में सुनवाई के दौरान उन्होंने न्यायाधीश से लगभग 40 मिनट तक बात की। उनकी कानूनी टीम और भ्रष्टाचार विरोधी एजेंसियों ने इस बारे में विरोधी तर्क प्रस्तुत किए कि क्या उन्हें हिरासत में रखा जाना चाहिए। वकीलों ने उनकी विशिष्ट टिप्पणियां साझा नहीं कीं। इससे पहले, उच्च-रैंकिंग अधिकारियों के लिए गठित देश के भ्रष्टाचार जांच कार्यालय (सीआईओ) ने सियोल पश्चिमी जिला न्यायालय से येओल के खिलाफ औपचारिक गिरफ्तारी वारंट जारी करने का आग्रह किया है। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति यून, जो बुधवार को अपने आवास पर बड़े पैमाने पर कानून प्रवर्तन अभियान में पकड़े जाने के बाद से हिरासत में हैं, 03 दिसंबर को मार्शल लॉ की घोषणा से जुड़े संभावित विद्रोह के आरोपों का सामना कर रहे हैं।

सीरिया के नए नेता अहमद अल-शरा ने संयुक्त अरब अमीरात से सहयोग मांगा

दमिश्क। सीरिया के नए नेता अहमद अल-शरा ने संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान से सहयोग मांगा है। उन्होंने राष्ट्रपति नाहयान को फोन किया। दिसंबर में बशर अल-असद शासन के पतन के बाद मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान को फोन करने वाले अहमद अल-शरा पहले नेता हैं। वह विद्रोही गुट हयात तहरीर अल-शाम के नेतृत्व वाले प्रशासन के कमांडर-इन-चीफ हैं। अरबी न्यूज एजेंसी '963+' के अनुसार, अल-शरा और अल नाहयान ने सीरिया और यूएई के बीच संबंधों को इस तरह से मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की जो दोनों देशों के सामान्य हितों को पूरा करे। साथ ही यूएई सीरिया में स्थिरता प्राप्त करने और आर्थिक स्थिति में सुधार लाने में नए सीरियाई प्रशासन के कदमों का समर्थन करे। सीरिया की सरकारी समाचार एजेंसी सना के अनुसार, अल-शरा और अल नाहयान ने सीरियाई-अमीराती समन्वय के महत्व और सीरियाई लोगों को युद्ध के कारण बनी मौजूदा स्थिति से बाहर निकलने में समर्थन देने के प्रयासों को तेज करने पर जोर दिया।

डोनाल्ड ट्रंप कड़ाके की ठंड के बीच लेंगे शपथ, उद्घाटन समारोह खुले में नहीं रोटुंडा में होगा

एजेंसी

कोलंबो। श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके चीन की चार दिवसीय सरकारी यात्रा पूरी कर स्वदेश लौट आए। श्रीलंका के अधिकारियों का कहना है कि राष्ट्रपति की यात्रा बेहद सफल रही। इस दौरान दोनों देशों के बीच 15 समझौतों पर हस्ताक्षर हुए। चीन और वहां की कंपनियों से 10 अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश का भरोसा राष्ट्रपति दिसानायको को दिया गया है। डेली मिरर के अनुसार, चीन सरकार और वहां के उद्योगपतियों ने श्रीलंका में लगभग 10 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करने में दिलचस्पी दिखाई है। सिनोपेक ने हंबनटोटा में 200,000 बैरल की क्षमता वाली अत्याधुनिक तेल रिफाइनरी में 3.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर के निवेश के समझौते पर हस्ताक्षर किए है। इससे श्रीलंका के लिए विदेशी भंडार को बढ़ावा मिलेगा। इसके उत्पादन को निर्यात के

लिए नियोजित किया गया है। परिणामस्वरूप इससे विदेशी मुद्रा आय में वृद्धि होगी।

इसके अलावा आर्थिक और तकनीकी सहयोग, निवेश और आर्थिक सहयोग कार्यसमूह की स्थापना, चीन में कृषि उत्पादों के लिए बाजार पहुंच, मीडिया और पर्यटन प्रचार पर सहयोग पर चीनी सरकार से 500 मिलियन आरएमबी (20 अरब रुपये) का अनुदान प्राप्त होगा। दोनों देश कोलंबो पोर्ट सिटी और हंबनटोटा पोर्ट एकीकृत विकास सहित सभी प्रमुख परियोजनाओं को आगे बढ़ाने पर सहमत हुए हैं।

राष्ट्रपति की राजकीय यात्रा के दौरान श्रीलंका को चीनी कंपनियों से लगभग 10 बिलियन अमेरिकी डॉलर का निवेश आकर्षित करने का मौका मिला है। चीन के राष्ट्रपति शी ने आर्थिक और व्यापार वृद्धि, निवेश, पर्यटन, डिजिटल परिवर्तन और बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग करने का भरोसा दिया है।

दिसानायके ने चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग और चीन की नेशनल पीपुल्स कांग्रेस की स्थायी समिति के अध्यक्ष झाओ लेजी के साथ भी बातचीत की और आगे के सहयोग के क्षेत्रों पर चर्चा की। राष्ट्रपति डिसानायके ने श्रीलंका में निवेश गोलमेज सम्मेलन को भी संबोधित किया। इसमें चीन के स्वामित्व वाले उद्यमों (एसओई) और कंपनियों के शीर्ष प्रतिनिधियों ने भाग लिया। राष्ट्रपति के मीडिया प्रभाग के अनुसार, चीनी एसओई ने श्रीलंका में नए निवेश और मौजूदा निवेश परियोजनाओं के विस्तार करने में अपनी रुचि व्यक्त की।

ईरान में सुप्रीम कोर्ट परिसर में हमलावर ने दो न्यायाधीश को मारी गोली

एजेंसी

तेहरान। ईरान की राजधानी तेहरान में एक हमलावर ने सुप्रीम कोर्ट के दो वरिष्ठ न्यायाधीशों को गोली मारने के बाद खुद को भी गोली मार कर जान दे दी। न्यायपालिका और सरकारी मीडिया के अनुसार ईरान की सुप्रीम कोर्ट के दो वरिष्ठ न्यायाधीशों की मध्य तेहरान में न्यायाधिकरण भवन के बाहर गोलीबारी में मौत हो गई है। न्यायपालिका के मीडिया केंद्र द्वारा जारी एक बयान के अनुसार तड़के सुप्रीम कोर्ट के बाहर हथियारों से लैस एक व्यक्ति ने दो वरिष्ठ न्यायाधीशों होज्जत अल-इस्लाम रजिनी और होज्जत अल-इस्लाम वल-मुस्लिमीन मोकिसेह की गोली मार कर हत्या कर दी। बयान में कहा गया है कि ÷वे (दोनों न्यायाधीश) राष्ट्रीय सुरक्षा, जासूसी और आतंकवाद के खिलाफ अपराधों की सुनावाई करने में सक्रिय रूप से शामिल थे। मारे गए दोनों न्यायाधीशों साहसी और अनुभवी थे। हमलावर की पहचान और उसका मकसद अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। बयान में कहा गया, प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि अपराधी का सुप्रीम कोर्ट में पहले कोई मामला नहीं था और न ही वह वहां आने वालों में से

था। सरकारी अखबार तेहरान टाइम्स के अनुसार आज हुए हमले में एक अंगरक्षक भी घायल हो गया। ईरानी मीडिया ने कहा कि हमले में शामिल अन्य संदिग्धों की पहचान करने और उन्हें गिरफ्तार करने के लिए जांच चल रही है। न्यायाधीश रजिनी पर 1998 में भी हत्या के प्रयास किया गया था, जब वह तेहरान की न्यायपालिका के प्रमुख के रूप में कार्यरत थे।

ट्रम्प से फीफा प्रमुख इन्फैनटिनो ने मुलाकात की

एजेंसी

फ्लोरिडा। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फैनटिनो ने आगामी टूर्नामेंटों पर चर्चा करने के लिए फ्लोरिडा में मुलाकात की है। उन्होंने यह जानकारी दी। श्री इन्फैनटिनो के अनुसार उन्होंने और श्री ट्रम्प ने क्लब विश्व कप पर चर्चा की। विश्व कप 15 जून से 13 जुलाई तक अमेरिका में आयोजित किया जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने संयुक्त रूप से अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में 2026 में आयोजित किए जाने वाले विश्व कप पर भी चर्चा की।

उन्होंने इंस्टाग्राम (मेटा के स्वामित्व में, रूस में प्रतिबंधित) पर श्री ट्रम्प के साथ तस्वीरें संलग्न करते हुए कहा ÷मैं उनके आगामी शपथ ग्रहण समारोह से पहले फ्लोरिडा के मार-ए-लागो में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से मिलकर सम्मानित महसूस हुआ। हमने इस ग्रीष्मकालीन फीफा क्लब विश्व कप और 2026 में फीफा

विश्व कप पर चर्चा की - दो वास्तव में वैश्विक टूर्नामेंट जो अमेरिका खेले जायेंगे मेजबानी में एक महत्वपूर्ण भूमिका। आपके समय के लिए और आने वाले महीनों में फीफा का समर्थन करने के लिए धन्यवाद। अमेरिका विश्व का स्वागत करता है और फुटबॉल विश्व को एकजुट करता है।'

फीफा प्रमुख ने कहा कि श्री ट्रम्प फीफा और अगले 18 महीनों में अमेरिका में आयोजित होने वाले दो प्रमुख टूर्नामेंटों के प्रबल समर्थक रहे हैं। श्री ट्रम्प 20 जनवरी को वाशिंगटन में राष्ट्रपति पद की शपथ ग्रहण करेंगे।

इजरायल के पास गाजा में युद्ध में लौटने का अधिकार बरकरार-नेतन्याहू

एजेंसी

यरूशलम। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि 'अगर हमें युद्ध में लौटना पड़ा तो हम नए तरीकों और बड़ी ताकत से ऐसा करेंगे।' उन्होंने कहा कि इजरायल के पास गाजा युद्ध में लौटने का अधिकार बरकरार है।

श्री नेतन्याहू ने हमास के साथ संघर्ष विराम समझौते पर एक वीडियो बयान में कहा कि निवर्तमान अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प दोनों ने इजरायल के अधिकार को पूरा समर्थन दिया है। यदि समझौते के दूसरे चरण की बातचीत 'निरर्थक' हो तो लड़ाई पर लौटें। संघर्ष विराम समझौता रविवार को स्थानीय समयानुसार सुबह 8:30 बजे प्रभावी होगा।उन्होंने कहा कि बुधवार शाम को उनके साथ बातचीत में श्री ट्रम्प ने इस बात पर जोर दिया कि समझौते का पहला चरण अस्थायी युद्धविराम है। उन्होंने कहा कि इज़रायल मिस्र-

गाजा सीमाओं पर फिलाडेल्फी कॉरिडोर बनाए रखेगा 'न केवल हम वहां बलों को कम नहीं करेंगे, बल्कि हम उन्हें थोड़ा बढ़ा भी देंगे।' उन्होंने कहा कि इजरायली सेना गाजा पट्टी के अंदर तैनात की जाएगी और इसे सभी तरफ से बंद कर देगी। उन्होंने कहा,'हम हथियारों की तस्करी नहीं होने देंगे और न ही अपने बंधकों को बाहर ले जाने देंगे।' श्री नेतन्याहू ने कहा कि समझौते के पहले चरण में रविवार से रिहा होने वाले 33 इजरायली बंधकों में से अधिकांश जीवित हैं।

अफगानिस्तान ने नौ महीनों में 290 लाख अमेरिकी डॉलर से अधिक मूल्य का केसर निर्यात किया

एजेंसी

काबुल। अफगानिस्तान ने पिछले नौ महीनों में 290 लाख अमेरिकी डॉलर से अधिक मूल्य का केसर निर्यात किया है, उद्योग और वाणिज्य मंत्रालय के प्रवक्ता अखुंदजादा अब्दुल सलाम जवाद ने यह जानकारी दी।

निजी मीडिया आउटलेट टोलोन्यूज ने जवाद के हवाले से कहा, 1403 सौर वर्ष (फारसी कैलेंडर में वर्ष 1403 गत 20 मार्च से शुरू हुआ) के नौ महीनों के दौरान लगभग 42,200 किलोग्राम केसर का निर्यात किया गया। जवाद ने कहा कि अफगानिस्तान में स्थानीय रूप से 'लाल सोना' के रूप में जाना जाने वाला यह मूल्यवान मसाला ज्यादातर भारत, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, तुर्की, स्पेन, जर्मनी, अमेरिका और ब्रिटेन को निर्यात किया गया है। अफ़ग़ानिस्तान के मुख्य निर्यात वस्तुओं में कोयला,

केसर, ताजे और सूखे मेवे, हाथ से बुने हुए कालीन और कीमती पत्थर शामिल हैं।केसर की खेती आमतौर पर पश्चिमी हेरात प्रांत में की जाती है।

नेपाल के नागरिकों से चीनी कंपनी के थाईलैंड, कंबोडिया, लाओस व म्यांमार में आकर्षक नौकरी के झांसे में न पड़ने की अपील

एजेंसी

काठमांडू। थाईलैंड स्थित नेपाली दूतावास ने सभी नेपाली नागरिकों के लिए एक सूचना जारी करते हुए किसी भी चीनी कंपनी के द्वारा आकर्षक नौकरी के झांसा में नहीं पड़ने की अपील की है। नेपाली नागरिकों के इन देशों में नौकरी के लिए लाखों रुपए कमीशन देकर आने और गैरकानूनी काम में फंसाने की घटना के बाद नेपाल दूतावास ने अपील जारी की है।

नेपाली दूतावास ने बयान जारी कर बताया कि चीनी कंपनी के झांसे में पड़कर कंबोडिया, लाओस, म्यांमार जैसे देशों में 17 नेपाली नागरिकों के फंसे होने की सूचना के कई महीने बाद शुक्रवार को सिर्फ एक नेपाली नागरिक को वहां से बचाया जा सका है। दूतावास के बयान में कहा गया है

कि बैंकाक पुलिस की मदद से बचाए गए नेपाली नागरिक म्यांमार की सीमा से लाया गया है। इस व्यक्ति के मुताबिक उसके जैसे 16 अन्य नेपाली नागरिक जो एक चीनी मैनपावर एजेंट के नौकरी के ऑफर में यहां आए थे, उन सभी के पासपोर्ट, पैसे, एटीएम कार्ड और मोबाइल फोन जब्त कर लिए गए और इन सभी को लाओस, म्यांमार और कंबोडिया के दूरदराज इलाके में रख कर इनसे गैर कानूनी काम करवाया जा रहा है। इसे देखते हुए बैंकॉक में नेपाली दूतावास ने नेपाल के नागरिकों से आकर्षक नौकरी के झांसे में पड़ कर कंबोडिया, लाओस, म्यांमार और थाईलैंड सहित देशों की यात्रा करने से बचने का आग्रह किया है। दूतावास ने नेपाल के नागरिकों से कानूनी दिशा-निर्देशों का पालन करने और केवल वैध श्रम परमिट के साथ विदेशी रोजगार की तलाश करने का अनुरोध किया। नेपाल में कानूनी रूप से कड़ाई के बाद सोशल मीडिया के जरिए थाईलैंड, कंबोडिया, म्यांमार और लाओस में रहे चीनी मैनपावर कंपनी इस तरह के विज्ञापन धड़ल्ले से दे रही हैं।

खैबर पख्तूनख्वा के कुर्रम जिले में सांप्रदायिक हिंसा, मृतकों की संख्या बढ़कर हुई आठ

एजेंसी

पेशावर। कुर्रम जिले की राजधानी पाराचिनार जा रहे सहायता काफिले पर हुए घातक हमले में लापता ड्राइवरों के चार और शव बरामद होने के बाद मृतकों की संख्या बढ़कर 8 हो गई है। पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा (केपी) प्रांत का कुर्रम जिला सांप्रदायिक हिंसा के बाद महीनों से देश के बाकी हिस्सों से कटा हुआ है। अब तक 150 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है।

इलाके में खाद्य आपूर्ति और दवाओं की कमी के कारण दर्जनों महिलाओं और बच्चों की मौत होने की वजह से हताहतों की संख्या में बढ़ोतरी हुई। हाल ही में विरोधी ग्रुप्स के बीच एक 14 सूत्री शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए गए, जिससे तबाह क्षेत्र में शांति की उम्मीद जगी थी। हालांकि, राहत सहायता ले जा रहे काफिले पर गुरुवार को बड़ा हमला

हुआ। कुर्रम के अतिरिक्त उपायुक्त (एडीसी) ने कहा, हमला कम से कम पांच घंटे तक चला। पांच ड्राइवर लापता हो गए, जिनमें से चार के शव बरामद कर लिए गए। अब तक कुल मृतकों की संख्या आठ है, इनमें चार ड्राइवर और दो सुरक्षाकर्मी शामिल हैं। दूसरी ओर, पुलिस सूत्रों का कहना है कि अब तक कम से कम 10 लोग मारे गए हैं, जिनमें दो सुरक्षाकर्मी, चार ड्राइवर और चार नागरिक शामिल हैं। उनका कहना है कि छह ड्राइवर अब भी लापता हैं। हमलावरों ने उन्हें रॉकेट और ऑटोमैटिक हथियारों का इस्तेमाल करके अगवा कर लिया था। सुरक्षा बलों ने बताया कि जवाबी फायरिंग में छह हमलावर भी मारे गए। बतादें कि 35 वाहनों का यह काफिला, पाराचिनार में पहुंचाई जाने वाली सहायता सामग्री का दूसरा जत्था था। इसमें दवाइयां, सब्जियां, फल और अन्य खाद्य सामग्री शामिल थी। इसे पुलिस और फ्रंटियर कांस्टेबुलरी (एफसी) सहित सुरक्षा बलों द्वारा सुरक्षा प्रदान की जा रही थी। इस ताजा हमले ने शांति समझौते को फिर से झकझोर दिया। इससे जिले में भय और अनिश्चितता का माहौल है।

इजराइली वायु सेना ने यमन से प्रक्षेपित एक बैलिस्टिक मिसाइल को रोका

एजेंसी

येरूशलम। इजराइल के वायु रक्षा बलों ने यमन की ओर लॉन्च की गई एक बैलिस्टिक मिसाइल को रोका है। मिसाइल को ब्लास्ट करने के कारण गिरे उसके टुकड़ों को लेकर मध्य इजराइल और येरूशलम में सायरन भी बजा। यह जानकारी इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने शनिवार शाम को दी।

द टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के अनुसार पुलिस ने कहा है कि उन्हें यमन से लॉन्च की गई इंटरसेप्टेड मिसाइल के मलबे और छर्रे की रिपोर्ट मिली है, जो येरूशलम में गिरी है। पुलिस के अनुसार, कुछ टुकड़े मोशाव बार जियोरा के पास एक खुले क्षेत्र में गिरे, जबकि अन्य टुकड़े मेवो बीटर के बगल में एक गैस स्टेशन के पास गिरे। साथ ही मिसाइल का एक बड़ा हिस्सा बीटर लिलिट के

पास एक खेत में गिरा। पुलिस ने लोगों से टुकड़ों को न छूने को कहा है। पुलिस फिलहाल मलबे की जांच कर रही है। इस बीच, आईडीएफ ने घोषणा की है कि वह हमास के साथ युद्धविराम और बंधक समझौते की तैयारी कर रहा है, जिसे सरकार ने रातोंरात मंजूरी दे दी है। यह प्रक्रिया रविवार को शुरू होने वाली है। इजराइली सेना ने कहा है कि हमास की कैद से रिहा होने के बाद बंधकों को प्राप्त करने की तैयारी की जा रही है।

महाभियोग के शिकार दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति ने अदालत के समक्ष रिहाई के लिए दलील दी

सियोल। महाभियोग झेल रहे दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक येओल ने सियोल न्यायाधीश के समक्ष अपनी रिहाई के लिए दलील दी। ऐसा इसलिए क्योंकि अदालत ने समीक्षा की कि क्या उनकी औपचारिक गिरफ्तारी के लिए कानून प्रवर्तन अनुरोध को मंजूरी दी जानी चाहिए। यून के वकीलों ने कहा कि लगभग पांच घंटे की बंद कमरे में सुनवाई के दौरान उन्होंने न्यायाधीश से लगभग 40 मिनट तक बात की।

भारत से तस्करी कर लाया गया 462 किलो लाल चंदन काठमांडू से बरामद, दो तस्कर गिरफ्तार

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल में करीब एक दशक से बंद रहे लालचंदन (रक्तचंदन) की तस्करी एक बार फिर से शुरू होती दिख रही है। दक्षिण भारत से तस्करी कर लाया गया करीब 462 किलो का रक्तचंदन सहित काठमांडू में दो तस्करों की गिरफ्तारी हुई है। तीन दिन पहले यानि 15 जनवरी को काठमांडू के पेप्सीकोला क्षेत्र में रहे एक व्यक्ति के घर से नेपाल पुलिस की अपराध अनुसंधान विभाग ने छापामारी कर बड़े पैमाने पर रक्तचंदन बरामद किया है। बरामद किए गए रक्तचंदन और गिरफ्तार किए गए आरोपियों को सार्वजनिक किया गया है। काठमांडू के क्राइम ब्रांच के एसपी काजी कुमार आचार्य ने बताया कि उनकी टीम को किसी बड़ी तस्करी की सूचना मिली थी। आचार्य के मुताबिक उनके पास तस्करी का बड़ा सामान होने की सूचना थी। उन्हें बिल्कुल भी इस बात का अंदाजा नहीं था कि तस्करी का यह सामान रक्तचंदन हो सकता है। एसपी आचार्य ने बताया कि इस रक्तचंदन को अपने घर में छिपा कर रखने वाले

ज्ञानचंद तिमिल्सिना और रक्तचंदन को भारत के बैंगलौर से काठमांडू तक लाने वाले रमेश थापा को गिरफ्तार किया है। थापा माओवादी के स्थानीय नेता हैं और पहले माओवादी के जनमुक्ति सेना का हिस्सा रहचुके हैं। क्राइम ब्रांच के एसपी ने इन दोनों आरोपियों के बयान के आधार पर बताया कि रमेश थापा पिछले कई महीनों से बंगलौर में था जहां उसकी मुलाकात रक्तचंदन के कारोबारियों से हुई। पहले भी रक्तचंदन की तस्करी में हाथ आजमा चुका रमेश थापा ने चीनी व्यापारी से मोटे पैसे वसूलकर उसे रक्तचंदन की यह लकड़ियां सप्लाई करने वाला था। एसपी आचार्य ने बताया कि आरोपी थापा ने इसके लिए चीनी व्यापारी से पैसे भी ले चुका था और जल्द ही उसे सप्लाई करने वाला था। पूछताछ में यह भी पता लगा है कि रक्तचंदन का यह खेप बैंगलौर से बिहार के रक्सौल तक ट्रेन से लाया गया और बाद में नेपाल के बीरगंज होते हुए तीन हफ्ते पहले ही काठमांडू लाया गया था। नेपाल में एक दशक पहले एक दौर था जब आए दिन सैकड़ों क्विंटल रक्तचंदन की खेप पकड़ी जाती थी जिससे यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि कितने बड़े पैमाने पर इसकी तस्करी की जाती थी। इसमें सबसे अधिक माओवादी के नेता शामिल थे जो भारत से रक्तचंदन की खेप ट्रक में भरकर लाते और चीन की सीमा तक पहुंचा देते थे।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

भाजपा ने केजरीवाल -मनीष सिसोदिया की आय पर उठाया सवाल

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की चुनावी लाफनामों में दायर कर्ज और आय के आंकड़ों को लेकर सवाल किया है। भाजपा के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा की भाजपा ने दो दिन पहले जन जिज्ञासा का सवाल उठाया था की आखिर कैसे मुमकिन है की एक मुख्यमंत्री अपनी बेसिक आमदनी से भी कम का आयकर रिटर्न दाखिल करता है। उन्होंने कहा कि इस पर अरविंद केजरीवाल ने अभी तक जवाब देना जरूरी नहीं समझा। हम आज फिर से अरविंद केजरीवाल से सवाल पूछते हैं कि आखिर यह कैसे मुमकिन है की गत दशक में आपके आयकर रिटर्न में दिखाई आय आपके मूल वेतन से भी कम है। वहीं शराब नीति बनने वाले कोविड काल में आपकी आय 40 गुणा कैसे बढ़ गई थी। वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा है की अभी हम समझ ही रहे थे की आखिर कैसे

एक सेवानिवृत्त आयकर अधिकारी एवं पूर्व मुख्यमंत्री की आय दिल्ली वालों की पर-केपिटा आय से भी कम हो सकती है तो तभी हमारा ध्यान मनीष सिसोदिया के हलाफनामे पर गया। इसमें सिसोदिया पर कर्ज के आंकड़े हर नागरिक के मन में सैकड़ों सवाल खड़े करते हैं। दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष ने कहा है कि आजकल बच्चों की उच्च शिक्षा के लिए मां-बाप द्वारा कर्ज लेना सामान्य बात है लेकिन मनीष सिसोदिया के मामले में यह शिक्षा कर्ज लेना असामान्य बात है। साधारणता हम सब बच्चों का शिक्षा कर्ज बैंक से लेते हैं पर मनीष सिसोदिया व्यापारिक लोगों से शिक्षा ऋण लेते हैं। वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा कि मनीष सिसोदिया का चुनावी हलाफनामा यह बताता है की सिसोदिया आम लोगों की ही तरह फिक्स्ड डिपॉजिट बचत तो बैंक में करते हैं पर जब कर्ज लेने की जरूरत पड़ती है तो उनके पास ऐसे-ऐसे मित्र हैं जो उन्हें लाखों रुपये का कर्ज दे देते हैं, वो भी दीर्घकालीन अवधि के लिए।

उन्होंने कहा कि मनीष सिसोदिया के रिटर्न अनुसार हर सामान्य नागरिक की ही तरह सिसोदिया भी सरकारी बैंकों में जाना पसंद करते हैं जैसे बैंक आफ बड़ोदा, शकरपुर में उनके पास 14 लाख की फिक्स्ड डिपॉजिट है, तो पंजाब नेशनल बैंक साहिबाबाद में 19 लाख 97 हजार का फिक्स्ड डिपॉजिट है। किसी मध्यम वर्गीय परिवार की ही तरह उनके जमा पूंजी आंकड़े सामान्य हैं पर जब हम मनीष सिसोदिया के ऊपर शिक्षा कर्ज का आंकड़ा देखते हैं तो लगता है की यह तो हेर-फेर का मामला हो सकता है। सचदेवा ने कहा कि सवाल यह भी है कि केजरीवाल-सिसोदिया ने कर्ज क्यों लिया, किसी सरकारी योजना का भी लाभ ले सकते थे।

भारत नगर में युवक ने प्रेमिका को मौत के घाट उतारा, धरा गया

एजेंसी

नई दिल्ली। उत्तर पश्चिमी जिले के भारत नगर इलाके में शाकिर नामक युवक ने अपनी ही प्रेमिका सानिया की गला घोंटकर हत्या कर दी। वारदात को अंजाम देने के बाद उसने पुलिस को गुमराह करने के लिए सानिया के शव को फंदे पर लटका दिया। मामले की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नजदीकी अस्पताल के शवगृह में सुरक्षित रखवा दिया। स्थानीय पुलिस के अलावा क्राइम टीम और फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया तो मामला संदिग्ध लगा। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाल कर एक संदिग्ध की पहचान की। पुलिस ने संदिग्ध से सख्ती से पूछताछ की तो वह टूट गया। उसने अपना गुनाह कबूल कर लिया। उत्तर पश्चिमी जिले के डीसीपी भीष्म सिंह के अनुसार शाकिर ने बताया कि उसका मृतका से पिछले पांच साल से संबंध था। वह प्रेमिका से बहुत नाराज था क्योंकि वह पिछले तीन महीनों से उसे धोखा दे रही थी। इसलिए उसने उसकी हत्या की योजना बनाई और इसे आत्महत्या का रूप देने की कोशिश की।पुलिस के मुताबिक शुक्रवार देर रात भारत नगर थाना पुलिस को सूचना मिली कि एक महिला ने फंदा लगा लिया है। मौके पर पहुंची पुलिस ने पाया किएक कमरे में युवती जमीन पर पड़ी हुई है। वहीं एक चुन्नी पंखे पर लटकी हुई है। घटनास्थल की जांच करने पर पुलिस को शक हुआ। जिसके बाद पुलिस ने हत्याका केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज से आरोपित की पहचान कर उसे दबोचा। जांच में पता चला है कि घटना के समय आरोपितछत के रास्ते से युवती के कमरे में घुसा था।

दिल्ली पुलिस ने केजरीवाल से जुड़ी डॉक्यूमेंट्री की स्क्रीनिंग पर लगाई रोक

एजेंसी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आआपा) के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर बनी डॉक्यूमेंट्री 'अनब्रेकेबल' की स्क्रीनिंग रोक दी गई। यह डॉक्यूमेंट्री आआपा नेताओं के जेल जाने और उनके संघर्ष पर आधारित है। पार्टी की ओर से इसका एक पोस्टर भी जारी किया गया था। इस डॉक्यूमेंट्री के स्क्रीनिंग का आयोजन दिल्ली के आईटीओ स्थित प्यारेलाल भवन में शनिवार दोपहर 12 बजे होना था, लेकिन दिल्ली पुलिस ने अनुमति न होने का हवाला देते हुए इसे रोक दिया। मध्य जिले के डीसीपी एम हर्षवर्धन ने बताया कि चुनाव की घोषणा के बाद सभी राजनीतिक दलों को किसी भी सार्वजनिक कार्यक्रम के लिए डीईओ कार्यालय (डीएम कार्यालय) के सिंगल विंडो सिस्टम से अनुमति लेनी होती है। यह चुनावी प्रक्रिया का मानक नियम है। इस कार्यक्रम के लिए कोई अनुमति नहीं ली गई थी, इसलिए यह नियमों का उल्लंघन होता। हम सभी दलों से आग्रह करते हैं कि वे चुनावी नियमों का पालन करें। डीसीपी ने स्पष्ट किया कि दिल्ली पुलिस इस समय ऐसी अनुमति न तो दे सकती है और न ही अस्वीकार कर सकती है, क्योंकि सभी राजनीतिक गतिविधियों के लिए अनुमति संबंधित डीईओ कार्यालय के सिंगल विंडो सिस्टम के माध्यम से दी जाती है।

क्राइम ब्रांच ने सीरियल किलर को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने पैरोल लेकर फरार हुए आरोपित चंद्रकांत झा को गिरफ्तार कर लिया है। चंद्रकांत झा ने सात हत्याएं की थीं। आरोपित हत्या करने के बाद उनके शरीर के टुकड़ों को शहर में हर तरफ फेंक देता था। आरोपित को कोर्ट ने 2013 में उम्र कैद की सजा सुनाई थी। साल 2023 में चंद्रकांत को 90 दिन की पैरोल मिली थी। पैरोल खत्म होने के बाद चंद्रकांत वापस नहीं गया तो पुलिस ने केस दर्ज कर उसकी तलाश शुरू की। चंद्रकांत ने कोर्ट में दलील दी थी कि वह अपने परिवार में अकेला पुरुष है और उसकी तीन बेटियां है। पिता होने के नाते वह बड़ी बेटी की शादी की जिम्मेदारी उसी के पास है। इसके साथ ही उसने कहा कि वह परिवार के साथ सामाजिक संबंध दोबारा स्थापित करना चाहता है। कोर्ट ने चंद्रकांत झा को 25,000 रुपये का मुचलका और इतनी ही धन राशि के दो जमानत बांड देने के आदेश दिए थे, जिसके बाद उसे पैरोल दी गई थी। क्राइम ब्रांच के डीसीपी सतीश कुमार ने बताया कि आरोपित चंद्रकांत झा की इन हत्याओं की कहानियों पर आधारित एक डॉक्यूमेंट्री भी रिलीज की गई थी। इस सीरीज का नाम 'इंडियन प्रीडेटर द बुचर ऑफ दिल्ली'। ये डॉक्यूमेंट्री नेटफ्लिक्स पर रिलीज की गई थी। चंद्रकांत झा ने सबसे पहली हत्या 20 अक्टूबर 2006 को की थी। इसके बाद से हत्याओं का सिलसिला शुरू हुआ था। डीसीपी के अनुसार आरोपित के फरार होने के बाद पुलिस लगातार उसकी तलाश कर रही थी।

दिल्ली भाजपा नेताओं ने आठवें वेतन आयोग के गठन का स्वागत किया

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा एवं नई दिल्ली से सांसद बांसुरी स्वराज ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार द्वारा 8वें वेतन आयोग के गठन का स्वागत किया है। वीरेन्द्र सचदेवा ने यहां प्रेस वार्ता में कहा कि सरकारी कर्मी आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की योजनाओं का लाभ जनता तक पहुंचाने का माध्यम बन रहे हैं, इसलिए साधुवाद के पात्र हैं। इस दौरान सांसद बांसुरी स्वराज ने कहा कि कल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार द्वारा 8वें वेतन आयोग की स्थापना के बाद सरकारी कर्मचारियों में भारी हर्ष है और दिल्लीवासी अनेक सरकारी कर्मचारी प्रतिनिधियों ने सरकार का आभार प्रकट किया है। उन्होंने बताया कि कालीबाड़ी से किदवई नगर तक सरकारी कर्मी आज संतुष्ट एवं प्रसन्न हैं कि उनके लिए मोदी सरकार ने समय पर ध्यान दिया है। बांसुरी स्वराज ने कहा कि वेतन आयोग की समयबद्ध स्थापना से सरकारी कर्मचारी अपने बेहतर कल को देख रहा है। इस वेतन आयोग के गठन का लाभ जहां कर्मचारियों को होगा तो वहीं पेंशन भोगियों को भी होगा। जहां वेतन आयोग का सीधा लाभ सरकारी कर्मियों को होगा वहीं प्राइवेट सेक्टर कर्मियों को भी अपरोक्ष लाभ होगा, न्यूनतम वेतन आदि उनके भी न्यायसंगत बढ़ सकते हैं।

कांग्रेस ने की मुफ्त बिजली योजना और 'महंगाई मुक्ति योजना' की घोषणा

नई दिल्ली। कांग्रेस ने दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर दो गारंटियों की घोषणा की, जिनमें पहली गारंटी 'मुफ्त बिजली योजना' और दूसरी गारंटी 'महंगाई मुक्ति योजना' है। कांग्रेस ने मुफ्त बिजली योजना के तहत दिल्लीवासियों को 300 यूनिट बिजली मुफ्त में देने का वादा किया है। वहीं, महंगाई मुक्ति योजना के तहत 500 रुपये में गैस सिलेंडर और राशन किट मुफ्त, जिसमें पांच किलोग्राम चावल, दो किलोग्राम चीनी, एक लीटर तेल, छह किलोग्राम दाल और 250 ग्राम चाय पत्ती मुफ्त में देने का वादा किया है। इन दोनों योजनाओं की घोषणा दिल्ली प्रदेश कांग्रेस समिति के कार्यालय राजीव भवन में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवन्त रेड्डी ने की। इस मौके पर दिल्ली प्रदेश के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव, दिल्ली कांग्रेस के प्रभारी काजी निजामुद्दीन, तेलंगाना के मंत्री पी. श्रीनिवास रेड्डी, तेलंगाना से सांसद मल्लू रवि और रघुवीर रेड्डी मौजूद थे।

संदीप दीक्षित ने दिल्ली में वायु और जल प्रदूषण के लिए आआपा को जिम्मेदार ठहराया

एजेंसी

नई दिल्ली।पूर्व सांसद एवं नई दिल्ली विधानसभा सीट से कांग्रेस उम्मीदवार संदीप दीक्षित ने कहा है कि राजधानी में वायु और जल प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए आम आदमी पार्टी (आआपा) सरकार ने पिछले 10 वर्षों में कोई काम नहीं किया। खतरनाक दमघोंटू वायु प्रदूषण और यमुना के प्रदूषित जहरीले पानी के कारण दिल्ली के लोगों की 10-11 वर्ष आयु कम हो रही है, जिसके लिए आआपा की सरकार पूरी तरह जिम्मेदार है। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में संदीप दीक्षित ने कहा कि राजधानी में अरविन्द केजरीवाल ने प्रदूषण के लिए हमेशा पराली जलाने को जिम्मेदार ठहराया है। पिछले 8-9 साल पहले से क्यों वायु प्रदूषण हो रहा है जबकि पराली दशकों से जलाई

जाती है? उन्होंने कहा कि 1998-99 से 2013 तक कांग्रेस सरकार ने वायु प्रदूषण को रोकने के लिए जो काम किए उसके अनुपात में केजरीवाल की सरकार ने कुछ नहीं किया। शीला दीक्षित के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार ने 1 करोड़ से भी अधिक वाहनों को सीएनजी में तब्दील करके प्रदूषण 12 वर्षों में 200 प्रतिशत कम कर दिया। पब्लिक ट्रांसपोर्ट में जहां 1998-1999 में डीटीसी में केवल 1800-1900 बसें थीं उनको 2013 तक बढ़ाकर 5500 तक किया, जो आज 3000 से भी कम रह गई हैं। बसों का बेड़ा बढ़ाने में केजरीवाल सरकार पूरी तरह नाकाम साबित हुई है।

सेंटर टू कोस्ट साइकिल अभियान - दिल्ली से मुंबई

एजेंसी

नई दिल्ली। एंपल मिशन के संस्थापक डॉ. अनील काशी मुरारका ने दिल्ली के लोदी गार्डन से 'सेंटर टू कोस्ट' साइकिल अभियान की शुरुआत की। इस यात्रा का मकसद युवा सशक्तिकरण और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देना है। यह कार्यक्रम मुंबई के हैदराबाद सिंड नेशनल कॉलेजिएट यूनिवर्सिटी के फिट भारत क्लब द्वारा एंपल मिशन के सहयोग से आयोजित किया गया।

पैरा - साइक्लिस्ट सहायक प्रोफेसर मयूर दुमासिया 11 एनसीसी कैडेट्स, एनएसएस स्वयंसेवकों और छात्र साइक्लिस्ट्स के साथ दिल्ली से मुंबई तक की यात्रा का नेतृत्व कर रहे हैं, और यह टीम 26 जनवरी को, गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर, मुंबई के गेटवे ऑफ इंडिया पहुंचेगी।इस महत्वाकांक्षी अभियान

का उद्देश्य 140 करोड भारतीयों को एक सक्रिय और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है। साथ ही युवाओं में साहस और दृढ़ संकल्प की भावना को उत्तेजित करना है। साइकिलिस्ट्स ने आज आठ-दिनों की यात्रा शुरू की। जिसमें कुल 1,415 किलोमीटर की दूरी तय करनी है। इस टीम का नेतृत्व पैरा-साइक्लिस्ट और सहायक प्रोफेसर मयूर दुमासिया कर रहे है। जो इस अभियान के प्रेरणास्त्रोत हैं और भारत की राष्ट्रीय शारीरिक रूप से दिव्यांग क्रिकेट टीम के सदस्य भी हैं।

NAME CHANGE
It is for general information that I, GIRRAJ SINGH S/O NIROTAM SINGH R/o House No. 46, Plot No. 243/C, Nihal Vihar, Nangloi, Punjabi Bagh, West Delhi, Delhi-110041, declare that name of mine has been wrongly written as GIRIRAJ SINGH in my minor son namely MOHAN aged 16 years in his School Record. The actual name of mine is GIRRAJ SINGH, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
It is for general information that I, YOGENDER KUMAR S/o MAHI LAL R/o B-36 A, Ram Gali No. 1, Subhash Vihar, North Ghonda, Delhi-110053, declare that name of mine and my father have been wrongly written as YOGINDER KUMAR and MAHILAL SINGH in my Driving Licence No. DL05 20020326101. The actual name of mine and my father are YOGENDER KUMAR and MAHI LAL respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I RAJA S/o Gulam Haider ansari R/O Baseleva colony old Faridabad Haryana have add surname to RAJA ANSARI FOR ALL PURPOSE

NAME CHANGE
I, VINAY KUMAR MALL S/o PARAS NATH MALL, Residing at B-54, Street No. 8, New Modern Shahdara, PO Shahdara, Dist North East Delhi, Delhi - 110032 have changed the name of my minor Daughter VANSHIKA MALL alias VANYA MALL, aged 8 years and she shall hereafter be known as VANYA MALL.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, AKSHAY SINGH S/O DEVENDER SINGH R/O 454, Krishna Nagar Meerut Road, Ghaziabad, Ghaziabad Uttar Pradesh-201001 declare that name of my father and mother have been wrongly written as DEVENDER CHOUDHARY & ANJU CHOUDHARY in my 10th and 12th Class marksheet and certificate. The actual name of my father and mother are DAVENDER SINGH and ANJU DEVI respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
It is for general information that I, DANISH KHAN S/o ACHCHAN KHAN R/o H.No. 12A/6 KHN 566/299, Street No.7, Vijay Mohalla Maujpur, Seelampur, North East Delhi-110053, declare that name of mine and my father have been wrongly written as DANISH and AZHAR SHAH KHAN in my CBSE 10th and 12th class educational documents. The actual name of mine and my father are DANISH KHAN and ACHCHAN KHAN respectively.

NAME CHANGE
I, Kirti kapil d/o Pankaj kapir r/o 695 2nd floor sec 8 Faridabad have change name to SARYU PANKAJ KAPIL FOR ALL PURPOSE

NAME CHANGE
I, hitherto known as TANNU alias TANNU KALRA alias KANIKA BHATIA D/o RADHA KISHAN W/o AMIT BHATIA residing at P-18, First Floor, Near Gulabi Bagh, Pratap Nagar, Gulabi Bagh, North Delhi, Delhi - 110007 have changed my name and shall hereafter be known as KANIKA BHATIA.

NAME CHANGE
I, LALITA RAWAT W/o JEEVAN SINGH R/o Plot No. 338, Khasra No. 211/12, Ground Floor, Street No. 29 Block - B, Kaushik Enclave, Burari, North Delhi, Delhi - 110084, have changed the name of my minor Daughter RAAGI alias AARADHYA RAWAT, aged 6 years and she shall hereafter be known as AARADHYA RAWAT.

NAME CHANGE
It is for general information that I, HELODE RAHUL KESHAORAO S/O KESHAORAO PARASHARAM HELODE, Permanent Resident 134, NEAR VITHAL MANDIR, YARAKSHANATH NAGAR, HASOOL, AURANGABAD, AURANGABAD, MAHARASHTRA-431001, Presently residing at QTR. NO-P-88/01, SHEKHAWATI LINE, 17 MAHAR, PIN911517 C/O 56 APO, DELHI CANTT, DELHI-110010, declare that name of mine, my wife and my minor son has been wrongly written as RAHUL HELODE, MAYATAI and MAYURESH HELODE in my minor son HELODE MAYURESH RAHUL aged 16 years in his 10th class education documents. The actual name of mine, my wife and my minor son are HELODE RAHUL KESHAORAO, MAYA RAHUL HELODE and HELODE MAYURESH RAHUL, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, hitherto known as SHORAISAM VISHAL SINGH Alias SH VISHAL SINGH S/O IBOTOMBI SINGH R/O H NO-44B/9, ROOM NO-301, GOVIND NIWAS SHANI BAZAR ROAD, NEAR GUPTA STORE, VASANT KUNJ, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110070 have changed my name and shall hereafter be known as "SHORAISAM VISHAL SINGH".

NAME CHANGE
I,GAORAV S/O AJIT SINGH R/O H.NO-93 JASOLA VILLAGE, NEW FRIENDS COLONY, SOUTH EAST DELHI - 110025 have changed my name to GOURAV for all future purpose.

NAME CHANGE
I, hitherto known as MOMIN alias MOVIN S/o NANUVA R/o 80, Ward No. 6, Mohalla, Luharan Charbisa Dasna Ghaziabad, Dasna Dehat, Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201302 have changed my name and shall hereafter be known as MOMIN.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, AKSHAY SINGH S/O DEVENDER SINGH R/O 454, Krishna Nagar Meerut Road, Ghaziabad, Ghaziabad Uttar Pradesh-201001 declare that name of my father and mother have been wrongly written as DEVENDER CHOUDHARY & ANJU CHOUDHARY in my 10th and 12th Class marksheet and certificate. The actual name of my father and mother are DAVENDER SINGH and ANJU DEVI respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
It is for general information that I, MOHD NIHAL S/o MOHD JAINUL, R/o WZ – 653/A, Gali No. 2, 2nd Floor, Sri Nagar, Shakurbasti Rs, North West Delhi, Delhi - 110034, declare that name of mine and my minor son have been wrongly written as MD NIHAAL and TOSIFF in my minor son namely MOHD TAUSHIF, aged 17 years in his 10th class Educational Documents. The actual name of mine and my minor son are MOHD NIHAL and MOHD TAUSHIF respectively, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, NYAZ MEER S/o AHMAD KHAN R/o B-296 Gali No-8 Shri Ram Colony Rajiv Nagar Delhi-94, Declare that name of mine and my father name has been wrongly written as NYAJ MEER and AHMED MEER in my Voting card no LNV1600733. The actual name of mine and my father name are NYAZ MEER and AHMAD KHAN respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, SHAKEEL AHMAD ANSARI S/O RAFIQ AHMED R/O H NO. F-103 NEW SEELAMPUR DELHI-110053 HAVE CHANGED MY NAME SHAKEEL AHMED FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE
I, KAMNI RAFAT W/O MOHD FAIZAN residing at A-8/64 DDA FLATS INDER LOK DELHI 110035 have changed my name to AISHA for all future purpose.

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large that my client **Mr. Omprakash** is purchasing Land area measuring 100 Sq.Yds Property Id No. N0070674300628 Situated at Mustatil No 203 Killa No. 8/2 (2-10), Waka Mauza Palwal (Aadarsh Colony) andar hud Nagar parishad Palwal, Tehsil & Distt. Palwal, Haryana vide Transfer deed dated 22.03.2022 and Intend to mortgage the said property with **Piramal Capital & Housing Finance Limited**. That The Sale Deed dated 30/05/1995 as doc no. 1066 has been lost/misplaced. Public is being warned not to deal with the said document. Any person dealing with the said document would do so at their own risk & responsibility. Owner shall not be liable in any manner whatsoever for any loss incurred by such person. If anybody found these document or make any misuse of the above mentioned document, Concern person is required to communicate in writing to the undersigned at below address
Khaitan & Khaitan
A-38 Kailash Colony, New Delhi-110048, Contact no.- 49774545

NAME CHANGE
I,AJEET SINGH S/O GYASI RAM R/O H.NO-93 JASOLA VILLAGE, NEW FRIENDS COLONY, SOUTH EAST DELHI - 110025 have changed my name to AJIT SINGH for all future purpose.

PUBLIC NOTICE
I, SANDEEP KUMAR PARASHAR S/O INDRAJ SINGH R/O H.No- G-457, Gaur Cascades, Raj Nagar, Extension, Ghaziabad, Uttar Pradesh- 201017, have changed the name of my minor Daughter ARANYA SHARMA alias TAPASYA aged 10 years and She shall hereafter be known as ARANYA SHARMA.

NAME CHANGE
I,RABAB JAHAN W/O SHAKEEL AHMED R/O H NO. F-103 NEW SEELAMPUR DELHI-110053 HAVE CHANGED MY NAME RABAB BEGUM FOR ALL FUTURE PURPOSE

PUBLIC NOTICE
It is for general information that Rinky D/o Panchdev Sah R/o 8, Dr. Ambedkar Nagar, Madangir Village, South Delhi, Delhi-110062 declare that name of my father and my mother has been wrongly written as Panch Dev Shah and Ramawati Devi in my 10th Class Educational Documents and Panch Dev Sah and Ramawati Devi in my 12th Class Educational Documents and name of my father has been wrongly written as Panchdev Shah in my Diploma and my father has been wrongly written as Panch Dev Shah in my Computer Certificate and Panch Dev Sah in my Graduation Certificate and M.A Certificate. The actual name of my father and my mother are Panchdev Sah and Ramavati Devi respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I hitherto known as Shri Krishana alias Shri Krishan S/o: Brajlal,R/O 230, Dujana, Dujana, Dujana, Dadri, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh, 203207,have changed my name and shall hereafter be known as SHRI KRISHANA.

NAME CHANGE
It is for general information that I SHOBHA RANI W/O ANAND KUMAR R/O H.No-132, SARAI JHANJHAN SIKANDRABAD, BULANDSHAHR, SIKANDRABAD UTTAR PRADESH-203205, declare that name of mine and my husband have been wrongly written as SHOBHA and ANAND KUMAR LODHI in my minor son namely ABHINAV LODHI aged 17 year is his 10th and 12th class educational documents. The actual name of mine and my husband are SHOBHA RANI and ANAND KUMAR respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, PARVATI is Mother of No. JC 461888X Rank SUB Name- RAJENDRA BADASKAR R VILL KUDREMANI, PO KUDREMANI, TEH BELGAUM, DISTT BELGAUM, KA 581128,have changed my name from PARVATI to PARVATI ANANT BADASKAR and date of buth from 15/05/1965 to 01/01/1961 for all future purposes. Vide affidavit dated 16.01.2025 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, ANANT BADASKAR is father of No. JC 461888X Rank- SUB Name- RAJENDRA BADASKAR, R VILL KUDREMANI, PO- KUDREMANI, TEH BELGAUM, DISTT- BELGAUM, KA-591128 have changed my name from ANANT BADASKAR to ANANT KRISHNA BADASKAR and date of birth from 15/05/1960 to 30/07/1955 for all future purposes. Vide affidavit dated 16.01.2025 before Public Notary Delhi.

PUBLIC NOTICE FOR DELHI VIDHAN SABHA ELECTION 2025

Name address of candidate - Punam Pandey, D – 182 A, Near Neki Ram Scgool, Raj Nagar Part – 2 Palam Village, Bijwasan, Kapashera, South West, Nct Of Delhi – 110045,
Name of political party – Rashtravadi Loktantrik Party (India)
Name of Constituency – Bijwasan(36) and Matiyala(34), Legislative Assembly Constituency of Delhi (state), election 2025
I, Punam Pandey, a candidate for the above mentioned Legislative Assembly election of Delhi, declare for public information the following details about my criminal antecedents:

Pending cases

Sl.No.	Name of Court	Case no. and dated	Status of cases (s)	Section(s) of Acts concerned and brief description of offence(s)
1	31-MM, South-East, Saket	CNR NUMBER - DLSE020379462018 Year - 2017	Pending	IPC 323,341,342,506,452,500 (creating rukus and insulting and to cause injurics to complainant)
2	52-MM, South-East, Saket	CNR NUMBER - DLSE020278942019 Year - 2017	Pending	IPC - 323,325,451,506,34 (creating rukus and forcibly entered into house and beating the complainant to cause him several injury.)

NAME CHANGE
I, No-2895242Y Rank-HAV Name-SUNIL Residing at VPO-NARHERA, TEH-PATAUDI, DISTT-GURUGRAM, HARYANA-122503, have change my mother's name from KUSHUM LATA to KUSUM LATA for all future purposes vide Affidavit dated 18/01/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I Prithvi pal S/o Dhan Singh R/O 16/225-E Tank Road, Karol Bagh, New Delhi 110005 have changed my name to Prithvi pal singh

NAME CHANGE
I, Bhawna Garera D/O Manohar Lal Demla W/O Mohit Garera R/O House NO-2, 2nd Floor, Northex, Model Town EXTN II, North West Delhi - 110009 Have changed my name to Bhawna for all future purposes.

NAME CHANGE
I, SHUSHMA Wife of No-14439895K Rank-HAV Name-SAMAI SINGH YADAV residing at VILL-FAREEDPUR SAVRO, PO-KARARI, TEHSIL & DIST-KAUSHAMBI, UTTAR PRADESH-212206, have changed my name from SHUSHMA to SUSHMA DEVI for all future purposes vide Affidavit dated 18/01/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, No-14439895K Rank-HAV Name-SAMAI SINGH YADAV S/o MAHESH PRASAD YADAV residing at VILL-FAREEDPUR SAVRO, PO-KARARI, TEHSIL & DIST-KAUSHAMBI, UTTAR PRADESH-212206, have changed my minor daughter's name from SANDHAYA KUMARI to SANDHYA YADAV for all future purposes vide Affidavit dated 18/01/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, AKANSHA GUPTA W/O SHIVAM GARG R/O 1/4284 B/2, NEAR TALWAR AATA CHAKKI, SAHARANPUR, UTTAR PRADESH-247001, HAVE CHANGED MY NAME TO AKANSHA GARG FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE
I, PRIYANKA NISAD Wife of No-15216646L Rank-HAV Name-PAPU KUMAR NISAD residing at VPO-PRADHANPUR, TEHSIL-RASRA, DIST-BALLIA, UTTAR PRADESH-221712 have changed my name from PRIYANKA NISAD to PRIYANKA CHAUDHARI for all future purposes vide Affidavit dated 18/01/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I hitherto known as R. ROHITH NAIR, S/O K Ravi R/O G- 9/142, sector 16, Rohini ,Rohini Sector-15, S.O- north west Delhi, Delhi-110089,have changed my name and shall hereafter be known as ROHIT NAIR.

NAME CHANGE
I, SHIV DUTT S/O ANIL KUMAR , R/o E-2/166, LIG Flats, first floor, Opposite titkasha public school, Rohini Sec-11, PO:Rohini Sector-7, DIST: North West Delhi, Delhi, 110085, have changed the name of my minor son MRIDUL, aged 15 years and he shall hereafter be known MRIDUL DUTT.

नाम परिवर्तन
मैं बिपिन कुमार पुत्र एस एन शुक्ला, निवासी ग्राम-महेवानानकार, पोस्ट-मनकापुर, तहसील-मनकापुर, जिला-गोंडा, उत्तर प्रदेश-271302, यह घोषित करता हूँ कि मैं अपना नाम बिपिन कुमार से बदलकर बिपिन कुमार शुक्ला कर रहा हूँ, दिनांक 21/10/2024 शपथ पत्र के माध्यम से नोटरी पब्लिक, दिल्ली के समक्ष।

PUBLIC NOTICE
I, Pradeep Sharma S/o Harish Chand Sharma R/o House no-108 Gali No-2 Neb Sarai, South Delhi-11068 declare that mine & my father name has been Wrongly Written as Pradip Kumar sharma & H.C Sharma in my LL.B. certificate and in BCD Enrollment certificate and in 10+2 father's Name mentioned as Harish Chandra Sharma. However the actual name mine & my father Pradeep Sharma & Harish Chand Sharma respectively, for all future purposes

NAME CHANGE
I, MOHAMMAD KHALIQ ANSARI S/O ABID HUSSAIN residing at H-82, MOHALLA KOT BASTINIZAMUDDIN WEST HAZRAT NIZAMUDDIN DELHI 110013 have changed my name to ABDUL KHALIQ for all future purpose.

NAME CHANGE
I, Aditya kumar S/O Rohtas Singh Dagar R/O H.NO-129, Jamna Ram Patti Ujwa, South West Delhi ,Najafgarh- 110073 Have Changed my name to Aditya Dagar for all future purposes.

NAME CHANGE
I, JYOTI D/O RAKESH GUPTA residing at HOUSE NO-D-157, GALI NO-8, LAXMI NAGAR, EAST DELHI-110092. have change my name to JYOTI GUPTA for all future purpose.

NAME CHANGE
I, KM GULISTAN BANO W/O KAMRUL HASSAN residing at E/12 street NO-5 makki masjid madanpur khadar sarita vihar delhi-110076. have change my name to GULISTA BANO for all future purpose

NAME CHANGE
I, Ashok Kumar Kotnala S/o Kishore Kumar Kotnala R/o RZ-205A/16,Tuglakabad Extn., New Delhi-19, inform that in my 10th & 12th school certificate my name is wrongly mentioned as Ashok Kumar S/o Kishor Kumar @ Kishore Kumar. I declare that my actual name is Ashok Kumar Kotnala s/o Kishore Kumar Kotnala for all purposes in future.

NAME CHANGE
I, No-4581722L, Rank-NK, Name-DEEPU CHANDRAN R S/o RAMACHANDRAN NAIR R/o CHANGAYIL PADINJAREPPURA, VILL-KULAKKADA, PO-THAZHATHUKULAKKADA, KOTTARAKKARA, DIST-KOLLAM, KERALA-691521 have changed my mother's name from K VASANTHAKUMARI AMMA to VASANTHAKUMARI AMMA for all future purposes and in my service records my mother's date of birth wrongly mentioned as 08/06/1963 instead of her correct date of birth as 01/01/1962 vide Affidavit dated 18/01/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, No-4581722L, Rank-NK, Name-DEEPU CHANDRAN R S/o RAMACHANDRAN NAIR R/o CHANGAYIL PADINJAREPPURA, VILL-KULAKKADA, PO-THAZHATHUKULAKKADA, KOTTARAKKARA, DIST-KOLLAM, KERALA-691521 have changed my father's name from P RAMACHANDRAN PILLAI to RAMACHANDRAN NAIR for all future purposes and in my service records my father's date of birth wrongly mentioned as 30/10/1953 instead of his correct date of birth as 01/01/1957 vide Affidavit dated 18/01/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I HARISH KUMAR S/O RAKESH KUMAR R/O D-52, Upper Ground Floor Near Central Park, Kaushambhi, Ghaziabad Uttar Pradesh-201001, have changed the name of my minor son MOHIT KUMAR alias MOKSH aged 17 years and he shall hereafter be known as MOKSH.

NAME CHANGE
I, Kishore Kumar Dhingra S/o Govind Ram Dhingra R/o BJ-65-BJ Block, Second Floor, Near Club Road, West Shalimarbagh, Delhi-110088 have changed my name to Kishore Dhingra.

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को यह जानकारी दी जाती है कि हमारी ग्राहक आम जनता को सूचित किया जाता है कि हमारे मुवक्किल सुश्री अनु कपूर, बहुमंजिला बुडलिंग नंबर एच में फ्रीहोल्ड आवासीय अपार्टमेंट नंबर 402 की मालिक हैं, जो 1640 वर्ग फुट के कवर्ड एरिया वाले उक्त प्लॉट पर निर्मित है और ग्रुप हाउसिंग की आवासीय कॉलोनी सूर्य विहार में अपार्टमेंट बिल्डिंग नंबर एच में खुली कार पार्किंग है, जिसे डूंडाहेड़ा तहसील और जिला। गुरुग्राम हरियाणा। दिनांक 05.12.2022 को दस्तावेज़ संख्या 10217 एसआर–जीजीएन के रूप में त्याग विलेख के आधार पर, नीचे दिए गए श्रृंखला दस्तावेजों में दस्तावेज उपलब्ध नहीं हैं अर्थात (1) आवंटन पत्र / बिल्डर क्रेता का समझौता जो श्रीमती बीना मेहरा के पक्ष में मेसर्स मेक वेव्स सी रिसॉर्ट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा निष्पादित किया गया है, बीना मेहरा और (3) मूल हस्तांतरण विलेख दिनांक 19.04.2011 को मेसर्स मेक वेव्स सी रिसोर्ट प्राइवेट लिमिटेड (मेसर्स ओमेगा कमर्शियल प्राइवेट लिमिटेड का समामेलित) द्वारा श्रीमती बीना मेहरा के पक्ष में दस्तावेज़ संख्या 1305 एसआर–जीजीएन के रूप में निष्पादित किया गया। हमारे ग्राहक यह घोषणा कर रहे हैं कि किसी अन्य व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं है, और उसी संपत्ति को श्री सुरेन्द्र यादव के नाम से बिकने जा रही है, जिसका वित्तपोषण पिरामल कैपिटल एंड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड शाखाः गुड़गांव, हरियाणा द्वारा किया जाना है। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति में अधिकारञ्चस्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।
Naveen Kumar Verma (advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

NAME CHANGE
I, No-14651223N Rank-HAV Name-MOREY KAILAS DAMODHAR S/o DAMODHAR SHAMRAO MOREY R/o VILL-DIVTHANA, PO-PETH, TEH-CHIKHLI, DIST-BULDANA, MAHARASHTRA-443201, have changed my minor son's name from RUDRA to MOREY RUDRA KAILAS for all future purposes vide Affidavit dated 17/01/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I hitherto known as Mahendra Singh Rawat S/o Teeka Singh Rawat R/o Kh.No-108/2 and 9/3, Street No-20, Block-D, Kamal Vihar, Kamalpur, Kamal Pur Majra Burari, North Delhi, Delhi-110084 have changed my name and shall hereafter be known as Mahender Singh Rawat.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Sanjay Yadav S/o Nanku Ram Yadav R/o H.No-N-68/159, Aruna Nagar Majnu Ka Tila, Civil Lines, Civil Lines, North Delhi, Delhi-110054 declare that name of mine and my father has been wrongly written as Sanjay Kumar and Sh. Nanku Ram in my Driving Licence No-DL01 20050069838. The actual name of mine and my father are Sanjay Yadav and Nanku Ram Yadav.

रोहतक में रेलवे ऐलिवेटिड ट्रैक के साथ बनेगी सडक़,बैठक में हुआ मंथन

एजेंसी

रोहतक। नगर निगम आयुक्त धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि रेलवे ऐलिवेटिड ट्रैक के साथ प्रस्तावित सडक़ निर्माण के कार्य की समीक्षा हेतु बैठक आयोजित की गई, जिसमें कार्यकारी अभियंता मंदीप सिंह व नगर अभियंता सुनिल कुमार के साथ कार्य की विस्तृत जानकारी ली गई। उन्होंने मौके पर अधिकारियो को निर्देश दिए कि इस कार्य में तेजी लाई जाये। प्रस्तावित सडक़ के निर्माण से आमजन व आस-पास के निवासियो को काफी सुविधा मिलेगी। इसलिए इस कार्य को गंभीरता से लेते हुए कार्य में तेजी लाई जाये। इसके अतिरिक्त बैठक के दौरान निर्देश दिए गए कि नगर निगम क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यो का निरंतर निरीक्षण कर कार्य की निगरानी की जाये तथा कार्यो में गुणवता पर विशेष ध्यान दिया जाये व कार्य निर्धारित समयावधि में की पूर्ण करवाये जाये। यदि किसी कार्य में कोई लापरवाही मिलती है तो सम्बन्धित ठेकेदार/एजेन्सी के विरूद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाये।

मोहनलाल बड़ौली साफ चरित्र के व्यक्ति,आरोप निराधार: गौतम

सोनीपत। सर्व हरियाणा ब्राह्मण कल्याण संगठन के प्रदेशाध्यक्ष सतीश गौतम ने कहा कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली पर लगा दुष्कर्म का केस निराधार है। राजनीतिक द्वेष के कारण दुष्कर्म का यह झूठा मामला दर्ज करवाया गया है। सतीश गौतम गन्नौर जीटी रोड स्थित एक कार्यालय पत्रकार वार्ता कर रहे थे। गौतमने कहा कि मोहनलाल बड़ौली एक साफ चरित्र के व्यक्ति हैं। इससे पहले कभी उन पर इस तरह के आरोप कभी नहीं लगे। बड़ौली ने अपनी मेहनत से भाजपा संगठन को मजबूत करने का काम किया और मुख्यमंत्री नायब सैनी के साथ मिल कर विपरीत परिस्थितियों में भी प्रदेश में भाजपा की सरकार बनाने में अहम भूमिका निभाई थी। सतीश गौतम ने कहा कि इस मामले की सीबीआई से जांच होनी चाहिए और जो भी इस षडयंत्र में शामिल है उन पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। इस मौके पर एमएसएमई औद्योगिक एसोसिएशन बड़ी के प्रधान नवीन कौशिक, ललित गौतम, दीपक शर्मा, बलबीर शर्मा, राजेश भारद्वाज, अनिल कौशिक, बलकेश कौशिक, हरीश शर्मा मौजूद रहे।

21वीं सदी के लिए शिक्षा का पुनर्गठन है नई शिक्षा नीति: देवेंद्र

सोनीपत। गन्नौर के विधायक देवेन्द्र कादियान ने ताऊ देवीलाल राजकीय महिला महाविद्यालय मुरथल में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि यह नीति शिक्षा को संकुचित सोच से बाहर निकालकर आधुनिक विचारों से जोड़ती है। यह भारत के नव-निर्माण और युवाओं के स्वर्णिम भविष्य का आधार बनेगी। विधायक कादियान ने बताया कि शिक्षा की इस क्रांति में सभी को बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों को रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम लागू करने में अहम भूमिका निभानी होगी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में मल्टीपल एंट्री और एग्जिट प्रणाली छात्रों के लिए लाभकारी होगी। इसके अलावा, एक भारत-श्रेष्ठ भारत और वन नेशन-वन डिजिटल प्लेटफार्म जैसे कार्यक्रम शिक्षा के नए युग की नींव रखेंगे। उन्होंने छात्राओं से ईमानदारी और लगन से पढ़ाई करने का आह्वान करते हुए कहा कि शिक्षा ही वह हथियार है, जो बेटियों को आत्मनिर्भर और सशक्त बना सकता है। कार्यक्रम में 650 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस अवसर पर बीडीपीओ अंकुर कुमार, प्राचार्या डॉ. सीमा ठाकरान, डॉ. शेफाली नागपाल, और अन्य प्रमुख शिक्षाविद उपस्थित रहे। नई शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन से देश के विकास और सामाजिक समृद्धि को नया आयाम मिलेगा।

हरियाणा के विधायक अपने खर्च पर जाएंगे कुंभ नगरी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार में अब मुख्यमंत्री व मंत्रियों के साथ विधायक भी सात फरवरी को प्रयागराज पहुंचकर कुंभ स्नान करेंगे। विधानसभा सचिवालय ने इस आयोजन का विस्तार करते हुए प्रयागराज जाने वाले विधायकों से स्वीकृति मांग ली है। विधायकों को यात्रा खर्च स्वयं वहन करना होगा। मुख्यमंत्री नायब सैनी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल के सदस्य सात फरवरी को कुंभ स्नान के लिए जाएंगे।

इसकी तैयारियां हो चुकी हैं। इस बीच सरकार दो दिन पहले मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना का विस्तार कर चुकी है। योजना के तहत अब गरीब परिवार के बुजुर्गों को सरकारी खर्चे पर प्रयागराज स्थित महाकुंभ तीर्थ के दर्शन करवाए जायेंगे। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत 60 वर्ष या इससे अधिक आयु के पात्र बुजुर्गों को अयोध्या में रामलला के दर्शन करवाए गए। इस योजना में श्री माता वैष्णो देवी और शिरडी साई तीर्थ को भी शामिल किया जा चुका है।

पंजाब में भाजपा सरकार आने पर किसानों की सभी फसलें एमएसपी पर खरीदी जाएंगी : मुख्यमंत्री

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि केंद्र व हरियाणा की सरकार किसानों की सच्ची हितैषी है। इसी का साक्ष्य है कि हरियाणा ने किसानों की शत प्रतिशत फसलों की एमएसपी पर खरीद की है और 12 लाख किसानों के खाते में 1 लाख 25 हजार करोड़ रुपये डाले हैं। इसके अतिरिक्त, फसल खरीद के बाद देरी से पेमेंट होने पर 78 करोड़ रुपये ब्याज के तौर पर किसानों को दिए हैं। वहीं राज्य पंजाब में पहले कांग्रेस सरकार व अब मौजूदा आम आदमी पार्टी की सरकार किसानों की सुध नहीं ले रही है और किसानों की फसलों को एमएसपी पर नहीं खरीदा जा रहा है। जिस वजह से किसान आंदोलनरत हैं। मुख्यमंत्री ने पंजाब सरकार को सलाह दी कि वे विधानसभा में बिल लाकर किसानों की शत प्रतिशत फसलों को एमएसपी पर खरीदने का काम करे। उन्होंने कहा कि पंजाब में भाजपा सरकार आने पर किसानों की शत प्रतिशत फसलों की एमएसपी पर खरीद की जाएगी।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने यह बात आज पंजाब के रोपड़ में आयोजित सैनी महासम्मेलन के दौरान बतौर मुख्य अतिथि कही। इस अवसर पर राष्ट्रीय अल्प संख्यक कमीशन के चेयरमैन इकबाल सिंह लालपुरा व कार्यक्रम के आयोजक रोपड़ के भाजपा के जिला प्रधान

अजय वीर सिंह लालपुरा सहित सैनी समाज के अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। इस मौके पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पिछले साल हरियाणा में खरीफ सीजन में बारिश देर से हुई थी। जिसके कारण किसानों को फसल की बुवाई के लिए सिंचाई व दूसरे इंतजाम करने पड़े। हरियाणा सरकार ने किसानों की पीड़ा को समझा और 2 हजार रुपये प्रति एकड़ की दर से बोनस के तौर पर उनके खाते में डाले। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार गरीब व मजदूरों की भलाई के लिए दिन-रात कार्य कर रही है। इसी कड़ी में उन्होंने दूसरी बार मुख्यमंत्री की शपथ लेते ही प्रदेश के सभी सरकारी अस्पतालों, मेडिकल कालेजों और पीजीआई में किडनी के रोग से पीड़ित रोगियों को मुफ्त डायलिसिस की सेवाएं प्रदान करवाने का कार्य किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घोषणा की थी कि 70 वर्ष से ज्यादा आयु के बुजुर्गों को आयुष्मान योजना के तहत मुफ्त इलाज की सुविधा मिलेगी। हरियाणा सरकार ने प्रदेश के बुजुर्गों को इस योजना का लाभ दिया और इस मद पर अब तक 2500 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा में पिछड़ा वर्ग की लंबे समय से मांग थी कि उनकी क्रीमिलेयर की आय सीमा को बढ़ाया जाए। हरियाणा सरकार ने इस आय सीमा को 6 लाख से बढ़ाकर 8 लाख रुपये कर दिया है। इसका पिछड़ा वर्ग को लाभ मिला है। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नारी सशक्तिकरण को बढ़ावा देते हुए नारी शक्ति वंदन बिल पास करवा दिया है। इसके तहत अगले लोकसभा व राज्य विधानसभाओं के चुनावों में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा।

संस्कृति बचाने के लिए नई शिक्षा नीति से मिलेगा सहयोग : अरविंद शर्मा

एजेंसी

चंडीगढ़। सहकारिता, कारागार, विरासत एवं पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि हरियाणवी संस्कृति और परंपरा को जीवित रखने के लिए केंद्र और प्रदेश की सरकार योजनाबद्ध तरीके से काम कर रही है। नई शिक्षा नीति में इसी व्यवस्था को शामिल किया गया है कि शिक्षा की शुरुआत से ही विद्यार्थी अपनी स्किल के अनुसार शिक्षा का क्षेत्र चुनते हुए आगे बढ़े।

मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस पंचकूला में आयोजित हरियाणा लोक सांस्कृतिक उत्थान ट्रस्ट पंचकूला एवं हरियाणा कला परिषद द्वारा आयोजित कवि सम्मेलन में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे। इस मौके पर मुख्यमंत्री के राजनीति सचिव तरुण भंडारी ने अध्यक्षता की।अरविंद शर्मा ने कहा कि मां शब्द में देवी-देवताओं का वास है। यह एक पूर्ण मंत्र है। सुबह उठकर जो 108 बार मां शब्द का उच्चारण कर लेगा वह अपने जीवन को सफल बना लेगा। उन्होंने कहा कि आज जन्म से ही हर व्यक्ति में कोई ना कोई हुनर छिपा होता है, उसे हुनर को तराश कर आगे बढ़ाने की जरूरत है। सहकारिता कारागार विरासत एवं पर्यटन मंत्री ने कार्यक्रम में हरियाणा लोक सांस्कृतिक उत्थान ट्रस्ट पंचकूला एवं हरियाणा कला परिषद के वार्षिक कैलेंडर और डायरी का विमोचन किया। अरविंद शर्मा ने संस्था को दो लाख रुपये सहयोग के तौर पर देने का घोषणा की।

इससे पहले संस्था के संस्थापक हरियाणवी कलाकार सौरभ अत्री ने हरियाणवी गीत गाकर मंत्री व अन्य अतिथियों का स्वागत किया और संस्था के कार्यों की जानकारी दी।

कार्यक्रम में सुप्रसिद्ध कवि सुंदर कटारिया, पीके आजाद, खुशबू शर्मा, यश कंसल ने अपनी कविताओं को सुनाकर उपस्थित लोगों को हंसा कर लोटपोट कर दिया। इस मौके पर भाजपा जिला अध्यक्ष दीपक शर्मा, हाउसफेड एमडी योगेश शर्मा, राष्ट्रीय कवि संगम उत्तर भारत प्रभारी सुरेंद्र सिंगला, परमजीत कौर कर्मवीर सैनी मुकेश सिंगला भूपेंद्र अक्षय कौशिक सुमित सिंगला सहित अन्य गणमान्य मौजूद रहे।

सेवानिवृत्त रेल कर्मचारी एसोसिएशन ने प्रधानमंत्री व रेल मंत्री के नाम सौंपा मांगों का ज्ञापन

एजेंसी

रेवाड़ी। नेशनल फेडरेशन ऑफ इंडियन रेलवे मैन की सेवानिवृत्ति रेल कर्मचारी एसोसिएशन की रेवाड़ी शाखा की बैठक रेलवे कालोनी में टीपी शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। जिसका संचालन केके सक्सेना जोनल अध्यक्ष ने किया।

बैठक में सेवानिवृत्त रेल कर्मचारियों की समस्याओं पर चर्चा की गई तथा राष्ट्रीय महामंत्री एसएनसी रामा कृष्णमाचार्युलू के आवाहन पर रेलवे सेवानिवृत कर्मचारियों का मांगपत्र डा केशव गुप्ता, मेडिकल अधीक्षक, उत्त पश्चिम रेलवे के माध्यम से प्रधानमंत्री एवं रेल मंत्री भारत सरकार के नाम सौपा गया। मांग पत्र में आठवें वेतन आयोग का शीघ्र गठन करने, पुरानी पेंशन योजना को लागू करने व एनपीएस को समाप्त करने, 18 महीने के रोके गये महंगाई भत्ता के एरियर का शीघ्र भुगतान करने, जो कर्मचारी कोविड के दौरान मर गये थे उनको एक्स ग्रेशिया का भुगतान शुरु करने, मॉडिफाइड एश्योर्ड करियर प्रोग्रेसन योजना को एक जनवरी .2006 से लागू करने, पेंशन नियमों को सरल बनाने, विधवा बहु को पेंशन के लिए फैमिली पेंशन बेनिफिशियरी बनाए जाने, सेवानिवृत्त कर्मचारियों की पेंशन को पूरी तरह कर मुक्त करने, अतिरिक्त पेंशन का लाभ 65, 70, 75 एवं 80 की आयु से दिए जाने, पेंशन अदालतों का साल में तीन बार आयोजन करने, हर साल बैंक जाकर लाईफ प्रमाण पत्र देना बन्द करने तथा लाईफ प्रमाण पत्र को देने का समय 31 दिसंबर तक करने, समापन भुगतान में से अतिरिक्त भुगतान की कटौती करने, मेडिकल भत्ता 1000 रुपये से बढ़ाकर 3 हजार रुपये करने, पेंशन भुगतान आदेश में नाम की गलत स्पेलिंग के कारण पेंशन नहीं रोकने, पैनल अस्पतालों की नवीनीकरण स्वीकृति को बिना देरी जारी करने समेत अनेकें मांगे की गई हैं।

प्रदेश सरकार हर वर्ग के उत्थान के लिए कृतसंकल्प: श्याम सिंह राणा

एजेंसी

यमुनानगर। हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण, मत्स्य व पशुपालन मंत्री श्याम सिंह राणा ने गांव ईशरपुर, मंडोली, कमालपुर, अकालगढ़, तीगरी, करेड़ा खुर्द तथा जठलाना का धन्यवादी दौरा कर हलके की जनता का आभार व्यक्त किया। कैबिनेट मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि बच्चों के लिए पढ़ाई के साथ-साथ खेलों का भी महत्व है। खेलों से शारीरिक व मानसिक विकास होता है। उन्होंने कहा कि बच्चों को पढ़ाओं और उन्हें बुरी आदतों, नशा आदि से बचाओ। उन्होंने गांव के सरपंचों को स्टेडियम व लाइब्रेरी बनाने के लिए प्रेरित किया। बच्चे अगर अच्छा खेलेंगे और पढ़ेंगे तो उन्हें बिना खर्ची-बिना पर्ची के अच्छी नौकरी मिल सकती है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में सभी वर्गों को साथ लेकर हरियाणा को और आगे ले जाने का काम किया जाएगा। प्रदेश सरकार हर वर्ग के उत्थान के लिए कृतसंकल्प है। हमारी सरकार ने अपने शासनकाल में सभी विधानसभा क्षेत्रों में बिना किसी भेदभाव के विकास कार्य करवाए हैं और आगे भी इसी नीति पर चल विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर करवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि जो विकास कार्य रह गए है या अधूरे पड़े हैं उन सभी विकास कार्यों को जल्द पूरा कर दिया जाएगा ताकि जनता को उनका लाभ मिल सकें। उन्होंने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार द्वारा हर क्षेत्र में हर वर्ग के हित में योजनाएं बनाई जा रही है तथा महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में भी विशेष रूप से कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने इस दौरान लोगों की समस्याएं भी सुनी और उनका शीघ्र समाधान करवाने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि सरकार के पास विकास कार्यों के लिए पैसों की कोई कमी नहीं है। उन्होंने संधाला गांव के विकास कार्यों का उदाहरण दिया और सभी को संधाला गांव का अनुसरण करने के लिए प्रेरित किया।

युवा संगम कार्यक्रम के अंतर्गत मध्ययप्रदेश के प्रतिनिधियों ने किया हरियाणा राजभवन का दौरा

इंद्रजीत यादव,देखो एनसीआर

चंडीगढ़। शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा आयोजित युवा संगम चरण पांच के अंतर्गत हरियाणा राज्या के दौरे पर आए मध्य प्रदेश के प्रतिनिधिमंडल ने हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के नेतृत्व में हरियाणा के राजभवन का विशेष दौरा किया। इस दौरे में सम्मिलित प्रतिभागियों को हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय के साथ संवाद का अवसर भी प्राप्त हुआ। माननीय राज्यापाल के साथ संवाद में इंदिरा गांधी जनजातीय विश्वविद्यालय (आईजीएनटीयू), अमरकंटक के शैक्षणिक व शिक्षणेत्तर सहयोगियों व विद्यार्थियों से, राज्यपाल ने हरियाणा में उनके अनुभवों के बारे में पूछा और उन्हें मध्य प्रदेश और हरियाणा में जीवन के बीच सांस्कृतिक और सामाजिक दोनों तरह के बदलावों पर विचार करने के लिए प्रोत्साहित किया। माननीय राज्यकपाल ने इस अवसर पर प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए, उन्हें भारत के गौरवशाली इतिहास को जानने और उस पर गर्व करने के लिए प्रेरित किया। मुलाकात में सम्मिलित प्रतिभागियों ने भी हरियाणा की विरासत, आतिथ्य और विकास के अनूठे पहलुओं की सराहना करते हुए अपने अनुभव राज्यपालसे साझा किए। हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने मध्य प्रदेश के प्रतिनिधियों की शानदार मेजबानी करने और इस समृद्ध अनुभव को सुविधाजनक बनाने के लिए माननीय राज्यपाल के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने आपसी समझ और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने में इस तरह केसंवाद को बेहद उपयोगी बताया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने यात्रा के सफल समापन पर संतोष व्यक्त करते हुए प्रतिनिधियों के साथ बातचीत करने के लिए समय प्रदान करने के लिए माननीय राज्यपाल के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि अवश्य ही यह यात्रा हरियाणा और मध्य प्रदेश के बीच सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करने और दोनों राज्यों के युवाओं के बीच गहरे संबंध को बढ़ावा देने मददगार साबित होगी। हकेंवि में एक भारत श्रेष्ठ

भारत प्रकोष्ठ के नोडल अधिकारी डॉ. राजेंद्र प्रसाद मीना ने इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया और अपनी टीम के साथ यात्रा का समन्वय किया। हकेंवि में पर्यटन विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. विकास सिवाच और वाणिज्य विभाग की शोध छात्रा सुश्री प्रेरणा ने भी इस आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। डॉ. मीना ने बताया कि मध्य प्रदेश के प्रतिनिधि बीती 12 जनवरी, 2025 को हरियाणा पहुंचे और उनकी यात्रा 18 जनवरी, 2025 को हकेंवि की एक भारत श्रेष्ठ भारत टीम द्वारा आयोजित ध्वज-प्रक्षेपण समारोह के साथ संपन्न हुई।

डीसी व निगमायुक्त ने सफाई व्यवस्था का लिया जायजा, कबाड़ गाडियों तुरंत हटाने के निर्देश

अजय तोमर,देखो एनसीआर

गुरुग्राम। शहर में सफाई व्यवस्था का गुरुग्राम के उपायुक्त अजय कुमार और निगमायुक्त अशोक कुमार गर्ग ने निरीक्षण किया। अधिकारियों को सफाई व्यवस्था को नियमित बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने सरकारी जमीन पर पड़ी कबाड़ गाडियों को तुरंत हटाने के निर्देश दिए।

राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे कचरा फेंके जाने वाले स्थानों पर जर्सी बैरियर लगाने का सुझाव दिया, ताकि ड्रेन में कचरा जाने से रोका जा सके।

अधिकारियों ने राजीव चौक, नाहरपुर रूपा, राष्ट्रीय राजमार्ग, हीरो होंडा चौक, सुभाष चौक, सोहना रोड, वाटिका चौक, बादशाहपुर, कादरपुर रोड, गोल्फ कोर्स रोड, सेक्टर-55, 56, 57 सहित आसपास के क्षेत्रों का दौरा कर सफाई व्यवस्था की स्थिति जांची। उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को खाली जमीन पर पड़े कचरे और मलबे को तुरंत हटाने के निर्देश दिए। साथ ही ग्रीन बेल्ट, फुटपाथ और अन्य सार्वजनिक स्थानों की सफाई सुनिश्चित करने

की बात कही। उन्होंने गोल्फ कोर्स रोड पर झुग्गी हटाने के बाद पड़े कचरे और मलबे को तुरंत हटाने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए। निगमायुक्त ने बताया यह निरीक्षण शहर में सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने और सार्वजनिक स्थानों को स्वच्छ रखने के उद्देश्य से किया गया। प्रशासन ने जनता से भी अपील की है कि वे सफाई बनाए रखने में सहयोग करें। इस मौके पर संयुक्त आयुक्त अखिलेश यादव, कार्यकारी अभियंता अजय पंघाल व संजीव कुमार, वरिष्ठ सफाई निरीक्षक देवेंद्र बिश्नोई व हर्ष चावला सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

गुरुग्राम में जनता के पैसे की नहीं होने दी जाएगी बंदरबाट: राव नरबीर सिंह

अजय तोमर,देखो एनसीआर

गुरुग्राम। हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य, पर्यावरण, वन एवं वन्य जीव मंत्री राव नरबीर सिंह ने धनकोट गांव, पालम विहार एच ब्लॉक सामुदायिक केंद्र, चोमा गांव, सेक्टर 23ए, कार्टरपुरी, न्यू पालम विहार का दौरा आमजन की समस्याओं की जनसुनवाई की।

राव नरबीर सिंह ने गुरुग्राम में विकास कार्यों को लेकर अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि क्षेत्र के विकास को लेकर उनका विजन बिल्कुल स्पष्ट है। उन्होंने कहा कि गुरुग्राम में जनता की मांग के अनुसार हर उस विकास कार्य को गति दी जाएगी जो सरकार के नियमों को पूरा करते हो। उन्होंने नागरिकों को आश्वस्त किया कि अगले पांच वर्षों में क्षेत्र में विकास की नई परियोजनाओं को धरातल पर उतारने के साथ साथ पिछले पांच वर्षों में जिन परियोजनाओं पर काम शुरू नहीं हो पाया था। उनको भी प्राथमिकता के साथ पूरा करवाया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट कहा कि गुरुग्राम में विकास कार्यों में ठेकेदारों की मनमानी बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

राव नरबीर सिंह ने कहा कि अब गुरुग्राम में कोई भी सडक़ बनेगी तो सर्वप्रथम उसका ड्रेनेज सिस्टम पहले बनाया जाएगा जिसमें यह सुनिश्चित किया जाएगा कि उसके पानी की निकासी सही बहाव के साथ उचित दिशा में हो रही है या नहीं। इसके उपरांत ही उसके ऊपर फुटपाथ का निर्माण किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि उनका प्रयास है कि जनता के पैसे का किसी भी रूप में बंदरबांट ना हो व गुरुग्राम में सडक़ व जलनिकासी के प्रोजेक्ट एक सुव्यवस्थित प्रक्रिया के तहत सम्पन्न कराए जाएं। कैबिनेट मंत्री ने आमजन से आह्वान किया कि वे नागरिकों के टैक्स का पैसा उनकी सुविधाओं के हिसाब से खर्च किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों का क्रियान्वयन करने वाली एजेंसी यह ध्यान रखें कि जनता की संतुष्टि के बिना उनके कार्यों का भुगतान नहीं किया जाएगा। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि उन्होंने सडक़ निर्माण से जुड़े सभी विभागों को सख्त निर्देश दिए हैं कि निर्माण प्रक्रिया में गुणवत्ता मानकों व निर्धारित प्रक्रिया का पूरा ध्यान रखा जाए। जनता के पैसे ही बंदरबाट नहीं होने दी जाएगी।

सरकार के इन सार्थक प्रयासों में सहभागी बने, साथ ही धरातल पर क्रियान्वित किए जा रहे विकास कार्यों में कहीं भी खामी मिले तो इसकी सूचना तुरंत मुझ तक पहुंचाये।

उन्होंने कहा कि गुरुग्राम एनसीआर का प्रमुख जिला है, ऐसे में अगर हम कोई सार्थक पहल करेंगे तो अन्य जिले भी उसका अनुसरण करेंगे। राव नरबीर ने इस दौरान गांव कार्टरपुरी में नवनिर्मित वाटर बूस्टिंग स्टेशन का भी शुभारंभ किया। इस अवसर पर डीटीपी नोडल आरएस भाट, नगर निगम से संयुक्त आयुक्त विशाल, फर्म एंड सोसायटीज के जिला रजिस्ट्रार लोकेश यादव, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आरओ विजय चौधरी, मंडल अध्यक्ष दौलतराम, निवर्तमान पार्षद धर्मबीर व रविंद्र यादव, ओमप्रकाश यादव, चौधरी धर्मपाल, राव धर्मपाल,पवन, मलखान यादव, निवर्तमान निगम पार्षद कुलदीप यादव व ब्रह्मा यादव, राकेश फाजिलपुर, शेर सिंह चौहान, सुंदर यादव सरपंच सिकंदरपुर सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

झज्जर: सरपंचों ने विधायक से की गांवों के विकास पर चर्चा

झज्जर। बहादुरगढ़ विधानसभा क्षेत्र के ग्राम सरपंचों ने विधायक राजेश जून से मुलाकात कर अपने गांव में विकास कार्यों को लेकर चर्चा की और विधायक द्वारा अपने धन्यवाद दौरे के दौरान हर एक गांव में विधायक निधि से अनुदान देने पर विधायक राजेश भीम का धन्यवाद किया। विधायक ने सरपंचों को सभी गांव में प्राथमिकता के आधार पर विकास कार्य करवाने का आश्वासन दिया।मुलाकात के दौरान ग्राम सरपंचों ने विधायक राजेश जून का शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया। सरपंचों ने बताया कि अपने धन्यवादी कार्यक्रमों में विधायक राजेश जून ने विकास कार्य करने के लिए विधायक कोटे से लाखों रुपये का जो सरकारी ग्रांट देने की घोषणा की थी वह आ चुकी है और उस धनराशि से गांव में विकास होंगे। विधायक राजेश जून ने सरपंचों से कहा कि हलके के सभी गांवों का विकास शहरी तर्ज पर होगा। हलके के गांवों व शहरी क्षेत्र का विकास करना मेरी पहली प्राथमिकता है। चुनाव प्रचार के दौरान उन्होंने सभी गांव में मौजूदा समस्याएं नोट की थी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मुलाकात ।

ऋषि संस्कृति और स्वास्थ्य का संगम है सूर्य नमस्कार का अभ्यास : डॉ. अशोक

एजेंसी

झज्जर। जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. अशोक कुमार ने कहा कि सूर्य नमस्कार का अभ्यास ऋषि संस्कृति और स्वास्थ्य का संगम है इसलिए हर किसी को नित्य प्रति सूर्य नमस्कार करना चाहिए। इसी को देखते हुए राज्य सरकार की योजना के तहत जिलाभर में सूर्य नमस्कार का अभ्यास शिक्षा संस्थाओं और अन्य प्रतिष्ठानों में करवाया जा रहा है जिलाभर में 12 जनवरी से महर्षि स्वामी विवेकानंद जयंती पर शुरू हुआ यह अभियान 12 फरवरी को महर्षि दयानंद सरस्वती जयंती तक पूरे जोश व उत्साह के साथ जिले में चलाया जाएगा। जिला आयुर्वेद अधिकारी डॉक्टर अशोक कुमार और जिला योग संयोजक डॉ. पवन ने बताया कि अभियान के तहत भी सरकारी व प्राइवेट स्कूलों के विद्यार्थियों को सूर्य नमस्कार का अभ्यास आयुष योग सहायकों द्वारा कराया गया। इसी कड़ी में 23 जनवरी को विद्या भारती विद्यालय बेरी के प्रांगण में सूर्य नमस्कार अभियान के जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन बलदेव योग विशेषज्ञ बलदेव की अध्यक्षता में किया जाएगा। इस अभियान के दौरान प्रत्येक कार्यक्रम में आयुष योग सहायकों द्वारा भारतीय कृषि संस्कृति, ऋषि संस्कृति, स्वामी विवेकानंद, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, पंडित राम प्रसाद, लाला लाजपत राय, लाला हरदयाल, स्वामी श्रद्धानंद, रानी लक्ष्मीबाई व महर्षि दयानंद सरस्वती के जीवन के विषय में जानकारी दी जाएगी। जिससे हम अपने ऋषियों व स्वतंत्रता सेनानियों के उच्च विचारों को संजोकर आने वाली पीढ़ियों में स्थापित कर सकें। उन्होंने बताया कि सूर्य नमस्कार द्वारा कुल 12 आसनों का अभ्यास श्वास को नियंत्रित करते हुए किया जाता है जिससे हमारे मस्तिष्क, हृदय व संपूर्ण शरीर की मांसपेशियों को बल मिलता है और हमारे बुद्धि की कार्य प्रणाली में सुधार होता है। उन्होंने बताया कि सूर्य नमस्कार में प्रणाम आसन, हस्त उतान आसन, पाद हस्त आसन, अश्व संचालन, पर्वत आसन, अष्टांग नमस्कार भुजंगासन, पर्वत आसन, अश्व संचालन, पाद हस्त आसन, हस्त उत्तानआसन और प्रणाम आसन शामिल हैं।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 8.71 अरब डॉलर घटकर 625.87 अरब डॉलर पर

एजेंसी

नई दिल्ली। अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर झटका लगने वाली खबर है। विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार छठे हफ्ते गिरावट आई है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 10 जनवरी को समाप्त हफ्ते में 8.71 अरब डॉलर घटकर 625.87 अरब डॉलर रह गया है, जो पिछले 10 महीने का निचला स्तर है। इससे पिछले सप्ताह में यह 5.69 अरब डॉलर घटकर 634.58 अरब यूएस डॉलर रहा था। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने जारी आंकड़ों में बताया कि 10 जनवरी को समाप्त हफ्ते में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 8.71 अरब डॉलर घटकर 625.87 अरब डॉलर रहा है। इस दौरान विदेशी मुद्रा भंडार का प्रमुख घटक विदेशी मुद्रा आस्तियां 9.47 अरब डॉलर घटकर 536.01 अरब डॉलर रह गईं। हालांकि, स्वर्ण भंडार का आरक्षित मूल्य 79.2 करोड़ डॉलर बढ़कर 67.88 अरब डॉलर हो गया। आरबीआई के मुताबिक विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) भी 3.3 करोड़ डॉलर घटकर 17.78 अरब डॉलर रहा। आंकड़ों के अनुसार इस दौरान अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास भारत का आरक्षित भंडार 40 लाख डॉलर घटकर 4.19 अरब डॉलर रह गया। उल्लेखनीय है कि सितंबर के अंत में देश का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 704.88 अरब अमेरिकी डॉलर के अबतक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था। दरअसल, विदेशी मुद्रा भंडार में पिछले कुछ हफ्तों से गिरावट की वजह रुपये में उतार-चढ़ाव को कम करने के लिए रिजर्व बैंक का विदेशी मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप के साथ-साथ मूल्यांकन को माना जा रहा है।

वित्त मंत्री से मिले सीआईआई महानिदेशक, कई मुद्दों पर चर्चा

नई दिल्ली। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के महानिदेशक चंद्रजीत बनर्जी ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं के बीच कई अहम मुद्दों पर बातचीत हुई। वित्त मंत्री कार्यालय ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी बयान में बताया कि सीआईआई के महानिदेशक चंद्रजीत बनर्जी ने नई दिल्ली स्थित नार्थ ब्लॉक में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की। केंद्रीय बजट 2025-26 संसद में पेश होने से पहले सीआईआई महानिदेशक की यह मुलाकात अहम है। हालांकि, इसका विस्तृत ब्यौरा अभी नहीं मिला है। इस अवसर पर अन्य लोग भी मौजूद रहे।उल्लेखनीय है कि भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) सलाहकारी और परामर्श प्रक्रियाओं के जरिए उद्योग, सरकार और नागरिक समाज के साथ साझेदारी करके भारत के विकास के लिए अनुकूल वातावरण बनाने और बनाए रखने के लिए काम करता है।

शेयर बाजार की तेजी का सिलसिला थमा, गिरावट के साथ बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में लगातार तीन दिनों से जारी तेजी का सिलसिला आज थम गया। आज के कारोबार की मिली-जुली शुरुआत हुई थी। बाजार खुलने के बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण शेयर बाजार में करीब 1 प्रतिशत की गिरावट आ गई। हालांकि दोपहर 11 बजे के बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना कर बाजार को सहारा देने की कोशिश की, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की स्थिति में कुछ सुधार भी हुआ। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.55 प्रतिशत और निफ्टी 0.47 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। आज दिनभर के कारोबार के दौरान बैंकिंग, आईटी, टेक और ऑटोमोबाइल सेक्टर के शेयरों में लगातार बिकवाली होती रही। दूसरी ओर पीएसई, रियल्टी और एनर्जी सेक्टर में लगातार खरीदारी होती रही। इसके साथ ही मेटल, फार्मास्यूटिकल, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल, एफएमसीजी और ऑयल एंड गैस इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में आज आमतौर पर मिला-जुला कारोबार होता नजर आया, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.04 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.01 प्रतिशत की सांकेतिक तेजी के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के बावजूद स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब 35 हजार करोड़ रुपये का इजाफा हो गया। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 428.75 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 428.40 लाख करोड़ रुपये था।

शेयर बाजार की तेजी का सिलसिला थमा, गिरावट के साथ बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में लगातार तीन दिनों से जारी तेजी का सिलसिला आज थम गया। आज के कारोबार की मिली-जुली शुरुआत हुई थी। बाजार खुलने के बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण शेयर बाजार में करीब 1 प्रतिशत की गिरावट आ गई। हालांकि दोपहर 11 बजे के बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना कर बाजार को सहारा देने की कोशिश की, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की स्थिति में कुछ सुधार भी हुआ। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.55 प्रतिशत और निफ्टी 0.47 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए।आज दिनभर के कारोबार के दौरान बैंकिंग, आईटी, टेक और ऑटोमोबाइल सेक्टर के शेयरों में लगातार बिकवाली होती रही। दूसरी ओर पीएसई, रियल्टी और एनर्जी सेक्टर में लगातार खरीदारी होती रही। इसके साथ ही मेटल, फार्मास्यूटिकल, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल, एफएमसीजी और ऑयल एंड गैस इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद हुए।

पीयूष गोयल ने भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो को बताया दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा ऑटो शो

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने नई दिल्ली में भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो-2025 के उद्घाटन अवसर पर इसे दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा ऑटोमोटिव शो बताया है। उन?होंने कहा कि प्रोत्साहन, सम्मेलन और प्रदर्शनी (एमआईसीई) इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करने में प्रधानमंत्री के विजन ने परिणाम दिखाना शुरू कर दिया है। गोयल ने कहा कि भारत मोबिलिटी दुनिया को भारत की कहानी दिखा रही है। नवाचार और स्थिरता अब देश में ऑटो उद्योग का फोकस है। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 का उद्घाटन किया, जिसमें उन्होंने दिग्गज रतन

टाटा और ओसामु सुजुकी के योगदान को याद करते हुए कहा कि उनकी विरासत मोबिलिटी सेक्टर को प्रेरित करेगी। ये एक्सपो 22 जनवरी तक तीन प्रतिष्ठित स्थलों भारत मंडपम, नई दिल्ली, यशोभूमि, द्वारका और इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट, ग्रेटर नोएडा में आयोजित किया जाएगा। भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 एक ऐतिहासिक आयोजन है, जिसका उद्देश्य संपूर्ण मोबिलिटी मूल्य श्रृंखला को एक छत के नीचे एकजुट करना है। उद्घाटन अवसर पर केंद्रीय वाणिज्य मंत्री ने कहा कि दिल्ली-एनसीआर में तीन स्थानों पर 2 लाख वर्ग मीटर का उपयोग भारत मोबिलिटी शो के लिए किया जा रहा है। इलेक्ट्रिक वाहन मोबिलिटी सेक्टर का स्वरूप बदल रहे हैं, पहली बार ऑटो खरीदने वालों को ईवी खरीदने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत मोबिलिटी 2025 इंडिया स्टोरी को दुनिया के सामने पेश करता है, जो निवेश और हमारे निर्यात को बढ़ाने के लिए एक अहम भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि इस एक्सपो ने मोबिलिटी इकोसिस्टम की वैल्यू चेन-ऑटोमोबाइल से लेकर ऑटो से जुड़े कंपोनेंट को एक ही छत के नीचे ला दिया है।

विशाखापत्तनम स्टील प्लांट के जीर्णोद्धार को कैबिनेट की मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। केन्द्र सरकार विशाखापत्तनम स्टील प्लांट का जीर्णोधार करने जा रही है। इसके लिए 11,440 करोड़ रुपये तय किए हैं। वर्तमान में कंपनी की 26 हजार करोड़ से अधिक की देनदारी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति ने इसे अपनी मंजूरी प्रदान कर दी है।

विशाखापत्तनम प्लांट को संचालित करने वाली राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटिड (आरआईएनएल) भारत सरकार के शत प्रतिशत स्वामित्व के साथ इस्पात मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम है। इसकी तरल स्टील की स्थापित क्षमता 7.3 एमटीपीए है।

सरकार की खाद्य वस्तुओं की कीमतों पर है नजर : खाद्य मंत्रालय

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार उपभोक्ताओं के लिए जरूरी खाद्य वस्तुओं की उपलब्धता और कीमतों पर कड़ी निगरानी रख रही है, ताकि उपभोक्ताओं को उनकी सामर्थ्य के अनुसार खाद्य वस्तुएं उपलब्ध हो सकें तथा मूल्य व्यवस्था स्थिर बनी रहे। उपभोक्ता, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मामलों के मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि उपभोक्ताओं और किसानों के हित में मूल्य स्थिरता बनाए रखने के लिए केंद्र सरकार समय रहते और पहले से ही निर्णय ले रही है। आवश्यक खाद्य वस्तुओं की समग्र उपलब्धता और सामर्थ्य सुनिश्चित करने के लिए घरेलू उत्पादन को प्रोत्साहित करने, आयात और निर्यात नीतियों जैसे उपाय किए जा रहे हैं।

मंत्रालय के मुताबिक सरकार उपभोक्ताओं और किसानों के हित में मूल्य स्थिरता बनाए रखने के लिए समय पर निर्णय ले रही है। अच्छी मानसूनी बारिश और अनुकूल मौसम के कारण फसल वर्ष 2024-25 (जुलाई-जून) में दालों और प्याज का उत्पादन पिछले वर्ष की तुलना में बढ़ने का अनुमान

है। वहीं, 2024-25 में तुअर उत्पादन 35.02 लाख टन होने का अनुमान है, जो पिछले फसल वर्ष के 34.17 लाख टन उत्पादन से 2.5 फीसदी अधिक है।

खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मामलों के मंत्रालय के मुताबिक कृषि मंत्रालय ने तुअर की खरीद के लिए मंजूरी जारी कर दी है। वहीं, मंत्रालय को अधिक बुवाई के कारण खरीफ और देर खरीफ प्याज का उत्पादन अच्छा रहने का अनुमान है। इसी तरह रबी प्याज की बुवाई भी अच्छी चल रही है। गौरतलब है कि खाद्य मुद्रास्फीति अक्टूबर के 10.87 फीसदी के मुकाबले घटकर दिसंबर 2024 में 8.39 फीसदी हो गई है।

डॉलर के मुकाबले रुपये में 6 पैसे की गिरावट, 86.61 के स्तर पर बंद हुआ रुपया

एजेंसी

नई दिल्ली। डॉलर इंडेक्स में आई तेजी, स्टॉक मार्केट में आई कमजोरी और कच्चे तेल की कीमत में आए उछाल के कारण भारतीय मुद्रा में डॉलर की तुलना में 6 पैसे की गिरावट आ गई। भारतीय मुद्रा आज डॉलर के मुकाबले 86.61 रुपये के स्तर पर बंद हुई। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन गुरुवार को भारतीय रुपया 86.55 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुआ था। मुद्रा बाजार में आज भारतीय रुपया दो पैसे की कमजोरी के साथ 86.57 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर खुला। दिन के कारोबार में रुपया मजबूत होकर 86.55 के स्तर तक पहुंचा, वहीं डॉलर की मांग बढ़ जाने पर भारतीय मुद्रा 86.63 रुपये के स्तर तक टूट भी गई। अंत में भारतीय मुद्रा ने दिन के निचले स्तर से दो पैसे की रिकवरी करके 86.61 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर आज के कारोबार का अंत किया। मुद्रा बाजार के जानकारों का मानना है कि डॉलर इंडेक्स में आई तेजी और कच्चे तेल की कीमत में आए उछाल के कारण आज रुपये पर दबाव बढ़ गया। इसी तरह घरेलू शेयर बाजार में विदेशी निवेशकों ने बिकवाली का दबाव बनाकर अपना पैसा निकालने की कोशिश की, इसलिए डॉलर की मांग

तेज होने की वजह से रुपये पर दबाव बढ़ गया। हालांकि, दिन के दूसरे सत्र में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों के स्टॉक मार्केट में लिवाली करने की वजह से डॉलर की मांग में कमी आई, जिसके कारण रुपया भी निचले स्तर से दो पैसे की रिकवरी करने में सफल रहा। मार्केट एक्सपर्ट अंशुमान चौधरी का कहना है कि अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड में आई गिरावट की वजह से आज डॉलर इंडेक्स 108.96 के स्तर से बढ़कर 109.25 के स्तर तक पहुंच गया। इस वजह से भारतीय मुद्रा समेत ज्यादातर देशों की मुद्राओं पर दबाव बढ़ गया। अंशुमान चौधरी का मानना है कि ग्लोबल मार्केट की कमजोरी और कच्चे तेल की कीमत में लगातार आ रही तेजी के कारण आने वाले दिनों में रुपये पर लगातार दबाव की स्थिति बनी रह सकती है। इसके साथ ही इंपोर्टर्स की ओर से भी डॉलर की मांग में तेजी आने की उम्मीद बनी हुई है। ऐसी स्थिति में अगर भारतीय रिजर्व बैंक रुपये को सपोर्ट करने के लिए मुद्रा बाजार में डॉलर का प्रवाह बढ़ा दे, तो रुपये की कीमत को काफी सहारा मिल सकता है।

वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल 18 से 20 जनवरी तक ब्रुसेल्स का करेंगे दौरा

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल 18 से 20 जनवरी तक ब्रुसेल्स के दौरे पर जाएंगे। पीयूष गोयल की यह यात्रा यूरोपीय संघ के साथ व्यापार और निवेश संबंधों के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को रेखांकित करेगी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी बयान में बताया गया है कि केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल 18 से 20 जनवरी तक बेल्जियम के ब्रुसेल्स आधिकारिक दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे यूरोपीय व्यापार एवं आर्थिक सुरक्षा आयोग के आयुक्त मारोस शेफकोविक के साथ उच्च स्तरीय वार्ता में भाग लेंगे। मंत्रालय के मुताबिक केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री की यह यात्रा इस बात को रेखांकित करती है कि भारत यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ अपने व्यापार और निवेश संबंधों को कितना महत्व देता है, जो हमारे सबसे बड़े व्यापारिक साझेदारों में से एक है, जिसका द्विपक्षीय व्यापार वित?त वर्ष 2023-2024 में 180 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक होने का अनुमान है। इसके साथ ही ईयू प्रत्यक्ष

विदेशी निवेश का भी एक महत्वपूर्ण स्रोत है, जिसका कुल एफडीआई 117.34 अरब अमेरिकी डॉलर होने का अनुमान है।

सौर ऊर्जा से चलने वाली कौशल वैन वंचित समुदायों को सशक्त बनाएगी: जयंत चौधरी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय कौशल विकास और उद्यमिता राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने कहा कि सौर ऊर्जा से चलने वाली कौशल वैन वंचित समुदायों को सशक्त बनाएंगी। सोलर कम्युनिटी हब मोबाइल वैन प्रशिक्षण इकाइयों को हरी झंडी दिखाने के बाद उन्होंने संबोधन में यह बात कही।

जयंत चौधरी ने कहा कि यह परिवर्तनकारी पहल राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी), लर्निंग लिंक्स फाउंडेशन, डेल टेक्नोलॉजीज और स्थानीय हितधारकों के बीच एक सहयोगात्मक प्रयास है। चौधरी ने कहा, सौर ऊर्जा से चलने वाली ये मोबाइल प्रशिक्षण इकाइयां शिक्षा और अवसरों को सीधे वंचित समुदायों के दरवाजे तक पहुंचाकर उन्हें सशक्त बनाने के लिए अभिनव दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करती हैं। चौधरी ने क्यूएस वर्ल्ड फ्यूचर स्किल्स इंडेक्स 2025 रैंकिंग में भारत को दूसरा स्थान

मिलने पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि यह उपलब्धि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ग्रीन टेक्नोलॉजी जैसे परिवर्तनकारी क्षेत्रों में हमारे देश की नेतृत्व क्षमता को दर्शाती करती है। इस कार्यक्रम में कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) के सचिव अतुल कुमार तिवारी तथा एनएसडीसी के सीईओ एवं एनएसडीसी इंटरनेशनल के एमडी वेद मणि तिवारी भी उपस्थित थे।उल्लेखनीय है कि सोलर कम्युनिटी हब सौर ऊर्जा से चलने वाली अत्याधुनिक मोबाइल प्रशिक्षण इकाइयां हैं, जिन्हें वंचित समुदायों को प्रभावशाली कौशल प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह कार्यक्रम सोलर कम्युनिटी हब की राष्ट्रव्यापी तैनाती की शुरुआत का प्रतीक है, जिसमें सिक्किम, आंध्र प्रदेश, झारखंड, राजस्थान, मध्य प्रदेश, कर्नाटक और महाराष्ट्र के जिलों में संचालित होने वाली सात वैन शामिल हैं। वित्त वर्ष 2025 में इस कार्यक्रम का विस्तार सात नए जिलों तक किया जाएगा। इससे समुदाय के युवाओं, छात्रों, महिलाओं तथा बुजुर्गों सहित अतिरिक्त 58 लाख लोगों के लाभान्वित होने की उम्मीद है।

भारत सेमीकंडक्टर मिशन, सीजी पावर और सीजी सेमी ने वित्तीय सहायता समझौते पर हस्ताक्षर किए

एजेंसी

नई दिल्ली। एक मजबूत सेमीकंडक्टर विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने की भारत की यात्रा में एक महत्वपूर्ण प्रगति को चिह्नित करते हुए भारत सेमीकंडक्टर मिशन, सीजी पावर एंड इंडस्ट्रियल सॉल्यूशंस लिमिटेड और सीजी सेमी प्राइवेट लिमिटेड द्वारा एक वित्तीय सहायता समझौते (एफएसए) पर हस्ताक्षर किए गए। यह सीजी की ओएसएटी सुविधा के माध्यम से अपने सेमीकंडक्टर विनिर्माण को मजबूत करने के भारत के प्रयासों में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसे सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र के विकास के लिए संशोधित कार्यक्रम के तहत अनुमोदित किया गया था। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने बताया कि सीजी पावर एंड इंडस्ट्रियल सॉल्यूशंस लिमिटेड गुजरात के साणंद में अपनी

सेमीकंडक्टर ओएसएटी इकाई स्थापित कर रही है। यह रेनेसास इलेक्ट्रॉनिक्स अमेरिका इंक. और स्टार्स माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स (थाईलैंड) पब्लिक कंपनी लिमिटेड के साथ साझेदारी में है। इसमें कुल निवेश लगभग 7,600 करोड़ रुपये (परियोजना) है। इस परियोजना को भारत सेमीकंडक्टर मिशन से पात्र पूंजीगत व्यय के लिए समतुल्य आधार पर 50 प्रतिशत राजकोषीय सहायता का लाभ मिलेगा, जो वैश्विक सेमीकंडक्टर मूल्य श्रृंखला में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में भारत की स्थिति को मजबूत करने के लिए भारत सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। सचिव एस कृष्णन ने रेखांकित किया कि भारत सरकार एफएसए पर हस्ताक्षर के साथ परियोजना के कार्यान्वयन के हर चरण में समर्थन देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने घरेलू बौद्धिक संपदा और बाजार विकास के महत्व पर जोर देते हुए क्षेत्र की बारीकियों को गहराई से समझने और उनकी तेज प्रगति के लिए सीजी पावर की सराहना की। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सीजी पावर भविष्य में इलेक्ट्रॉनिक्स मूल्य श्रृंखला में कई महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाएगा और 2030 तक इलेक्ट्रॉनिक्स में 500 बिलियन डॉलर के उत्पादन लक्ष्य तक पहुंचने के भारत के लक्ष्य में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

महाराष्ट्र में विदेशी निवेश आकर्षित करने के लिए मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस 19 जनवरी को दावोस जाएंगे

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र में विदेशी निवेश आकर्षित करने के लिए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस 19 जनवरी की सुबह मुम्बई से दावोस जाएंगे। दावोस में 20 से 24 जनवरी तक मुख्यमंत्री विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) में लेंगे। यह जानकारी सूत्रों ने दी। जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री फडणवीस का दावोस दौरा कई बड़े कार्यक्रमों से भरा हुआ है। वह विश्व के कई नेताओं से मुलाकात करेंगे। इस दौरे में उनके साथ उद्योग मंत्री उदय सामंत, एमआईडीसी, एमएमआरडीए और सिडको के अधिकारी भी होंगे। इस दौरे में डेटा सेंटर, ऑटोमोबाइल, सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी), इलेक्ट्रॉनिक्स, इस्पात, खाद्य प्रसंस्करण, कपड़ा उद्योग, दवा निर्माण और बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों में कई महत्वपूर्ण समझौतों (एमओयू) पर हस्ताक्षर होने की संभावना है। इस दौरे का उद्देश्य

महाराष्ट्र को 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए निवेश आकर्षित करना तथा बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा करना है। इस बारे में प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि महाराष्ट्र में निवेश लाने और बुनियादी ढांचे का विकास करते समय उनकी सरकार ने हमेशा संतुलित और क्षेत्रीय विकास पर ध्यान केंद्रित किया है। दावोस दौरे का मुख्य उद्देश्य महाराष्ट्र के सभी क्षेत्रों और जिलों में निवेश लाना है, जिससे सभी के लिए समान विकास सुनिश्चित हो सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि महाराष्ट्र को वैश्विक निवेश का प्रमुख केंद्र बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम होगा।

डेंटा वाटर एंड इंफ्रा सॉल्यूशंस का आईपीओ 22 जनवरी को खुलेगा, प्राइस बैंड 279-294 रुपये प्रति शेयर

मुंबई/नई दिल्ली। जल एवं अवसंरचना समाधान कंपनी डेंटा वाटर एंड इंफ्रा सॉल्यूशंस लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) निवेशकों के लिए 22 जनवरी, 2025 को खुलेगा। कंपनी ने इसके लिए मूल्य का दायरा (प्राइस बैंड) 279-294 रुपये प्रति शेयर तय किया है। इसके शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज एनएसई पर 29 जनवरी को लिस्ट होगा। कंपनी ने एक बयान में कहा कि डेंटा वाटर एंड इंफ्रा सॉल्यूशंस लिमिटेड का आईपीओ 22 जनवरी को सब्सिक्रिप्शन के लिए खुलेगा और 24 जनवरी, 2025 को बंद होगा। एंकर निवेशक इसमें 21 जनवरी को दांव लगा पाएंगे। डेंटा वाटर एंड इंफ्रा सॉल्यूशंस ने कहा कि 10 रुपये अंकित मूल्य वाले इस इश्यू में निवेशक न्यूनतम 50 इक्विटी शेयरों और उसके बाद 50 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोली लगा सकते हैं। डेंटा वाटर एंड इंफ्रा सॉल्यूशंस लिमिटेड का यह आईपीओ पूरी तरह से 75 लाख इक्विटी शेयरों का एक नया निर्गम है, जिसमें बिक्री के लिए कोई प्रस्ताव नहीं है। इसकी कीमत मूल्य बैंड के ऊपरी छोर पर 220.5 करोड़ रुपये है। कंपनी नए निर्गम से 150 करोड़ रुपये की इनकम का उपयोग कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं को पूरा करने और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्य के लिए किया जाएगा।

देश की डिजिटल भुगतान क्रांति में सबसे आगे यूपीआई, दिसंबर में 16.73 बिलियन लेनदेन का रिकॉर्ड हिट

एजेंसी

नई दिल्ली। हाल के वर्षों में भारत ने डिजिटल लेन-देन में अभूतपूर्व वृद्धि देखी है, जो कैशलेस समाज बनने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। भारत की डिजिटल भुगतान क्रांति में सबसे आगे यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफ़ेस (यूपीआई) है, जिसने दिसंबर 2024 में 16.73 बिलियन लेन-देन का रिकॉर्ड हिट बनाया है। इसके अलावा तत्काल भुगतान सेवा (आईएमपीएस) और एनईटीसी फास्टैग वित्तीय लेन-देन को तेज़, अधिक सुलभ और सुरक्षित बनाने वाले प्रमुख खिलाड़ी के रूप में उभरे हैं। वित्त मंत्रालय के अनुसार नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) के हालिया डेटा के अनुसार यूपीआई ने 16.73 बिलियन से अधिक लेन-देन संसाधित करके एक नया रिकॉर्ड बनाया है, जिसमें 23.25 लाख करोड़ रुपये का चौंका देने वाला लेनदेन मूल्य है। यह नवंबर में 21.55 लाख करोड़ रुपये से उल्लेखनीय उछाल है। 2024 में यूपीआई ने लगभग 172 बिलियन लेन-देन संसाधित किए, जो 2023 में 117.64 बिलियन से 46 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। यह वृद्धि वित्तीय समावेशन की ओर एक व्यापक सांस्कृतिक बदलाव को रेखांकित करती है, जिसमें यूपीआई एक केंद्रीय स्तंभ है। यूपीआई ने मोबाइल लेन-देन के क्षेत्र में अपना दबदबा कायम रखा है। आईएमपीएस लंबे समय से खातों के बीच तत्काल भुगतान के लिए एक विश्वसनीय सेवा रही है। 2010 में लॉन्च की गई तत्काल भुगतान सेवा (आईएमपीएस) एक वास्तविक समय, 24×7 इलेक्ट्रॉनिक फंड ट्रांसफर सेवा है, जो बैंकों और वित्तीय संस्थानों में त्वरित लेनदेन की सुविधा प्रदान करती है। मोबाइल, एटीएम, एसएमएस और इंटरनेट सहित कई चैनलों के माध्यम से लेन-देन का समर्थन करने में इसकी बहुमुखी प्रतिभा ने इसे व्यवसायों और व्यक्तियों दोनों के लिए एक आवश्यक उपकरण बना दिया है। हाल के आंकड़ों से पता चलता है कि आईएमपीएस लेन-देन में उछाल आया है, दिसंबर 2024 में 441 मिलियन लेन-देन दर्ज किए गए, जबकि नवंबर 2024 में 407.92 मिलियन लेन-देन दर्ज किए गए थे। लेन-देन मूल्य में भी उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई, जो दिसंबर में 6.01 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जो पिछले महीने 5.58 लाख करोड़ रुपये था। एक अन्य महत्वपूर्ण डिजिटल भुगतान विधि, जिसका महत्व बढ़ गया है, वह है एनईटीसी फास्टैग। नेशनल इलेक्ट्रॉनिक टोल कलेक्शन (एनईटीसी) फास्टैग राष्ट्रीय राजमार्गों पर टोल का भुगतान करने का एक सहज कैशलेस तरीका प्रदान करता है, जिससे वाहनों को टोल प्लाजा पर रुकने की आवश्यकता समाप्त हो जाती है। फास्टैग को बैंक खाते (चाहे वह बचत, चालू या प्रीपेड हो) से जोड़कर चालक चलते-फिरते अपने टोल का भुगतान कर सकते हैं, जिससे समय और ईंधन दोनों की बचत होती है। नवंबर में 358.84 मिलियन के मुकाबले दिसंबर में फास्टैग लेन-देन की मात्रा बढ़कर 381.98 मिलियन हो गई। नवंबर में 6,070 करोड़ रुपये के मुकाबले इसका मूल्य भी बढ़कर 6,642 करोड़ रुपये हो गया।

सब्जियां खाने में नाक-मुंह बनाते हैं आपके भी बच्चे, तो इन तरीकों से करें इन्हें डाइट में शामिल

सब्जियां स्वस्थ शरीर की जरूरत होती हैं। लेकिन जरूरी नहीं है कि सभी सब्जियों को शौक से खाए। कुछ लोग इसे खाने में आनाकानी करते हैं जिससे उनके शरीर को जरूरी पोषण नहीं मिल पाता है। ऐसे में कुछ ऐसे ट्रिक्स अपनाना जरूरी है जिससे शरीर को सब्जियों का पोषण मिल सके। जानते हैं ऐसी ही कुछ ट्रिक्स जो सब्जियों को हमारी डाइट में आसानी से शामिल कर सकती हैं।

सर्दियों में कई सारी सब्जियां बाजार में मिलती है, जो न सिर्फ हमारे खाने का जायका बदल देती हैं, बल्कि सेहत को भी काफी फायदा पहुंचाती हैं। हालांकि, कम लोग ही इन सब्जियों को खाना पसंद करते हैं। खासकर बच्चे अक्सर सब्जियों को देखकर मुंह बनाने लगते हैं।

हालांकि, सब्जियां खाना शरीर के लिए बेहद जरूरी है। ये शरीर को जरूरी पोषण देता है, लेकिन सब्जियां खाना सभी को पसंद नहीं होता है। कई लोगों को अलग-अलग सब्जी का स्वाद पसंद नहीं आता है, किसी को टेक्सचर और किसी को किसी सब्जी की महक तक नहीं भाती है। ऐसे में सब्जियों को डाइट में शामिल करना मुश्किल हो जाता है। अगर आपके बच्चे भी सब्जियां खाने में नाक-मुंह बनाते हैं, तो आप कुछ तरीकों से उनकी डाइट में शामिल कर सकते हैं।

सलाद बनाएं

सब्जियों को अपनी डाइट में शामिल करने का सबसे आसान और हेल्दी तरीका सलाद है। खीरा, टमाटर, प्याज, गाजर, पत्तागोभी जैसी सब्जियां स्प्राउट्स के साथ नमक और चाट मसाला डाल कर सलाद बनाने से बेहद स्वादिष्ट लगता है।

स्मूदी या सूप बनाएं

अगर किसी को सब्जियों का टेक्सचर नहीं पसंद है, तो इन्हें अन्य सब्जियों के साथ मिला कर ब्लेंड करें और टेस्टी स्मूदी तैयार करें। इसके अलावा आप इसे सूप में बारीक काट कर डालें। ये एक पौष्टिक और हेवी ब्रेकफास्ट का बेहतरीन विकल्प है।

प्यूरी बनाएं

कुछ सब्जियां जैसे पालक, चुकंदर, कद्दू आदि की प्यूरी बना कर इन्हें सामान्य किसी भी करी में बेस की तरह इस्तेमाल कर सकते हैं।

सैंडविच या रैप बनाएं

सब्जी रोटी खाने में बेस्वाद लग सकती है, लेकिन अगर इन्हीं सब्जियों को सैंडविच में टिक्की बना कर या फिर रैप में सॉस, चटनी और क्रीम के साथ लगा कर खाया जाए, तो ये सभी को पसंद आती हैं।

रोस्ट करें

कुछ सब्जियों को रोस्ट कर के उनके ऊपर नींबू, चाट मसाला छिड़क कर खाने से ये क्रिस्पी और टेस्टी लगती हैं। शकरकंद, गाजर, पनीर, शिमला मिर्च जैसी सब्जियां रोस्ट कर के खाने से इनका स्वाद बढ़ जाता है।

राइस और पास्ता में मिलाएं

सब्जियां भले ही पसंद न हों, लेकिन जब ये फ्राइड राइस, मंचूरियन या पास्ता में चॉप हो कर सर्व की जाती हैं, तो पूरी प्लेट साफ हो जाती है। इस तरह क्रिएटिव ट्रिक्स से सब्जियों को अपनी डाइट में जरूर शामिल करें।

खाद्य कीमतों में वृद्धि से हाशिए पर पड़े लोगों के लिए पोषण का संकट

पिछले दशक में दवा पर खर्च आसमान छू गया है और ईएमआई पर आधारित खपत कई गुना बढ़ गयी है। खपत के बढ़ते वित्तीयकरण ने सभी वर्गों के व्यय पैटर्न को प्रभावित किया है। ईंधन की कीमतों में वृद्धि भी विभिन्न वर्गों के उपभोग व्यय को प्रभावित करती है। पिछले दशकों में खाना पकाने के ईंधन पर खर्च में काफी वृद्धि हुई है।राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय ने हाल ही में घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण 2023-24 की तथ्य-पत्रिका जारी की है। यह वार्षिक श्रृंखला की दूसरी सर्वेक्षण रिपोर्ट है जो 2011-12 में सरकार द्वारा जारी किये गये 68वें दौर के उपभोग व्यय सर्वेक्षण के बाद लंबे अंतराल के बाद 2022-23 में शुरू हुई है। सरकार इस बार यह रिपोर्ट जारी करने में सहज प्रतीत होती है क्योंकि ग्रामीण भारत में मासिक प्रति व्यक्ति उपभोग व्यय (एमपीसीई) 2022-23 में 3,773 रुपये से बढ़कर 2023-24 में 4,122 रुपये और शहरी भारत में 6,459 रुपये से बढ़कर क्रमशः 6,996 रुपये हो गया है। इसका अर्थ है कि ग्रामीण और शहरी भारत में उपभोग व्यय में क्रमशः 9.25 और 8.31 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

सामान्य उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में 6 प्रतिशत की मुद्रास्फीति दर और 9 प्रतिशत से अधिक खाद्य मुद्रास्फीति दर है। इस महंगाई के समायोजन के बाद घरेलू उपभोग व्यय में नाममात्र की वृद्धि वास्तव में जीवन दशा सुधारने में कोई खास अर्थ नहीं रखती। हालांकि सरकार यह भी दावा करती है कि कुल उपभोग व्यय के गिनी गुणांक द्वारा मापी गयी असमानता ग्रामीण भारत के लिए 2022-23 में 0.226 से गिरकर 2023-24 में 0.237 हो गयी है। यह स्पष्ट रूप से इस तथ्य का खंडन करता है कि भारत के मामले में आय में असमानता तेजी से बढ़ रही है, जबकि उपभोग व्यय के मामले में असमानता मामूली रूप से कम हुई है।एनएसओ उपभोग व्यय वितरण को 12 भिन्न वर्गों में विभाजित करता है। सबसे निचला वर्ग उपभोग वितरण के सबसे गरीब 5 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करता है और सबसे ऊपरी वर्ग भारतीय उपभोक्ताओं के सबसे अमीर 5 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करता है। वितरण को दो शीर्ष और निचले वर्गों के लिए 5 प्रतिशत की सीमा के साथ विभाजित किया गया है और बाकी को बीच के आठ भिन्न वर्गों के लिए 10 प्रतिशत की सीमा के साथ विभाजित किया गया है।2023-24 में शीर्ष 5 प्रतिशत में औसत उपभोक्ता एक गरीब व्यक्ति द्वारा औसतन उपभोग किए जाने वाले उपभोग से छह गुना अधिक उपभोग करता है। यह स्पष्ट रूप से आय और धन में असमानता की तुलना में मामूली लगता है क्योंकि जैसे-जैसे आय बढ़ती है, किसी व्यक्ति की कुल आय में उपभोग व्यय का हिस्सा घटता जाता है। जैसे-जैसे लोग अमीर होते जाते हैं, आय या संपत्ति में वृद्धि की तुलना में उपभोग व्यय धीमी गति से बढ़ता है। दूसरी ओर, बढ़ी हुई आय का बड़ा हिस्सा गरीब लोगों द्वारा उपभोग में खर्च किया जाता है और उपभोग के मामले में असमानता आय या संपत्ति में असमानता की तुलना में बहुत कम होने की उम्मीद है।पिछले दशकों में उपभोग व्यय में एक महत्वपूर्ण प्रवृत्ति यह देखी गयी है कि ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में औसत एमपीसीई में खाद्य की हिस्सेदारी में गिरावट आई है। औसतन उपभोग व्यय में खाद्य की हिस्सेदारी ग्रामीण भारत में 2011-12 में 52.9 से घटकर 2023-24 में 47.04 प्रतिशत और शहरी भारत में 42.62 से घटकर 39.68 प्रतिशत हो गयी है।एक तर्क यह हो सकता है कि प्रति व्यक्ति आय बढ़ने के साथ कुल उपभोग व्यय में खाद्य की हिस्सेदारी घटती है और खाद्य समूह के भीतर अनाज की हिस्सेदारी घटती है। जैसे-जैसे आय बढ़ती है, लोग अपनी आय का बढ़ता हिस्सा गैर-खाद्य पर खर्च करते हैं और खाद्य के भीतर तेल, सब्जियां, अंडा, मछली, मांस और फलों पर अधिक खर्च करते हैं जबकि कुल खाद्य व्यय के अनुपात में अनाज की खपत घटती है। यह आहार परिवर्तन श्रम प्रक्रिया में परिवर्तन के कारण भी होता है, क्योंकि शहरी और ग्रामीण दोनों उत्पादन गतिविधियों में, मशीनीकरण बढ़ने के साथ पहले की तुलना में कम शारीरिक ऊर्जा की आवश्यकता होती है।भोजन व्यय के हिस्से के रूप में खाद्य का हिस्सा कम हो सकता है, भले ही खाद्य की वास्तविक खपत निरपेक्ष रूप से बढ़ गयी हो, लेकिन गैर-खाद्य पर व्यय बहुत तेजी से बढ़ सकता है। सबसे गरीब वर्ग के लिए, कुल उपभोग व्यय में खाद्य पर व्यय का हिस्सा 60 प्रतिशत से अधिक है, जबकि सबसे अमीर वर्ग के मामले में, यह केवल 20 प्रतिशत के करीब है। दूसरे शब्दों में, अमीर वर्गों के मामले में खाद्य और गैर-खाद्य पर व्यय के बीच का अंतर तेजी से बढ़ता है। हाल ही में जारी की गयी रिपोर्ट में जो बात दिलचस्प लगती है, वह इस लंबी अवधि की प्रवृत्ति का उलट है, यानी कुल उपभोग व्यय में खाद्य का हिस्सा पिछले साल की तुलना में औसतन बढ़ा है।ग्रामीण उपभोक्ताओं के मामले में यह 46.38 से 47.04 प्रतिशत और शहरी उपभोक्ताओं के मामले में 39.17 से 39.68 प्रतिशत तक मामूली रूप से बढ़ा है। इसका मतलब यह नहीं है कि लोग पिछले साल की तुलना में औसतन ज़्यादा खाना खा रहे हैं, बल्कि ऐसा इसलिए हो सकता है क्योंकि साल के ज़्यादातर समय में खाद्य पदार्थों की महंगाई दर अन्य उपभोक्ता वस्तुओं की महंगाई दर से ज़्यादा रही है। उस स्थिति में जब खाद्य पदार्थों की कीमतें अन्य वस्तुओं की तुलना में ज़्यादा अनुपात में बढ़ती हैं और चूंकि लोग खाने की खपत में शायद ही कटौती करते हैं, इसलिए कुल खपत व्यय में खाद्य पदार्थों की हिस्सेदारी में वृद्धि दर्ज की जाती है।पिछले कुछ सालों में उपभोग व्यय सर्वेक्षणों ने गैर-खाद्य वस्तुओं की खपत के वितरण में कुछ महत्वपूर्ण रुझानों को भी रेखांकित किया है। पिछले दशकों में शिक्षा और चिकित्सा सेवाओं पर व्यय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यह दो प्रक्रियाओं का संयुक्त प्रभाव हो सकता है। एक है स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा की आवश्यकता के बारे में बढ़ती जागरूकता, और दूसरा कारक निश्चित रूप से स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा दोनों का बढ़ता व्यवसायीकरण है, जो पहले सार्वजनिक प्रावधान के माध्यम से गरीबों और मध्यम वर्ग के लिए काफी हद तक सुलभ था।पिछले दशक में दवा पर खर्च आसमान छू गया है और ईएमआई पर आधारित खपत कई गुना बढ़ गयी है। खपत के बढ़ते वित्तीयकरण ने सभी वर्गों के व्यय पैटर्न को प्रभावित किया है। ईंधन की कीमतों में वृद्धि भी विभिन्न वर्गों के उपभोग व्यय को प्रभावित करती है। पिछले दशकों में खाना पकाने के ईंधन पर खर्च में काफी वृद्धि हुई है। साथ ही, अध्ययनों से पता चलता है कि ग्रामीण और शहरी दोनों परिवारों द्वारा अपने बच्चों के लिए ट्यूशन फीस पर बहुत अधिक खर्च किया गया है और यह घटना गरीब वर्गों के लिए अपेक्षित रूप से अधिक है।पिछले दशक में औसतन गैर-खाद्य व्यय में सबसे महत्वपूर्ण वृद्धि संचार पर हुई है। सेल फोन का उपयोग सभी वर्गों में बढ़ गया है और कई मामलों में, यह कई निजी और सार्वजनिक लेनदेन के लिए लगभग अपरिहार्य हो गया है। डिजिटलीकरण में वृद्धि ने सेल फोन के उपयोग को लगभग गैर-विवेकाधीन बना दिया है। इंटरनेट का उपयोग भी बढ़ रहा है, लेकिन अमीर और गरीब के बीच व्यय का अंतर अभी भी अधिक है। उपभोग व्यय के इन बदलते परिदृश्यों में जो महत्वपूर्ण है वह है विभिन्न वर्गों में विवेकाधीन और गैर-विवेकाधीन उपभोग व्यय के बीच की सीमा को फिर से परिभाषित करना।ो व्यय विवेकाधीन हैं, वे कुछ हद तक ज़रूरत पड़ने पर टाले जा सकते हैं, जैसे मनोरंजन या बाहर खाने पर और जो अपरिहार्य हैं, जैसे भोजन, चिकित्सा देखभाल, आवास के लिए किराया या ईएमआई आदि पर व्यय। पिछले कुछ दशकों में उपभोग व्यय के उभरते पैटर्न से यह स्पष्ट है कि उपभोग की कई वस्तुएं जिन्हें पहले विवेकाधीन माना जाता था, वे विभिन्न वर्गों में गैर-विवेकाधीन हो गयी हैं। कामकाजी लोगों की उपभोग आवश्यकताओं में भी बदलाव आता है, और यह श्रम प्रक्रिया, सांस्कृतिक प्रक्रियाओं और उपभोग के सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों के बदलते वितरण से निर्धारित होता है।सबसे गरीब वर्ग के लिए, खाद्य कीमतों में वृद्धि से खाद्य पदार्थों की खपत कम हो सकती है जिससे पोषण की कमी हो सकती है, लेकिन अन्य निम्न और मध्यम वर्गों के लिए, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और संचार की उपलब्धता उपभोग मांग के महत्वपूर्ण घटक बनकर उभरी है। इसलिए, कामकाजी लोगों के लिए बेहतर जीवन के लिए आंदोलनों को इन महत्वपूर्ण तत्वों पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है जो कामकाजी वर्ग के जीवन की बदलती आवश्यकताओं का गठन करते हैं।

संपादकीय

चुनाव आयोग पर सच- साबित हुए राहुल

अभी बुधवार को ही कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने नवनिर्मित पार्टी मुख्यालय के उद्घाटन अवसर पर चुनाव आयोग पर उसके पक्षपातपूर्ण रवैये को लेकर निशाना साधा था; और चौबीस घंटे बीतते न बीतते उनकी बात साबित होती भी दिख गयी। आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह ने जानकारी दी कि दिल्ली चुनाव अधिकारी (डीईओ) ने %एक्स% पर भारतीय जनता पार्टी की दिल्ली इकाई के आधिकारिक हैंडल पर जारी एक पोस्ट को रिपोस्ट कर दिया है। यह पोस्ट भाजपा नेताओं की चुनाव अधिकारियों के साथ हुई बैठक को लेकर थी।

संजय सिंह ने इसका स्क्रीन शॉट शेयर कर एक महत्वपूर्ण संवैधानिक संस्था तथा राजनीतिक दल के परस्पर सम्बन्धों को उजागर कर दिया है। राहुल गांधी ने अपने भाषण में हरियाणा तथा महाराष्ट्र विधानसभा के कुछ माह पहले हुए चुनावों के हवाले से संकेत दिये थे कि उनमें चुनाव आयोग ने पक्षपात किया था। राहुल का यह बयान इस परिप्रेक्ष्य में था कि वहां माहौल पूरी तरह से कांग्रेस और विपक्षी गठबन्धन इंडिया के पक्ष में था परन्तु परिणाम अप्रत्याशित रूप से भाजपा तथा उसके सहयोगी नेशनल डेमोक्रेटिक एलायंस के हक में गये थे।संजय सिंह ने एक्स पर की गयी अपनी पोस्ट में तंज कसा कि निर्वाचन अधिकारी औपचारिक रूप से भाजपा में शामिल होकर उसका चुनाव प्रचार करेंगे। उन्होंने लिखा- भारत के इतिहास में पहली बार- नयी दिल्ली के चुनाव अधिकारी ने चोरी-छिपे बीजेपी के ट्वीट-रिट्वीट करने शुरु कर दिये हैं। अब नयी दिल्ली विधानसभा के जिला अधिकारी कह रहे हैं जब प्यार किया तो डरना क्या।% कल सुबह 11 बजे जिला चुनाव अधिकारी बीजेपी ऑफिस में पार्टी ज्वाइन करेंगे। हालांकि जिला निर्वाचन अधिकारी की तरफ से इस मुद्दे पर सफाई आई कि सोशल मीडिया हैंडल का संचालन सोशल मीडिया सेल के एक अधिकारी करते हैं। उन्होंने अनजाने में रिपोस्ट की थी और अब उन्हें बदल दिया गया है। लेकिन सवाल तो फिर भी उठता ही है कि अनजाने में ही सही, लेकिन भाजपा की पोस्ट को ही रिपोस्ट क्यों किया गया, क्यों चुनाव आयोग के दफ्तर ने किसी और दल के पोस्ट को रिपोस्ट नहीं किया।

संजय सिंह ने भाजपा और चुनाव आयोग के अंतर्संबंधों को इस ट्वीट प्रकरण के सन्दर्भ में उजागर किया है लेकिन देश पिछले एक अर्से से यह देख रहा है कि किस प्रकार भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार में विपक्ष को नेस्तनाबूद करने की जो चालें चली जा रही हैं, उनमें निर्वाचन आयोग प्रमुख भूमिका निभा रहा है। निर्वाचन आयोग को जेबी संस्था की तरह बनाने की कोशिशें हो रही हैं, जिसका काम सत्ता के दिशानिर्देशों का पालन करना मात्र रह गया है। सारे चुनावी कार्यक्रम सत्ताधीशों की सुविधानुसार तय किये जाने लगे हैं।अपनी सत्ता को बनाये रखने के लिये भाजपा सरकार ने चुनाव आयोग को बेहद कमजोर कर दिया है। पहले जहां मुख्य चुनाव आयुक्त का चयन प्रधानमंत्री, एक केन्द्रीय मंत्री, विपक्ष के नेता तथा सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश मिलकर करते थे, पिछली सरकार ने एक कानून लाकर इस कमेटी से मुख्य न्यायाधीश को हटा दिया। इस प्रकार से चुनाव आयुक्त की नियुक्ति पर पूरी तरह से सरकार का अधिकार हो गया है और विपक्ष की कोई भूमिका नहीं रह गयी है।कई राज्यों तथा पिछले लोकसभा चुनावों में भाजपा तथा निर्वाचन आयोग की मिलीभगत के आरोप विपक्ष ने लगाए। हाल के हरियाणा व महाराष्ट्र चुनाव के साथ हुए उपचुनावों में भी देखा गया कि सुबह को रूझान कुछ थे जबकि एक-डेढ़ घंटे के भीतर ही सभी के अनुमान ध्वस्त होते गये और दोपहर होते न होते अंततः भाजपा की ही विजय हुई थी। यह खेल कई राज्यों में खेला गया था। अनेक निर्वाचन क्षेत्रों में ईवीएम स्ट्रॉन्ग रूम के बाहर पाई गयीं या उनमें हेर-फेर के साफ संकेत मिले - खासकर, लम्बे इस्तेमाल के बाद भी कई मशीनों का मतगणना के वक्त 99 फीसदी तक चार्ज रहना यह बताता है कि कहीं कोई गड़बड़ी हुई है। विपक्ष ही नहीं, अनेक प्रबुद्ध लोग तथा स्वयंसेवी संगठन चाहते हैं कि वोटिंग बैलेट पेपर से हो लेकिन उनकी न तो सरकार सुनती है और न ही स्वयं निर्वाचन आयोग। लोकसभा चुनाव के पहले कई विपक्षी दल इस बाबत आयोग से मिलकर अपनी बात कहना चाहते थे .

आप नेताओं के खिलाफ आदेश से भाजपा को राजनीतिक लाभ की उम्मीदनर्मदा की जोड़ने वाली मेला संस्कृति

आम आदमी पार्टी (आप) के नेताओं अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया के खिलाफ अभियोजन पक्ष को मंजूरी देने का मोदी सरकार का हालिया फैसला राजनीतिक उद्देश्यों के लिए केंद्रीय एजेंसियों के इस्तेमाल की चल रही कहानी में एक और अध्याय जोड़ता है

राजनीतिक उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए सरकार का केंद्रीय एजेंसियों पर निर्भर रहना लोकतंत्र और कानून के शासन के सिद्धांतों के प्रति चिंताजनक उपेक्षा को दर्शाता है। लोकतांत्रिक शासन के लिए यह आवश्यक है कि संस्थाए स्वतंत्र रूप से और बिना किसी हस्तक्षेप के काम करें, यह सुनिश्चित करते हुए कि न्याय निष्पक्ष और निष्पक्ष रूप से प्रशासित हो।आम आदमी पार्टी (आप) के नेताओं अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया के खिलाफ अभियोजन पक्ष को मंजूरी देने का मोदी सरकार का हालिया फैसला राजनीतिक उद्देश्यों के लिए केंद्रीय एजेंसियों के इस्तेमाल की चल रही कहानी में एक और अध्याय जोड़ता है। मूल रूप से, यह कदम एक ऐसे पैटर्न को उजागर करता है जिसमें देश के विभिन्न संस्थानों को सत्तारूढ़ पार्टी के एजंडे को ही आगे बढ़ाने के लिए एक उपकरण के रूप में किया जा रहा माना जाता है। वर्तमान घटनाक्रम का संदर्भ और समय इस तरह की कार्रवाइयों के पीछे रणनीतिक प्रेरणाओं को ओर रेखांकित करता है, जिससे इन संस्थानों की स्वतंत्रता और लोकतांत्रिक सिद्धांतों की रक्षा में उनकी भूमिका के बारे में गंभीर चिंताएं पैदा होती हैं। %पिंजरे में बंद तोता% समकालीन राजनीतिक मुहावरे का हिस्सा बन गया है।केन्द्रीयगृह मंत्रालय द्वारा अभियोजन के लिए मंजूरी नवंबर में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिये गये ऐतिहासिक फैसले के तीन महीने बाद आई है, जिसमें इस बात पर जोर दिया गया था कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को लोक सेवकों पर मुकदमा चलाने के लिए केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की तरह ही पूर्व मंजूरी लेनी चाहिए। इस फैसले की जांच शक्तियों के संभावित दुरुपयोग के खिलाफ सुरक्षा के रूप में सराहना की गयी थी, जो इस सिद्धांत को पुष्ट करता है कि अभियोजन को पर्याप्त निगरानी के बिना आगे नहीं बढ़ना चाहिए।

लेकिन केंद्र सरकार ने दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले ही इसे मंजूरी नहीं दी। अब जब चुनाव प्रक्रिया शुरु हो गई है तब मंजूरी दी गयी है। इस घटनाक्रम को न्यायपालिका द्वारा ईडी की बढ़ती जांच की पृष्ठभूमि में भी देखा जाना चाहिए। हाल के दिनों में, एजेंसी को मनी लॉन्ड्रिंग मामलों से निपटने के लिए विभिन्न अदालतों से कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ा है। ईडी द्वारा की गयी कई गिरफ्तारियों को %अवैध% करार दिया गया है, तथा अदालतों ने पर्याप्त सुबूत या उचित प्रक्रिया के बिना हिरासत में लिये गये व्यक्तियों की तत्काल रिहाई का आदेश दिया है।ऐसे मामलों ने ईडी की निष्पक्षता और कानूनी मानदंडों के पालन पर गंभीर सवाल खड़े किये हैं, जिससे एक जांच निकाय के रूप में इसकी विश्वसनीयता पर संदेह पैदा हुआ है। ईडी की कार्रवाई की चयनात्मक प्रकृति ने इसकी मंशा के बारे में संदेह को और गहरा कर दिया है। विपक्षी नेताओं को पकड़ने में एजेंसी का उत्साह सत्तारूढ़ पार्टी से जुड़े लोगों के खिलाफ इसी तरह के आरोपों की जांच करने की उसकी स्पष्ट अनिच्छा के बिलकुल विपरीत है। यह असमानता पक्षपात की धारणा को बढ़ावा देती है और कानूनी प्रक्रिया की निष्पक्षता में जनता के विश्वास को कम करती है। यह संस्थागत स्वायत्तता के क्षरण के बारे में भी चिंता पैदा करता है, क्योंकि जिन एजेंसियों को सत्ता पर नियंत्रण के रूप में कार्य करने के लिए डिज़ाइन किया गया था, उन्हें तेजी से राज्य नियंत्रण के साधन के रूप में देखा जा रहा है।जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आ रहे हैं, केन्द्र में सत्तारूढ़ पार्टी उन प्रभावशाली विपक्षी नेताओं को बेअसर करने पर आमादा दिख रही है, जो इसके खिलाफ प्रतिरोध को बढ़ावा देने की क्षमता रखते हैं। केजरीवाल, विशेष रूप से दिल्ली में, आप को एक मजबूत ताकत के रूप में स्थापित करने और अन्य राज्यों में इसके प्रभाव का विस्तार करने में उनकी सफलता को देखते हुए एक महत्वपूर्ण राजनीतिक चुनौती का प्रतिनिधित्व करते हैं। ऐसा लगता है कि सरकार उन्हें और उनके करीबी सहयोगियों को निशाना बनाकर आप की विश्वसनीयता को कमज़ोर करने और उसकी चुनावी संभावनाओं को कम करने की कोशिश कर रही है।राजनीतिक उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए सरकार का केंद्रीय एजेंसियों पर निर्भर रहना लोकतंत्र और कानून के शासन के सिद्धांतों के प्रति चिंताजनक उपेक्षा को दर्शाता है। लोकतांत्रिक शासन के लिए यह आवश्यक है कि संस्थाए स्वतंत्र रूप से और बिना किसी हस्तक्षेप के काम करें, यह सुनिश्चित करते हुए कि न्याय निष्पक्ष और निष्पक्ष रूप से प्रशासित हो। इस प्रवृत्ति के व्यापक निहितार्थ बहुत चिंताजनक हैं। एक स्वस्थ लोकतंत्र में, ईडी और सीबीआई जैसी संस्थाएं भ्रष्टाचार और सत्ता के दुरुपयोग पर महत्वपूर्ण जांच के रूप में काम करती हैं। उनकी विश्वसनीयता बिना किसी डर या पक्षपात के काम करने की उनकी क्षमता पर निर्भर करती है, जो राजनीतिक संबद्धता की परवाह किये बिना कानून को समान रूप से लागू कर सके। जब इन एजेंसियों को सत्तारूढ़ पार्टी के उपकरण के रूप में माना जाता है, तो उनकी प्रभावशीलता से समझौता होता है, और उनके कार्यों को संदेह की दृष्टि से देखा जाता है। इससे न केवल संस्थाएं कमजोर होती हैं, बल्कि समग्र रूप से न्याय प्रणाली में जनता का विश्वास भी कम होता है।

ईडी से जुड़े मामलों में न्यायपालिका के हालिया हस्तक्षेप आशा की एक किरण प्रदान करते हैं, जो लोकतांत्रिक मानदंडों की रक्षा में एक स्वतंत्र न्यायपालिका की भूमिका को उजागर करते हैं। अवैध हिरासत के मामलों को सामने लाकर और उचित प्रक्रिया की आवश्यकता पर जोर देकर, अदालतों ने कानून के शासन को बनाये रखने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की है। हालांकि, न्यायपालिका अकेले जांच एजेंसियों को परेशान करने वाले प्रणालीगत मुद्दों का प्रतिकार नहीं कर सकती है। इन चुनौतियों का समाधान करने के लिए संस्थागत स्वायत्तता को मजबूत करने और यह सुनिश्चित करने के लिए एक ठोस प्रयास की आवश्यकता है कि एजेंसियां राजनीतिक दबाव से अछूती रहें।विपक्षी नेताओं को निशाना बनाकर और केंद्रीय एजेंसियों को राजनीतिक प्रतिशोध के साधन के रूप में इस्तेमाल करके, सत्तारूढ़ पार्टी ध्रुवीकरण को गहरा करने और अविश्वास के माहौल को बढ़ावा देने का जोखिम उठा रही है। इस तरह की रणनीति से अल्पकालिक लाभ मिल सकता है, लेकिन वे लोकतांत्रिक शासन की नींव को नष्ट करने की कीमत पर आते हैं। लंबे समय में, लोकतंत्र का स्वास्थ्य सभी राजनीतिज्ञों की संस्थागत सीमाओं का सम्मान करने और निष्पक्षता और न्याय के सिद्धांतों को बनाये रखने की इच्छा पर निर्भर करता है।

हाई ब्लड शुगर होने पर शरीर के इन अंगों पर पड़ सकता है बुरा असर

डायबिटीज के मामलों में तेजी देखी जा रही है। भारत में डायबिटीज के आंकड़े चिंताजनक है। जी हां, करीब 77 करोड़ लोग इस बीमारी की चपेट में है। वहीं अनुमान जताया जा रहा है कि साल 2045 तक यह संख्या बढ़कर 134करोड़ तक पहुंच जाएगी। अचानक से शरीर में ब्लड के रक्तस्त्राव के बढ़ जाने को हाइपरग्लेसेमिया कहा जाता है। इससे शरीर के कई अंगों को क्षति पहुंचती है।

आंखों की समस्या

डायबिटीज होने के बाद एक अच्छी लाइफस्टाइल से ही अच्छे से लॉन्ग लाइफ जी सकते हैं। ब्लड शुगर असामान्य रूप से बढ़ने से आंखों पर प्रभाव पड़ता है। इससे धुंधलापन होना, मोतियाबिंद होना, ग्लूकोमा जैसी समस्या घेरने लगती है। इसके लिए पौष्टिक आहार बहुत जरूरी है।

घाव के ठीक होने में वक्त लगना

दरअसल, हाइपरग्लेसेमिया की वजह से घाव ठीक होने में वक्त लगता है। कई बार महीने भी लग जाते हैं। इतना ही नहीं घाव अगर ठीक नहीं होता है तो कई बार इंफेक्शन नहीं फैले इसलिए अंग को ही निकालना पड़ता है। जिसका कारण होता है रोग प्रतिरोधक क्षमता का कम होना।

संक्रमण का खतरा

रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होने के कारण संक्रमण का खतरा अधिक होता है। डायबिटीज मरीज को यूरिन के संक्रमण का खतरा बहुत अधिक होता है। इसका प्रभाव किडनी पर भी पड़ता है।

पैरों की समस्या

मधुमेह होने के कारण पैर अधिक दर्द करते हैं। कई बार असहनीय दर्द रहता है। पैरों में घाव हो जाना, उंगलियों का कालापन होना।

शुगर कंट्रोल नहीं होने पर पूरे पैर में भी समस्या हो सकती है। इसलिए बेहतर है मीठा जरा भी नहीं खाएं और शुगर फ्री चीजों का ही सेवन करें।

आहार में शामिल करें ये नॉन डेयरी कैल्शियम रिच फूड नहीं होगी कैल्शियम की कमी

शरीर में कैल्शियम की कमी को पूरा करने के लिए दूध और दूध से बने उत्पादों का सेवन बहुत जरूरी होता है। लेकिन यदि आपको दूध पीना पसंद नहीं है या आपको दूध से एलर्जी है तब आप क्या करेंगी? नहीं आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। प्रकृति ने हमें ऐसे बहुत से खाद्य पदार्थ दिए हैं, जिनमें उच्च मात्रा में कैल्शियम होता है। इसलिए आज बात करते हैं उन फूड्स की जो दूध के बिना भी आपके शरीर में कैल्शियम की कमी नहीं होने देंगे।

हरी सब्जियां

गहरे रंग वाली सब्जियां जैसे बथुआ, पालक, चौलाई, मेथी आदि में आयरन और फोलेट के साथ-साथ कैल्शियम की भी अच्छी मात्रा होती है। आप इन्हें अपनी डाइट में शामिल कर कैल्शियम की प्राप्ति कर सकती हैं।

बादाम और अंजीर

बादाम को पावर बैंक कहा जाता है, क्योंकि इसमें सभी आवश्यक आयरन और विटामिन होते हैं। यह कैल्शियम में भी काफी समृद्ध होता है। इसी के साथ-साथ अंजीर में भी आयरन और कैल्शियम की समृद्ध मात्रा होती है। नाश्ते, लंच या हल्की स्नैकिंग के रूप में आप बादाम और अंजीर का एक साथ सेवन कर सकती है।

डाइट में शामिल करें सोया

यदि आप अपनी डाइट में सोया या उससे बने फूड्स जैसे टोफू का प्रयोग करती हैं तो आपको लगभग 220 मिलीग्राम से 250 मिलीग्राम कैल्शियम की आपूर्ति होती है। जो आपकी दैनिक जरूरत के बराबर है।

भुने हुए तिल

यदि आप कैल्शियम रिच नॉन डेरी प्रोडक्ट की तलाश में हैं, तो भुने हुए तिल आपके लिए सबसे अच्छा विकल्प है। एक्सपर्ट के मुताबिक लगभग 25 ग्राम तिल आपको 270 मिलीग्राम कैल्शियम, दैनिक जरूरत के बराबर आपूर्ति करता है।

मछली भी है कैल्शियम रिच

सार्डिन या साल्मन यह दो बेहतरीन मछलियां हैं। जिनसे दैनिक जरूरत की कैल्शियम की आपूर्ति होती है। यह दोनों ही कैल्शियम, ओमेगा 3 फैटी एसिड और प्रोटीन के बेहतरीन स्रोत हैं। आपको इनको बस जरूरत के मुताबिक ही खाना है। यानी कि हफ्ते में लगभग दो टुकड़े।

साबुत अनाज एवं दालें

आप अपनी डाइट में ऐसे कुछ अनाज या दालों का प्रयोग कर सकती हैं, जो कैल्शियम का बेहतरीन स्रोत हैं। जैसे कि मोठ, राजमा, कुलथी, बाजरा, चना, सोयाबीन, रागी आदि।

क्यों जरूरी है कैल्शियम

हमारे शरीर में हड्डियों के विकास के लिए कैल्शियम बेहद आवश्यक है। यह हड्डियों के साथ ही मांसपेशियों, कोशिकाओं और हृदय व नसों के सुचारू रूप से काम करने के लिए भी बहुत जरूरी है। हमारे शरीर में कैल्शियम की मात्रा सबसे अधिक पायी जाती है। इनमें से लगभग 98% हिस्सा हमारे दांतो और हमारे शरीर की हड्डियों में प्रयोग होता है। जबकि इसका 1% रक्त और मांसपेशियों में प्रयोग होता है। इसलिए कैल्शियम सभी के लिए आवश्यक है। पुरुषों की तुलना में महिलाओं को अधिक कैल्शियम की जरूरत होती है। इसी वजह से कैल्शियम की आपूर्ति के लिए दूध और दूध से बने पदार्थों का सेवन किया जाता है। मगर यदि आपको दूध से एलर्जी है या आपको दूध पीना पसंद नहीं है, तो आपको नॉन डेयरी प्रोडक्ट से यह जरूरत पूरी करनी होगी।

आयुर्वेद ने भी माना खाली पेट इन चीजों का सेवन करने से घटता है मोटापा

वजन घटाने के लिए लोग न जानें कितनी प्रकार की डायट फॉलो करते हैं। लेकिन अपने आपको भूखा रखकर लंबे समय तक बिना सोचे-समझे किसी भी प्रकार की डायट का पालन करना मुश्किल हो जाता है। वजन घटाना कोई आसान काम नहीं है। शरीर की एक्सट्रा चर्बी को निकालने के लिए नियमित व्यायाम के साथ कैलोरीज भी बर्न करनी पड़ती हैं। इसके लिए आयुर्वेद के पास ऐसे कई तरीके हैं, जिससे शरीर की गंदगी बाहर निकलेगी और आपको वजन कम करने में आसानी होगी। ये तरीके बेहद आसान हैं, लेकिन आपको इन्हें अपनी लाइफस्टाइल का हिस्सा बनाना होगा। आइए जानते हैं क्या हैं वो तरीके जिसे मोटापा घटाने के लिए आयुर्वेद में अहम माना गया है.

गर्म पानी के साथ घी और नींबू

200 मिलीलीटर पानी के साथ थोड़ा सा नींबू या घी का सेवन करने से पेरिस्टलसिस में सुधार होता है, जो कि वेस्ट और खाने की गति को नीचे की ओर ढकेलता है। यदि आपका शरीर वात या पित्त प्रकार का है, तो आप इससे आपका पाचन तंत्र चिकना होगा जिससे कब्ज की समस्या दूर होगी।

डायजेस्टिव चाय

आजकल, बाजार में आयुर्वेदिक चाय की ढेर सारी वैराइटीज उपलब्ध हैं। लेकिन अच्छा होगा कि आप घर पर अपनी चाय खुद ही बना लें। इसके लिए 1 चम्मच जीरा, 1 चम्मच सौंफ, 1 चम्मच धनिया के बीज, 1 इलायची और थोड़ी सी अजवाइन को लेकर 500 मिलीलीटर पानी में तब तक उबालें, जब तक पानी की मात्रा आधी न हो जाए। इस चाय को खाली पेट पीने से अपच, ब्लोटिंग और वजन कम करने में मदद मिलेगी।

अपने मेटाबोलिज्म को तेज बनाने के लिए आप दालचीनी, इलायची, लौंग, कद्दूकस की हुई अदरक, काली मिर्च, हल्दी और स्टार ऐनीज को 500 मिली पानी में उबालें। यह पानी आधा हो जाए तब इसमें आधा नींबू और कोकोनट शुगर मिलाएं। चाय शरीर की गर्मी बढ़ाकर चयापचय में सुधार करके वजन कम करने में मदद करेगी।

कच्चे फल

सुबह खाली पेट हर्बल चाय पीने के बाद, कच्चे फलों का सेवन करें जो प्रकृति में थोड़े से कसैले हो सकते हैं। ग्रीन और रेड एपल, क्रैनबेरी, ब्लूबेरी, चेरी, स्ट्रॉबेरी, ब्लैकबेरी, अनानास, आंवला और अनार जैसे फलों को ही चुनें। यह फल शरीर में वॉटर रिटेंशन को कम करते हैं और आपकी त्वचा में कोलेजन को बढ़ाते हैं, जिससे वजन कम करने में मदद मिलती है।

सिलेरी जूस

तनाव से बचने के लिए आयुर्वेद कच्चे फल और पकी या उबली हुई सब्जियां खाने की सलाह देता है। ऐसी स्मूदी लेने से बचें जिसमें फल, सब्जियां, दूध और दही का मिश्रण शामिल हो। यह शरीर में विषाक्त पदार्थों के संचय का कारण बन सकता है। बल्कि पेट की ब्लोटिंग और अतिरिक्त चर्बी को कम करने के लिए एक चुटकी सेंधा नमक और नारियल तेल के साथ सिलेरी का जूस लें।

वजन घटाने के बुनियादी नियम

- जब आपको भूख लगे तब ही खाएं।
- सूर्यास्त के बाद न खाएं।
- इंटरमिटेंट फास्टिंग करें जिसमें 16 घंटे के तक कुछ भी न खाएं। इससे आपकी ऊर्जा तो बढ़ती है साथ में दिमाग पर कंट्रोल रहता है।
- कच्चे फल खाने के बाद पका हुआ भोजन करें।
- आपका पेट केवल आपकी मुट्ठी के आकार का है। अपनी भूख से 80 प्रतिशत भोजन कम खाएं, ताकि खाना पचाने वाले रस अपना काम आसानी से कर सकें।

डायबिटीज कंट्रोल करने के लिए डाइट में शामिल करें अनार के फूल

खून बढ़ाने से लेकर ग्लोइंग स्किन पाने के लिए अनार खाने के फायदों के बारे में आपने सुना ही होगा। लेकिन क्या आपने अनार के फूल के फायदों के बारे में सुना है। प्रकृति ने मनुष्य को बहुत कुछ दिया है, जो स्वस्थ रहने और किसी बीमारी से लड़ने के लिए काफी है। ऐसा ही एक प्रकृति का तोहफा है अनार का फूल। आइए जानते हैं अनार के फूल के फायदों के बारे में।

- शुगर की परेशानी इन दिनों आम हो गई है। दुनियाभर में कई लोग इस जानलेवा बीमारी से जूझ रहे हैं। हालांकि इसे कंट्रोल करने के कई तरीके हैं, लेकिन बावजूद इसके इसे ठीक नहीं किया जा सकता। ऐसे में एक स्वस्थ जीवन शैली पर स्विच करना महत्तवपूर्ण है। शुगर के मरीजों को कम चीनी और फाईड चीजों को अवॉइड करना चाहिए। ऐसे में डाइट में अनार के फूल शामिल करना अच्छा हो सकता है। हेल्थ रिपोर्ट्स के मुताबिक अनार के फूल में फोटोकेमिकल होता है, जो शुगर के मरीजों के लिए अच्छा होता है।
- बेदाग स्किन और स्वस्थ चमक इन दिनों खो सी गई है। पर्यावरण प्रदूषण और गलती जीवनशैली के चलते ऐसी त्वचा पाना बेहद ही मुश्किल हो गया है। वहीं बीजी रूटीन में नियमित त्वचा की देखभाल करना भी मुश्किल होता है। ऐसे में आप अनार के फूल पर विश्वास कर सकते है, इसकी मदद से झुर्रियों और समय से पहले बूढ़ा होने से बचा जा सकता है।
- कोरोना काल में हर किसी ने एक चीज अच्छे से सिखी है और वो है स्वस्थ्य रहना। लोग इन दिनों स्वस्थ और इम्यूनिटी को बढ़ावा देने वाली हर एक चीज का पूर्ण रूप से ख्याल रख रहे हैं। ऐसे में अनार के फूल भी स्वस्थ रहने में आपकी मदद कर सकते हैं। इसमें भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं। जो बैक्टीरिया और वायरस से लड़ने में मदद करते हैं।
- अनार के फूल को डाइट में शामिल करने से अपने कार्डियोवस्कुलर हेल्थ का ख्याल रख सकते हैं। शरीर में सबसे महत्तवपूर्ण अंगों में से एक होता है हृदय, जो पूरे शरीर में ब्लड पंप करता है। इससे न केवल ऑक्सीजन बल्कि शरीर के विभिन्न कार्यों को करने के लिए पोष्क तत्व भी पहुंचाता है। अगर दिल की सेहत का ध्यान न रखा जाए तो आप आलसी, सुस्त और लो एनर्जी महसूस करेंगे।
- अनार का फूल में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट आपके इम्यून सिस्टम को बूस्ट करने के साथ शरीर में जमा फैट को खत्म कर आपको हेल्दी रखता है। हालांकि अच्छे परिणाम के लिए आपको कसरत करनी होगी।

कैसे करें अनार के फूल का इस्तेमाल

आप अनार के फूलों के सपलीमेंट ले सकते हैं, या फिर अगर आपको अनार के फूल मिल जाते हैं तो आप इसकी चाय बनाकर पी सकते हैं। हालांकि किसी भी तरह की जलन महसूस होने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

दूध, दही, पनीर के सेवन से कम होता है डायबिटीज और हाई बीपी का खतरा

वैज्ञानिकों के अनुसार दही, दूध या पनीर का रोजाना सेवन डायबिटीज और हाई ब्लड प्रेशर का खतरा कम करता है। हाल ही में एक शोध ने डेयरी रिच डाइट (यानी दही, दूध या पनीर युक्त खाद्य पदार्थ) को रक्त शर्करा के स्तर, ब्लड प्रेशर में सुधार और हृदय रोग संबधी जोखिमों को कम करने से जोड़ा गया। शोध के मुताबिक, रोजाना इन डेयरी उत्पादों का दो बार सेवन इन बीमारियों से राहत दिलाने में फायदा करता है।

इस अध्ययन को डायबिटीज रिसर्च जर्नल में प्रकाशित किया गया। इसका उद्देश्य स्वास्थ्य पर डेयरी उत्पादों के प्रभाव का विश्लेषण करना था। उन्होंने भारत सहित दुनियाभर के 21 देशों के 35 से 70 वर्ष के लोगों में डेयरी रिच डाइट के प्रभाव का गहराई से अध्ययन किया। इस शो में डेयरी उत्पादों जैसे दूध, दही, दही से बने पेय, पनीर से बनी डिशेज शामिल थीं। इन्हें फुल या लो फैट के रूप में बांटा गया था। बटर और क्रीम का अलग से मूल्यांकन किया गया था, क्योंकि वे आमतौर पर उन देशों में नहीं खाए जाते थे जो अध्ययन का हिस्सा थे।

मेटाबॉलिक सिंड्रोम के पांच घटकों पर डेयरी उत्पादों के प्रभाव का अध्ययन किया गया था। यह अध्ययन लगभग 1,13,000 लोगों में किया गया। मेटाबॉलिक सिंड्रोम एक तरह से समस्याओं का झुंड होता है। मुख्य रूप से इसमें ब्लड प्रेशर बढ़ना, ब्लड शुगर बढ़ जाना, कमर के आसपास चर्बी बढ़ जाना और कोलेस्ट्रॉल व ट्राइग्लिसराइड का स्तर असामान्य हो जाना जैसी समस्याएं शामिल होती हैं। मेटाबॉलिक सिंड्रोम में ये समस्याएं एक साथ होती हैं जिससे स्ट्रोक, डायबिटीज व हृदय संबंधी बीमारियां होने का जोखिम बढ़ जाता है।

शोधकर्ताओं ने हाई ब्लड प्रेशर, बढ़ी हुई कमर, गुड कोलेस्ट्रॉल का निम्न स्तर, हाई ब्लड फैट्स और बढ़े हुए फास्टिंग ब्लड ग्लूकोज की 12 महीनों की स्थिति को ट्रैक किया। अध्ययन से पहले लगभग 46,667 लोगों को मेटाबॉलिक सिंड्रोम था, यानी उनमें पांच में से कम से कम तीन स्थितियां थीं। शोधकर्ताओं ने पाया कि फुल फैट वाले डेयरी का सेवन करने से मेटाबॉलिक सिंड्रोम का जोखिम कम था। इससे पता चलता है कि डेयरी प्रोडक्ट शरीर की कार्यप्रणाली में कैसे सुधार करते हैं। शोध में कहा गया है कि यदि इन निष्कर्षों के आधार पर बड़े और दीर्घकालिक परीक्षणों में पुष्टि की जाती है, तो बढ़ती डेयरी खपत मेटाबॉलिक सिंड्रोम, डायबिटीज और हृदय रोग के मामलों को कम करने के लिए बड़े काम की हो सकती है।

डेयरी उत्पादों में स्वास्थ्य लाभ में हड्डियों, दांतों और मांसपेशियों की मजबूती, पाचन में सुधार, वजन घटाना आदि शामिल हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक डेयरी उत्पाद प्रोटीन और कैल्शियम के बड़े स्रोत हैं। इसके अलावा यह उत्पाद विटामिन और मिनरल्स के भी बड़े संयोजक होते हैं। डेयरी उत्पाद मुख्य रूप से पशुओं के दूध से निर्मित खाद्य या पेय पदार्थ होते हैं। मुख्य रूप से जिन पशुओं के दूध का प्रयोग इन उत्पादों को बनाने के लिए किया जाता है उनमें गाय, भैंस, बकरी, भेड़, याक और ऊंट शामिल हैं।

हेल्दी डाइट के लिए खाइए ब्राउन राइस

जो लोग हेल्दी डाइट और व वजन कम करने में दिलचस्पी रखते हैं और चावल से परहेज करते हैं, उनके लिए ब्राउन राइस एक बेहतरीन विकल्प है। कैलोरी कम होने के साथ-साथ इसके और भी कुछ फायदे हैं। जानिए इसके 5 फायदे.

कोलेस्ट्रॉल

ब्राउन राइस खाने का सबसे बड़ा फायदा यही है कि यह कोलेस्ट्रॉल को कम करता है और अनचाहे फैट को शरीर के आंतरिक भागों में जमने से रोकता है।

डाइबिटीज

सामान्यत : चावल में शर्करा की मात्रा अधिक होती है, जिसके कारण डाइबिटीज के रोगी इससे दूरी बनाए रखते हैं। लेकिन ब्राउन राइस के सेवन से रक्त में शर्करा का स्तर नहीं बढ़ता। इसलिए यह आपके लिए बेहतर विकल्प है।

हृदय रोग

हार्टअटैक या हृदय के अन्य रोग, ज्यादातर हृदय की धमनियों में कोलेस्ट्रॉल के जमाव के कारण होते हैं। ऐसे में ब्राउन राइस का सेवन इससे बचाकर आपके हृदय की भी रक्षा करता है।

हड्डियां

मैग्नीशियम व कैल्शियम से भरपूर होने के कारण ब्राउन राइस, हड्डियों को मजबूत करने के लिए बेहद फायदेमंद है। सफेछ चावल की अपेक्षा यह सेहत के कई फायदे देता है।

वजन कम

वजन कम करना चाहते हैं, और चावल से दूर नहीं रह सकते, तो सफेद चावल की जगह ब्राउन राइस को भोजन में शामिल करें। कुछ ही समय में आप वजन में कमी महसूस करेंगे।

जरूरी नहीं महंगी बादाम खाना, सस्ती मूंगफली भी है प्रोटीन का खजाना

मूंगफली का सेवन सेहत के लिए काफी फायदेमंद होता है। बल्कि इसे बादाम का पर्याय माना जाता है। जितने पोषक तत्व बादाम में मौजूद होते हैं वह सभी मूंगफली में आसानी से उपलब्ध हो जाते हैं। लेकिन बादाम महंगा होता है और मूंगफली सस्ती होती है लेकिन आप बादाम की जगह मूंगफली भी खा सकते हैं। एक लीटर दूध के बजाए 100 ग्राम कच्ची मूंगफली में अधिक प्रोटीन होता है। मूंगफली के साथ ही मूंगफली के तेल के कई फायदे होते हैं। यह कीटाणुओं को खत्म करने में मददगार होता है। जानते हैं मूंगफली खाने के अचूक फायदों के बारे में –

हड्डियों को करें मजबूत

मूंगफली के सेवन से हड्डियां मजबूत होती है। मूंगफली में मौजूद पोषक तत्वों से शरीर को विटामिन डी और कैल्शियम मिलता है। बादाम के बदले इसका आसानी से सेवन कर सकते हैं।

हार्मोन को करें बैलेंस

जब महिला और पुरुषों में हार्मोंस अनबैलेंस्ड हो जाते हैं तब कई प्रकार की शारीरिक समस्या होती है। इसलिए महिला और पुरुष को रोज एक मुट्ठी मूंगफली का सेवन करना चाहिए।

कैंसर से बचाएं

मूंगफली में एंटीऑक्सीडेंट पाया जाता है जिसका नाम है पॉलीफिनॉलिक। इसके सेवन से पेट के कैंसर का खतरा कम हो जाता है। सप्ताह में 1 बार मूंगफली के साथ मक्खन का सेवन करना चाहिए।

झुर्रियों को हटाए

मूंगफली खाने से झुर्रियां कम होती है। इसमें मौजूद तत्व चेहरे पर बारीक रेखा और झुर्रियों को बनने से रोकती है।

ड़ायबिटीज को करें नियंत्रित

मूंगफली का सेवन करने से डायबिटीज की आशंका कम होती है। रोज अपनी डाइट में इसे जरूर शामिल करना चाहिए। ताकि घातक बीमारियों से बचा जा सकें।

जानकारी

ज्यादा तिल बिगाड़ सकते हैं आपकी खूबसूरती

अपना सकते हैं आसान घरेलू उपाय

निशान तो कई लोगों के होते हैं, लेकिन किसी के लिए वह सुंदरता का प्रतीक बन जाते हैं तो किसी के लिए खूबसूरती और आत्मविश्वास के कमी की वजह। शरीर पर तिल का भी कुछ ऐसा ही हिसाब है, अगर एक-दो हो तो आपकी सुन्दरता मे चार चांद लगाते हैं, लेकिन कई हों या काफी बड़े हों तो आपके लिए परेशानी का सबब हो सकते हैं। आइये जानते हैं कि कैसे इनसे छुटकारा पाया जाए।

चेहरे पर भूरे या काले रंग के निशान पेंसिल की नोंक से लेकर उसे छीलने वाले इरेजर जितने बड़े हो सकते हैं। इन्हीं को तिल कहा जाता है। अधिकांश तिल हानि रहित होते हैं, लेकिन इनमें से कुछ कैंसर का कारण भी बन सकते हैं। यूं तो तिलों को डॉक्टर द्वारा निकाला जाना सबसे सुरक्षित व आदर्श तरीका है, हालांकि तिलों से निजात पाने के कुछ असत्यापित घरेलू उपचार भी मौजूद हैं।

डॉक्टर द्वारा तिल को हटाया जाना

इस बात में कोई दो राय नहीं है कि डॉक्टरी चिकित्सा द्वारा तिलों का निदान सबसे उत्तम तरीका है। डॉक्टर आपके तिल की जांच कर यह पता लगाता है कि कोई तिल हानि रहित है या फिर एक संभावित कैंसर वाला है। हालांकि तिल को सर्जरी से निकालने की प्रक्रिया थोडी कष्टप्रद है, सर्जरी तिल निकालने का सबसे सुरक्षित व तीव्र माध्यम है।

तिल निकालने की सर्जरी में निम्न कार्य किया जाता है

दागकर तिल को छांटना: इस प्रक्रिया में डॉक्टर तिल को त्वचा की सतह तक काट देता है और फिर बाद में वह उस जगह पर त्वचा को दागता है।

टांके के साथ छांटना: इस प्रक्रिया में तिल को त्वचा के अंदर तक छांटा जाता है और फिर टांके लगाकर उस जगह के घाव को सिल देता है।

कुछ घरेलू नुस्खे जो तिलों को दूर करने में सहायक होते हैं

सेब साइडर सिरका का उपयोग से: सेब के सिरके का उपयोग कर तिल से मुक्ति पाई जा सकती है और वो भी बिना किसी निशान के। इसके लिए रूई के एक फोहे पर कुछ बूंद सेब साइडर सिरका डालें। अब इस फोहे को तरल के चारों तरफ लगाएं और पट्टी बांध दें। अब इसे लगभग एक घंटे के लिए ऐसे ही छोड़ दें। ऐसा तब तक करें जब तक कि तिल खुद गिर या गायब नहीं हो जाता।

आयोडीन के घोल का प्रयोग से: आयोडीन तिल को हटाने में काफी कारगर सबित होता है, हालांकि कई देशों में आयोडीन दुकानों पर आसानी से उपलब्ध नहीं होता है।

चेतावनी: अधिक मात्रा में आयोडीन विषैला होता है। यदि आप इसका अपयोग तिल को निकालने में कर रहे हैं तो ध्यान रहे इसे किसी भी हालत में निगलें ना।)

तिल को दूर करने के लिए दिन में दो बार आयोडीन को इस पर लगाएं और बेंडेड की सहायता से इसे ढक लें (इसे सुबह एक बार तथा रात को एक बार लगाएं)। लगभग एक सप्ताह के बाद तिल जाता रहेगा।

गंभीर मामला हो सकता है

कान में दर्द

जानें क्यों होता है कान में दर्द

कई बार घरेलू उपचार से ठीक करने की कोशिशों में कान से जुड़ी समस्याएं बहरेपन का कारण बन जाती हैं। ज्यादा दिन तक कान दर्द की अनदेखी करना सही नहीं। क्या करें, जानें...

दो या तीन दिन से ज्यादा कान दर्द रहने पर डॉक्टर से संपर्क करना ही बेहतर है। कान के मध्य से लेकर गले के पीछे मौजूद यूस्टेकियन ट्यूब के अवरुद्ध होने से अकसर कान में दर्द होने लगता है। कान के मध्य में सूजन या संक्रमण होने लगता है, जिससे दर्द होता है। कान में फुंसी होना, वैक्स का बहुत ज्यादा या कम बनना आदि सामान्य समस्याएं लापरवाही करने पर बहरेपन तक ले जा सकती है। कान दर्द दो तरह से होता है। एक, जब कान के बाहरी या अंदरूनी हिस्से में गड़बड़ी के कारण दर्द होता है। दूसरा, जब शरीर के अन्य हिस्से में हुई समस्या जैसे दांत में दर्द या गला खराब होने पर कान में दर्द होता है।

ये हो सकते हैं कारण

यूस्टेकियन ट्यूब में अवरोध

कान एक नली से नाक के पिछले व गले के ऊपरी हिस्से से जुड़ा होता है। साइनस और टॉन्सिल होने पर इसी कारण कान के भीतर दर्द महसूस होता है। कान में सूजन आ जाती है और यूस्टेकियन ट्यूब बंद होने लगती है। कान में मवाद बनने लगता है, जो कान के पर्दे को नुकसान पहुंचाता है। इसके अलावा जब महिलाएं छोटे बच्चों को करवट से लिटा कर दूध पिलाती हैं, तो कई बार दूध मध्य कान में पहुंच जाता है और संक्रमण पैदा कर देता है। कान में दर्द ,सूजन ,या कान से मवाद निकलना इसके लक्षण हैं।

कान में मैल जमा होना

जिन लोगों की त्वचा बहुत तैलीय होती है, उनको वैक्स की परेशानी ज्यादा होती है। वैक्स नाखून की तरह बढ़ता है। इसके निकलने के कुछ दिनों बाद ही यह फिर से बनने लगता है। ज्यादा समय तक वैक्स जमा रहने से वह सख्त हो जाता है और कैनाल को ब्लॉक कर देता है। इस कारण कान में दर्द होता है और कम सुनाई देने लगता है।

ओटाइटिस मीडिया

यह कान के मध्य में होने वाला संक्रमण है। बच्चों को ज्यादा होता है। डब्ल्यू एचओ के अनुसार दो हफ्ते से अधिक संक्रमण रहने पर उसे क्रॉनिक इन्फेक्शन माना जाता है। यह बहरेपन का खतरा बढ़ाता है, पर यह ठीक हो सकता है। संक्रमण के आम कारणों में सर्दी या फ्लू का वायरस, धूल से एलर्जी शामिल हैं। इसमें तेज बुखार, कान में दर्द, सुनने में कठिनाई या कान से पस निकलता है।

कान के पर्दे का चोटिल होना

कान की भीतरी ट्यूब बेहद संवेदनशील होती है। हल्का सा अधिक दबाव पढ़ने पर यह ट्यूब चोटिल हो जाती है, जिससे दर्द होने लगता है। कान से पस भी निकलने लगता है। ज्यादा समय तक यह समस्या रहने से आस-पास की हड्डियां गलने लगती है। बैरोट्रॉमा की समस्या, सिर पर गंभीर चोट, बहुत तेज आवाज, ओटाइटिस मीडिया, मध्य कान में संक्रमण जैसे कारण भी पर्दे को नुकसान पहुंचाते हैं।

साइनस संक्रमण

यह संक्रमण वायरस, बैक्टीरिया या फंगस से हो सकता है। साइनस में संक्रमण होने या अवरोध होने से कान में हवा का दबाव प्रभावित होता है, जिससे दर्द होने लगता है।

ऑटोमीकोसिस

बारिश के मौसम में कान में फंगल इन्फेक्शन हो सकता है। यह उमस के कारण हो जाता है। इसके मरीज को सीधे कूलर के सामने नहीं सोना चाहिए। इसमें तेज दर्द और खुजली होती है।

ईयर बैरोट्रॉमा

इसके तहत बाहरी दबाव के कारण कान का अंदरूनी भाग चोटिल हो जाता है। बाहरी दबाव हवा या पानी का दबाव हो सकता है। इयर बैरोट्रॉमा आमतौर पर स्काई डाइविंग, स्कूबा डाइविंग या हवाई जहाज उ?ानों के दौरान अनुभव होता है। हवा के बुलबुले लगातार कान के भीतरी दबाव से संतुलन बनाने के लिए हलचल करते रहते हैं। बैरोट्रॉमा के कारणों में गले में सूजन, एलर्जी से नाक का बंद होना, श्वसन संक्रमण, दबाव में अचानक परिवर्तन शामिल हैं। मधुमेह रोगियों को खास एहतियात की जरूरत होती है।

कैसे बचाव करें

- कानों को बार-बार न धोएं। पिन, तिल्ली, चाबी आदि कान में ना डालें।
- अच्छी क्वालिटी का हेड फोन इस्तेमाल करें। लगातार तेज आवाज में हेड फोन लगाकर सुनने से बचें।
- त्वचा व बालों के उत्पाद अच्छी क्वालिटी के इस्तेमाल करें।
- तैराकी करते हुए कान में पानी न जाने दें। कान दर्द है तो तैराकी न करें।
- मांसपेशियों को सक्रिय रखने के लिए नियमित प्राणायाम आदि व्यायाम करें।
- कान में वैक्स बहुत बनती है तो हर चार माह बाद डॉक्टर से सफाई करवाएं।
- कान में हल्का दर्द है तो शुरुआती उपचार के तौर पर ठंडे पानी के कपड़े से कान के बाहरी हिस्से पर सेंक दें।

- दवा डॉक्टर की सलाह से ही लें।

सुझाव

स्वस्थ गर्भावस्था चाहती हैं तो ऐसा न करें

हर गर्भवती महिलाहर महिला की चाहत होती है कि वह स्वस्थ शिशु को जन्म दें। इसके लिए महिला को अपनी सेहत का ध्यान रखना बहुत जरूरी होता है। गर्भस्थ महिलाओं को यह जानकारी होनी चाहिए कि उन्हें इस दौरान क्या करना है और क्या नहीं। हम बात करते हैं कि गर्भावस्था के 40 हफ्तों के दौरान आपको किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

गर्भावस्था में स्वस्थ रहने के लिए उचित आहार लेना जरूरी होता है। पौष्टिक आहार के सेवन से महिला के स्वस्थ रहने के साथ ही गर्भ में पल रहे शिशु का भी शारीरिक और मानसिक विकास अच्छा होता है। इस दौरान खाने को लेकर विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। क्या खाया जाएं इससे कहीं ज्यादा जरूरी है यह जानकारी होना कि किन चीजों को खाने से परहेज करना चाहिए। खान- पान और काम-काज से संबंधित कुछ ऐसी बातें है जिनका ध्यान न रखने पर समस्या हो सकती है। इसका असर आपके साथ ही आपके बच्चे के विकास पर भी पड़ सकता है।

- गर्भावस्था के दौरान तला हुआ और मसालेदार खाना न खाएं। ऐसा खाना खाने से गैस, एसिडिटी और जलन की परेशानी हो सकती है। ताजा भोजन करने के साथ ही बाहर का खाना खाने से परहेज करें। बाहर का खाना खाने से इनफेक्शन होने का खतरा बना रहता है।
- गर्भावस्था में डॉक्टर की सलाह के बिना कोई भी दवाई नहीं लेनी चाहिए। बुखार या सर्दी होने पर दवाई का कम सेवन करना चाहिए। इस दौरान अधिक भार न उठाएं और लंबी यात्रा पर जाने से बचें। इस दौरान अधिक सीढ़िया चढ़ना भी नुकसानदायक हो सकता है।
- ऑफिस में देर तक काम न करें और ज्यादा तनाव न लें। तंग कपड़ों के साथ ही हील वाले जूते या सैंडल पहनने से बचें। भागदौड़ और उछलकूद वाली एक्सरसाइज न करें। इस दौरान हिंसक या डरावनी फिल्म या धारावाहिक देखने से भी बचें।

फल और सब्जियां जिनसे रहें दूर

- कोशिश करें कि गर्भावस्था के शुरूआती दिनों में पपीता ना खाएं। पपीता खाने से प्रसव जल्दी होने की संभावना रहती है। गर्भावस्था के तीसरे और अंतिम तिमाही के दौरान पका हुआ पपीता खाना लाभदायक होता है। पपीते में विटामिन सी और अन्य पौष्टिक तत्व होते हैं। स्तनपान कराने वाली महिलाओं के लिए दूध के साथ पपीता खाना फायदेमंद रहता है।
- गर्भावस्था के दौरान अनानस का सेवन आपके लिए हानिकारक हो सकता है। अनानास में ब्रोमेलिन पाया जाता है, जो गर्भाशय ग्रीवा की नरमी का कारण बन सकता है। इस कारण जल्दी प्रसव की संभावना बढ़ जाती है।
- डॉक्टर गर्भवती महिलाओं को अंतिम तिमाही में अंगूर खाने से मना करते हैं। अंगूर की तासीर गरम होती है। ज्यादा अंगूर खाने से असमय प्रसव हो सकता है।
- बिना धुलें कोई भी फल या सब्जी न खाएं। कोशिश करें कि फलों को खाने से एक घंटे पहले पानी में भिगो दें। इससे फलों के ऊपर हुए रसायनों का असर कम हो जाएगा।
- किसी भी तरह की कच्ची अंकुरित चीजें जैसे- अल्फला, तिपतिया घास, मूली और मूंग आदि खाने से बचें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते ह। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंगे। आलस्य को त्याग। पुरुषार्थ का सहारा लें। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। शुभांक-3-6-9

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में वर्तमान क्षमता को बढ़ायेगें। उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। अच्छी सफलताएं प्राप्त करेग। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक दृष्टि से समय उपलब्धिकारक रहेगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-1-5-7

मिथुन का की कू घ ङ छ के को हा

मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते ह। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। श्रम अधिक करना पड सकता है। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते है। शुभांक-2-5-7

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

शनै:-शनै: स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंग। शुभांक-4-6-9

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

विकास के लिए बनाई योजना सफल होगी। अच्छा हो कि आप अपने उद्देश्य को लेकर सचेत रहें। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य सौंपे जा सकते है जो कि अतिविश्वसनीय व्यक्तियों को ही दिये जाते हैं। कार्य सार्थक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। शुभांक-5-7-9

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

क्षमता से अधिक कार्य करने की नौबत आ सकती हैं। उत्तरदायित्व की अधिकता निजी जीवन में अपने ही ढंग की परेशानियां पैदा करेंगी। कारोबार की उन्नति के लिये एक से अधिक सीढ़ी चढ़कर लोंगो को आश्चर्य में डाल देंगे। बौद्धिक क्षेत्र में प्रतियोगिता जीतने का मौका मिलेगा। शुभांक-1-5-7

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। घरेलू बहुमूल्य वस्तुओं के क्रय का योग है। शुभांक-4-5-7

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती हैं। स्थाई सम्पति के निर्माण, मरम्मत व पुर्नस्थापना पर व्यय भार बढ़ेगा। महत्वपूर्ण यात्राओं के संकेत हैं। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। शुभांक-3-5-7

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

कार्य सार्धक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-5-7-9

मकर भे जा जी खी खू खे खो गा गी

पुरानी पारिवारिक समस्याओं का समाधान होगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शुभांक-2-5-7

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

दाम्पत्य जीवन में तनाव का वातावरण बन सकता है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। आत्मचिंतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शुभांक-6-8-9

मीन दी दू थ झ ञ ज दे दो चा ची

कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-3-5-7

काकुरो पहेली -3416

■	14	6	■	■	■	■	■	■	■
11	○	○	10	■	16	10	■	14	4
12	○	○	○	11	○	○	8	○	○
■	3	○	○	10 7	○	○	3 24	○	○
■	■	3 24	○	○	20	○	○	○	■
■	14 13	○	○	○	8 17	○	○	30	11
15	○	○	9 15	○	○	23 13	○	○	○
23	○	○	○	16 3	○	○	10 17	○	○
■	■	6	○	○	23	○	○	○	■
■	■	4	○	○	■	16	○	○	■

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

15 24	1	2	3	4	5
7					
8					
9					

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 3415 का हल

■	3 6	■	■	■	■	■	■	■
4	1	3	10	■	3	30	23	3
7	2	1	4	11	2	9	11	9	2
■	5	2	3	9 24	1	8	9 7	8	1
■	■	11 18	2	9	14	7	1	6	■
■	13 3	4	1	8	10 14	6	4	10	12
11	2	9	13 23	7	6	6 16	2	1	3
14	1	5	8	15 15	8	7	11 3	2	9
■	■	13	6	7	15	9	2	4	■
■	■	17	9	8	■	4	1	3	■

लॉफिंग ज़ोन

विवाह के बाद प्रेमी ने प्रेमिका से कहा कि देखो अब हमारी शादी हो चुकी है।

तुम्हारी कुछ बातें ऐसी हैं, जो मुझे पसंद नहीं आतीं... और मैं तुम्हें वह सब बता देना चाहता हूँ। तुम चाहो तो इन्हें अपनी कमजोरियाँ समझ सकती हो।

प्रेमिका- रहने दो! मुझे अपनी सारी कमजोरियाँ मालूम हैं। आखिर उन्हीं के कारण तो मैं अच्छा पति नहीं पा सकी। इसका मुझे बेहद अफसोस है।

□ □ □

एक मोहल्ले में चल रहे कवि सम्मेलन के दौरान एक कवि मंच पर हाजिर हुआ तो नीचे बैठे श्रोताओं ने तालियों की गड़गड़ाहट से उनका स्वागत किया।

कवि बहुत ज्यादा उत्सुक था, उसने कहा- मेरे प्यारे श्रोताओं! अब मैं तुम्हे जो कविता आपको सुनाने जा रहा हूँ उसका शीर्षक है- पानी, आग और धुआँ।

भीड़ में से एक श्रोता चिल्लाया- अरे, तो सीधे-सीधे क्यों नहीं कहते कि हुक्का है।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3416

1		2	■	3	■	4	5		6
	■	7				■		■	
8	9		■		■	10		11	
■		■	12		13		■		■
14	■	15		■		■	16		
17		■	18		■	19			■
	■	20		■	21			■	22
■	23		■	24			■	25	
26			27	■		■	28	■	
■		■	29		■	30			

बायें से दायें:-

१. अनिल, अक्षय, मनोज, करीना, शमिता की फिल्म-३
४. 'भंवरे ने खिलाया फूल' गीत वाली ऋषिकपूर, पद्मिनी की फिल्म-४
७. फिरोजखान, संजय, मनीषा की 'आखिर तुम्हें आना है' गीत वाली फिल्म-४
८. अमिताभ, संजयदत्त, अक्षय, अमृता राव की फिल्म-३
१०. राजेंद्रकुमार, राखी की 'तुम मेरी हो मेरे सिवा किसी' गीत वाली फिल्म-२,२
१२. 'ऐ सनम इतना बता' गीत वाली जैकी, मिथुन, जूही, दिव्या की फिल्म-४
१५. नाना, शाहरूख, संजय कपूर, करिश्मा की 'इश्क कमीना' गीतवाली फिल्म-२
१६. 'एहसान तेरा होगा मुझ पर' गीत वाली शम्मी कपूर, सायरा बानो की फिल्म-३
१७. 'बागबान' में अमिताभ की पत्नी ?-२
१८. 'कोई सोने के दिल वाला' गीत वाली देव आनंद, माला सिन्हा की फिल्म-२
१९. ऋषिकपूर, कमल हासन, डिम्पल की 'मारिया ओ मारिया' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'आते जाते हुए' गीत वाली अमिताभ, शशिकपूर, राखी, परवीन की फिल्म-२
२१. राजकुमार, धर्मेन्द्र, मीनाकुमारी की 'तोरा मन दर्पण' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'आज हमने दिल' गीत वाली नसीर, अतुलअग्निहोत्री, पूजाभट्ट की फिल्म-२
२४. राहुलराय, पूजा भट्ट की 'जो प्यार कर गये' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'साल के बारा महीने' गीत वाली कुमार गौरव, माधुरी की फिल्म-२
२६. संजीवकुमार, शर्मिला की १९७४ की कृष्णन पंजु निर्देशित एक फिल्म-४
२९. 'पति पत्नी और वो' में संजीवकुमार के साथ नायिका कौन थी-२
३०. 'क्या चीज है मुहब्बत' गीत वाली सुनील शेट्टी, दिव्या की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'जब ना माना दिल' गीत वाली फिल्म-३
२. कुलभूषण, जावेद, शबाना, नंदिता दास की एक फिल्म-३
३. 'नागिन सा रूप है तेरा' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा, रीना राय की फिल्म-४
५. अमिताभ, वहीदा, जीनत की एक फिल्म-३
६. 'एहसान मेरे दिल पे तुम्हारा' गीत वाली सुनीलदत्त, साधना की फिल्म-३
९. अर्जुन रामपाल, जायेदखान, अमीषा की 'उड़ उड़ उड़ उड़ जाये' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'वो कागज की कश्ती' गीत वाली कुमार गौरव, अनामिका पाल की फिल्म-२
११. 'छुपाना भी नहीं आता' गीत वाली फिल्म-४
१२. अजय देवगन, करिश्मा कपूर की फिल्म-४
१३. जीतेंद्र, कमल सदाना, आयशा, दिव्या की 'तेरी मुहब्बत नें दिल में' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'जिस दिल में बसा था प्यार तेरा' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
१६. 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
१९. संजयदत्त, सलमान, माधुरी की फिल्म-३
२०. राजकपूर मीनाकुमारी की 'ऐ चांद जहां वो जाये' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'जैक एण्ड जिल' गीत वाली अजय, उर्मिला की फिल्म-३
२२. 'मैंने प्यार किया' में नायक कौन था-४
२३. 'आँखों में नींदें ना दिल में' गीत वाली संजयदत्त, मनीषा की फिल्म-३
२७. फिल्म 'नीलकमल' के संगीतकार कौन थे-२
२८. 'दिलवालों के दिल का करार लूटने' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3415

बा	रू	द	■	र	■	का	ला	पा	नी
बु	■	श	व	ण	श	ज	■	प	■
ल	की	र	■	भू	■	ल	क्ष्य	■	ह
■	म	■	दा	मि	नी	■	■	खे	ल
जी	त	■	मा	■	य	ती	म	■	च
वा	■	कु	द	र	त	■	हा	सि	ल
■	मि	ली	■	ज	■	जी	न	त	■
जीं	स	■	सु	नी	ल	■	■	म	न
■	मे	ला	■	गं	■	■	जा	■	सी
नू	री	■	अं	धा	का	नू	न	■	ब

सूडोकु -3416

	8	1				2	5	
2								9
5			1		7	4		
9	5			4			2	
		3	9		6	7		
	7			8			1	5
		7	2		5			1
6								7
	1	5				6	9	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3415 का हल

5	9	4	2	3	6	1	8	7
8	7	3	1	4	5	2	9	6
6	1	2	8	7	9	3	5	4
1	6	7	9	8	2	4	3	5
3	8	5	4	1	7	6	2	9
2	4	9	6	5	3	7	1	8
7	5	6	3	9	1	8	4	2
4	2	1	5	6	8	9	7	3
9	3	8	7	2	4	5	6	1

शब्द पहेली - 3416

■	1	○	○	2	■	3	○	○	○	■
4	■	■	■	5	○	○	■	■	■	6
○	■	7	○	○	■	8	○	9	■	○
○	■	○	■	10	○	○	■	○	■	○
11	12	○	13	○	■	14	15	○	16	○
■	○	■	○	■	■	■	○	■	○	■
17	○	18	○	19	■	20	○	21	○	22
○	■	○	■	23	○	○	■	○	■	○
○	■	24	○	○	■	25	○	○	■	○
○	■	■	■	26	○	○	■	■	■	○
■	27	○	○	○	■	28	○	○	○	■

बाएँ से दाएँ

1. छुट्टी,रजा-4
3. वध,आघात-4
5. दशानन-3
7. अनमोल,अनूठा-3
8. अनाथ,बेसहारा-3
10. खजूर-3
11. रहम करना-2,3
14. गहराई नापना-2,3
17. लगातार,सतत-5
20. संतुष्ट होना-2,3
23. बीच में,दौरान-3
24. खुश,आनंदित-3
25. शिक्षा-3
26. शोक-3
27. जांचना,परखना-4
28. धार्मिक विधि का आयोजन करने वाला-4

ऊपर से नीचे

2. मयखाना,मधुशाला-5
3. प्रेमकहानी-5
4. चापलूसी-4
6. नटना,वचन तोड़ना-4
7. फिजूल,व्यर्थ-3
9. अव्यवस्थित समूह,भीड़-3
12. गुजर करना-3
13. वेग,गति-3
15. खूबसूरत-3
16. पर्वतीय मैदान, समतल पर्वत-3
17. गुजारिश,मांग-4
18. सुअर-3
19. गुस्सा होना-5
20. ममतापूर्ण-5
22. अयोग्य, असंगत-4

शब्द पहेली - 3415 का हल

क	ल	र	व	■	■	■	मु	का	ब	ला
मी	■	■	त	म	त	मा	ना	■	■	ज
श	व	■	न	या	■	न	दी	■	जी	वा
न	र	क	■	न	म	क	■	ख	रा	ब
■	दा	म	न	■	जा	■	न	फा	■	■
■	न	■	ख	त	■	म	न	■	म	■
■	■	सा	रा	■	आ	■	द	म	न	■
अ	ना	र	■	र	स	म	■	त	ह	री
मा	ता	■	ल	क	■	सौ	त	■	र	त
न	■	■	च	म	क	दा	र	■	■	स
त	क	दी	र	■	■	■	ल	ल	का	र

पूरे देश में जातिगत जनगणना होनी चाहिए : राहुल गांधी

एजेंसी

पटना। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि बिहार पेपर लीक का सेंटर बन गया है। उन्होंने कहा कि पूरे देश में जातिगत जनगणना होनी चाहिए। साथ ही उन्होंने बजट में पिछड़े समुदाय के प्रतिनिधित्व पर भी सवाल उठाया। एक दिवसीय बिहार दौरे पर पहुंचे राहुल गांधी पटना के बापू सभागार में संविधान सुरक्षा सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पूरे देश में जाति जनगणना कराने बाद विकास उसी के अनुसार होना चाहिए। राहुल गांधी ने कहा, इससे पता चलेगा कि किसकी कितनी आबादी है। नौकरशाही, शैक्षणिक संस्थानों और निजी कंपनियों में उनकी कितनी भागीदारी है। साथ ही उन्होंने कहा कि अंबानी और अडानी को सत्ता दे दी गई है। राहुल गांधी ने बजट में पिछड़े समुदाय के प्रतिनिधित्व पर सवाल उठाया और कहा, केंद्र सरकार के 90 वरिष्ठ अधिकारी देश के बजट पर निर्णय लेते हैं। इनमें दलितों, आदिवासियों, पिछड़े वर्गों और अल्पसंख्यकों की भागीदारी 10 प्रतिशत भी नहीं है जबकि भारत की आबादी में इन वर्गों की हिस्सेदारी 90 प्रतिशत है।

प्रयागराज महाकुंभ पहुंचे राजनाथ सिंह ने संगम में लगाई डुबकी

महाकुंभनगर। केन्द्रीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह प्रयागराज महाकुम्भ पहुंचकर संगम में डुबकी लगाई। संगम स्नान के बाद पत्रकारों के बातचीत करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि मैं इसे अपना सौभाग्य मानता हूं कि परमात्मा ने मुझे यह अवसर प्रदान किया। आज प्रयागराज, संगम में स्नान करने के बाद मैं स्वयं को बहुत ही कृतार्थ महसूस कर रहा हूं। भारतीयता सांस्कृतिक एवं सनातन धर्म की आध्यात्मिक अनुभूति का यह पर्व है, जो प्राचीन वैदिक खगोलीय घटना पर आधारित है। रक्षामंत्री ने कहा कि यह गंगा, यमुना व सरस्वती के साथ सनातन धर्म की आध्यात्मिक, वैज्ञानिकता और साथ ही साथ सामाजिक समरसता का भी संगम है। विश्व के सबसे बड़े जन समागम का कुशल संचालन जिस तरह से उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया है, इसके लिए वे बधाई के पात्र हैं। मैं यहां के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को इसके लिए हार्दिक बधाई देता हूं। राजनाथ सिंह ने संगम स्नान की फोटो अपने सोशल मीडिया एकाउंट एक्स पर भी पोस्ट की है। राजनाथ सिंह के साथ प्रदेश सरकार के मंत्री नंद गोपाल नंदी व अनिल राजभर के अलावा राज्यसभा सांसद व राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी भी मौजूद रहे। राजनाथ सिंह ने संगम स्नान के बाद आरती में भी शामिल हुए। राजनाथ सिंह महाकुंभ में आये संतों से भी भेंट करेंगे।

कांग्रेस का नया मुख्यालय 'इंदिरा भवन' पार्टी की समृद्ध विरासत का प्रतिबिंब: माकन

नई दिल्ली। कांग्रेस ने नई दिल्ली में कोटला रोड पर अपने पार्टी मुख्यालय (इंदिरा भवन) के उद्घाटन के कुछ दिनों बाद नए भवन में अपनी पहली प्रेस वार्ता आयोजित की। इस मौके पर वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं जयराम रमेश, पवन खेड़ा और अजय माकन ने युवाओं और साथी नागरिकों के सपनों को आकार देने में पार्टी की प्रतिबद्धता और संकल्प को दोहराया। उन्होंने कांग्रेस पार्टी के इतिहास और विरासत पर भी प्रकाश डाला। कांग्रेस कोषाध्यक्ष अजय माकन ने बताया कि इंदिरा भवन एक पांच मंजिला इमारत है, जो कुल 2,100 वर्ग मीटर में है। इसका निर्माण 200-225 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से किया गया है। इस भवन में 276 सीट का अपना एक ऑडिटोरियम है, बहुत सारे मीटिंग रूम्स हैं और कॉन्फ्रेंस हाल हैं। कांग्रेस के हर फ्रंटल ऑर्गेनाइजेशन और सेल के पदाधिकारियों की बैठने की पर्याप्त व्यवस्था है। इसमें 134 पेड़, 8675 पौधे और 264 कलाकृतियां एवं चित्र हैं। कैफेटेरिया में नंदलाल बोस जी की पेंटिंग्स हैं, जो गांधी जी के निवेदन पर 1938 में 'हरिपुरा कांग्रेस अधिवेशन' में बनाई गई थीं। गांधी जी ने इस अधिवेशन की परिकल्पना भारत की सांस्कृतिक विरासत के प्रतीक के रूप में की थी, जो स्वतंत्रता संग्राम की भावना को प्रतिबिंबित करता था।

मप्र के स्कूलों की बुनियाद हुई मजबूत, स्कूलों की संख्या में राज्य देश में दूसरे स्थान पर

भोपाल। सरकारी स्कूलों में आदर्श अधोसंरचना स्थापित करने में मध्य प्रदेश ने निजी क्षेत्र की बराबरी कर ली है और कई मामलों में पीछे भी छोड़ दिया है। मप्र के स्कूलों की बुनियाद मजबूत हुई है और स्कूलों की संख्या में राज्य का देश में दूसरा स्थान है। केन्द्र सरकार के हाल में जारी यूनिफाइड डिस्ट्रिक्ट इनफॉरमेशन सिस्टम (यूडीआई) फॉर एजुकेशन प्लस रिपोर्ट में देश के सरकारी स्कूलों की अधोसंरचना पर जारी रिपोर्ट में यह तथ्य सामने आया है। रिपोर्ट में सरकारी, सरकारी सहायता प्राप्त, निजी और अन्य स्कूलों में 2014 की स्थिति और वर्तमान स्थिति का तुलनात्मक आकलन किया गया है। जनसम्पर्क अधिकारी अवनीश सोमकुवर ने बताया कि रिपोर्ट में स्कूलों में पेयजल की व्यवस्था, बेटियों के लिए शौचालय व्यवस्था, बच्चों के लिए अलग शौचालय, हाथ धोने की सुविधा, विद्युत कनेक्शन, लाइब्रेरी सुविधा, खेल मैदान, चिकित्सीय परीक्षण की सुविधा, कंप्यूटर की उपलब्धता, इंटरनेट सुविधा, दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए हैंडरेल समेत रैंप, टॉयलेट की सुविधा, किचन गार्डन रैन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम और सोलर ऊर्जा सिस्टम जैसी अधोसंरचनात्मक व्यवस्थाओं का तुलनात्मक अध्ययन किया गया है। इसमें मध्य प्रदेश के स्कूलों का बेहतर प्रदर्शन प्रदर्शित हुआ है।

गोवंश को हरा चारा उपलब्ध कराने के लिए किसानों को करें प्रेरित:मुख्यमंत्री

एजेंसी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पशुपालन विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में मुख्यमंत्री ने गोवंश के लिए हरे चारे की अधिकाधिक उपलब्धता के लिए किसानों को प्रेरित करने की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि किसानों को प्रेरित करने के लिए गोष्ठी का आयोजन भी किया जाए।

मुख्यमंत्री ने बैठक में अधिकारियों से कहा कि किसानों से हरा चारा खरीद कर गोशालाओं को उपलब्ध कराया जाए, इससे किसानों की आय में वृद्धि भी होगी। उन्होंने कहा कि जिले में हरे चारे की खपत का आंकलन किया जाए। इसके बाद मांग के अनुसार हरे चारे के उत्पादन के लिए किसान और एफपीओ से संपर्क किया जाए। इस दौरान किसानों को हरे चारे के उत्पादन के लिए प्रेरित करने के साथ उन्हे उचित रेट भी दिया जाए। इससे हरे चारे के

उत्पादन के प्रति किसानों का रुझान बढ़ेगा। साथ ही उनकी आय में भी बढ़ोत्तरी होगी। इसकी जिम्मेदारी जिलाधिकारी को दी जाए। सीएम ने अधिकारियों को भूसे और हरे चारे के लिए वेयरहाउस बनाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि मकई, ज्वार, बाजरा और बरसीम आदि हरा चारा तीन से चार माह चल जाता है। ऐसे में इसके लिए वेयरहाउस बनाएं। उन्होंने इसकी जिम्मेदारी जिलाधिकारी को सौंपने के निर्देश दिये ताकि उसकी प्रापर मॉनीटरिंग हो सके। मुख्यमंत्री ने गो आश्रय स्थलों में शत-प्रतिशत सीसीटीवी लगाने, सड़क किनारे स्थित ग्रामों के पशुपालकों के गोवंशों के गले में रेडियम पट्टी लगाने, ग्रीष्म एवं शीत ऋतु से बचाव के लिए पफ पैनल की समुचित व्यवस्था करने के निर्देश भी दिये। वहीं, निराश्रित गोवंश आश्रय स्थलों की व्यवस्था की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, संबंधित उपजिलाधिकारी और खंड विकास अधिकारी इन स्थलों का तय अंतराल पर निरीक्षण करते रहें। सभी निराश्रित गोवंश आश्रय स्थलों पर केयरटेकर की तैनाती होनी चाहिए और इनके कार्यों का सतत अनुश्रवण भी किया जाए। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने निराश्रित गोवंश आश्रय स्थलों पर छायादार वृक्ष लगाए जाने के भी निर्देश दिए। साथ ही कहा कि निराश्रित गोवंश आश्रय स्थलों में अच्छी व्यवस्था के लिए नगर विकास और ग्राम्य विकास विभाग भी सहयोग करे।

हिन्दी भवन में भारतीय राजनीति और संस्कृति पर व्याख्यान आयोजित

एजेंसी

नई दिल्ली। आचार्य कृपलानी स्मृति व्याख्यान 2024 के अंतर्गत हिन्दी भवन में भारतीय राजनीति और संस्कृति विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजवादी चिंतक और मध्य प्रदेश के पूर्व मंत्री रामाशंकर सिंह थे।

रामाशंकर सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय संस्कृति जीवन का मार्ग है, जिसके बिना भारतीय जनमानस अपने आप को रिक्त पाता है।

उन्होंने बताया कि भारतीय संस्कृति व्यक्ति को अतीत से जोड़े रखती है और श्रेष्ठतर संबंध बनाए रखने में सहायक है। संस्कृति की विशेषता बताते हुए उन्होंने इसे समाज के सृजन और प्रदर्शन का माध्यम बताया।उन्होंने यह भी कहा कि धर्म और संस्कृति अलग-अलग होते हुए भी एक-दूसरे से प्रभावित रहते हैं। इसके उदाहरण में उन्होंने पड़ोसी देश श्रीलंका का उल्लेख किया, जहां रामचरितमानस का कोई सांस्कृतिक महत्व नहीं है।

कार्यक्रम की एजेंसी के समूह संपादक और पद्मश्री सम्मानित रामबहादुर राय ने की। उन्होंने दिनकर जी की पुस्तक संस्कृति के चार अध्याय का उल्लेख करते हुए कहा कि यह पुस्तक भारतीय इतिहास और संस्कृति को समझने का महत्वपूर्ण प्रयास है। कार्यक्रम में आचार्य कृपलानी मेमोरियल ट्रस्ट के प्रबंध न्यासी अभय प्रताप, केसी त्यागी, अरविंद, रामचंद्र सहित अनेक विद्वान और श्रोता उपस्थित थे। अंत में सुरेंद्र जी ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

वक्फ अधिनियम पर जेपीसी ने पटना में की रायशुमारी, आम लोगों और संगठनों का पक्ष सुना

एजेंसी

पटना। वक्फ संशोधन अधिनियम-2024 पर रायशुमारी के लिए गठित संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) ने बिहार की राजधानी पटना में बैठक कर आम लोगों और संगठनों का पक्ष सुना। किसी ने वक्फ कानून में संशोधन को जायज ठहराते हुए इसका पुरजोर समर्थन किया तो किसी ने इसकी मुखालफत की। समिति के सदस्यों और पक्षकारों के बीच नोक-झोंक भी हुई। आस्था से खिलवाड़ का भी मुद्दा उठा। वक्फ अधिनियम 1995 की धारा 40 को हटाने और वक्फ समिति में गैर मुस्लिम व महिला को स्थान देने की मांग की गई। जेपीसी अध्यक्ष जगदम्बिका पाल की अगुवाई में समिति के सदस्यों ने बारी-बारी से सभी की बात सुनी। कुछ मामलों में बैठक में मौजूद राज्य सरकार के नुमाइंदों को शीघ्र दखल देने के निर्देश दिए। सभी पक्षकार दस्तावेजों के साथ पेश हुए। भारतीय जनता पार्टी के विधायक डॉ. संजीव चौरसिया ने समिति के सामने दीघा विधानसभा क्षेत्र के गर्दनीबाग और शेखपुरा के अलावा फतुहा के गोविंदपुर में वक्फ कानून के दुरुपयोग का मामला उठाया और

जांच की बात कही। उन्होंने दस्तावेज पेश करते हुए आरोप लगाया कि वक्फ बोर्ड अपने ट्रिब्यूनल के माध्यम से सरकारी और रैयती जमीन को हड़पना चाहता है। गर्दनीबाग के रोड संख्या 10 में स्थित 1.34 एकड़ जमीन को ट्रिब्यूनल ने वक्फ की संपत्ति घोषित कर दी जबकि यह जमीन बिहार सरकार की है। संजीव चौरसिया ने कहा कि वर्षों से यहां लगातार छठ पूजा होती आ रही है। उन्होंने कहा कि शेखपुरा के पटेल पथ में 36 डिसमिल गैर मजरुआ आम जमीन पर तीन साल पहले मरकज का निर्माण कर दिया गया। इसी तरह फतुहा के गोविंदपुर में रैयती जमीन वक्फ की संपत्ति घोषित कर दी गई जबकि सूचना के अधिकार के तहत वक्फ बोर्ड से मांगे गए दस्तावेज में किसी दानदाता का नाम नहीं है। बिहार राज्य आर्य प्रतिनिधि सभा की ओर से भी जेपीसी के सदस्यों को आवेदन देकर संपत्ति के सर्वे और पंजीकरण का अधिकार संबंधित जिलों के डीएम को देने की मांग की गई।

हिमाचल में एक हफ्ते तक खराब रहेगा मौसम, बर्फ़बारी के आसार

एजेंसी

शिमला। हिमाचल प्रदेश में करीब एक हफ्ते तक शीतलहर का प्रकोप बना रहेगा। 19 से 24 जनवरी तक राज्य के पहाड़ी इलाकों में बर्फ़बारी होने की संभावना है। इस दौरान मध्यम ऊंचाई वाले क्षेत्रों में भी बादलों के बरसने का अनुमान है। 22 व 23 जनवरी को मैदानी इलाकों में भी झमाझम वर्षा हो सकती है। इससे ठंड का प्रकोप तेज होगा। मौसम विभाग ने अपने पुर्वानुमान में यह जानकारी दी। खासतौर पर 19 जनवरी और 22 व 23 जनवरी को मौसम के कड़े तेवर देखने को मिलेंगे। इन दिनों राज्य के हिल स्टेशनों शिमला, कुफ़री, नारकण्डा, मनाली और डल्हौजी में बर्फ की सफेद चादर बिछ सकती है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले 3-4 दिनों तक अधिकतम और न्यूनतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं होगा। हालांकि इसके बाद तापमान में तेजी से गिरावट होने की संभावना है। 22 जनवरी के बाद अधिकतम तापमान 4-5 डिग्री सेल्सियस तक गिर सकता है। वहीं अगले दो-तीन दिनों में न्यूनतम तापमान दो से तीन डिग्री सेल्सियस तक गिर सकता है। मौसम विभाग ने 22 जनवरी को राज्य के कुछ हिस्सों में शीतलहर का येलो अलर्ट जारी किया है। वहीं अगले 24 घण्टे यानी 19 जनवरी को राज्य के कुछ इलाकों में हल्के से मध्यम कोहरा छाने की चेतावनी दी गई है। इससे यातायात और दैनिक गतिविधियों पर असर पड़ सकता है। मौजूदा मौसम की बात करें तो बीते 24 घण्टों के दौरान राज्य के अधिक ऊंचाई वाले

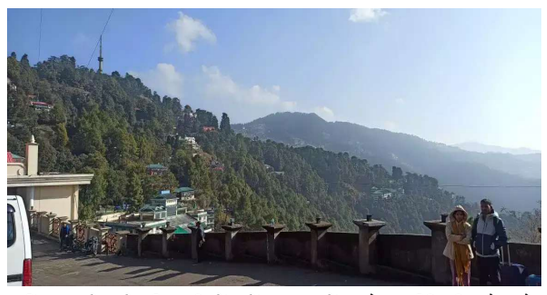

इलाकों लाहौल स्पीति, किन्नौर और कुल्लू में हल्का हिमपात हुआ है। हंसा में लगभग 3 सेंटीमीटर बर्फबारी दर्ज की गई। जबकि राज्य के अधिकांश हिस्सों में बादल छाए रहे। मौसम विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक पांच जगह न्यूनतम पारा शून्य से नीचे रहा। लाहौल स्पीति जिला के ताबो में न्यूनतम पारा सबसे कम -11.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

कलिंग मोयोंग अरुणाचल प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष चुने गए

एजेंसी

इटानगर। पूर्व विधायक कलिंग मोयोंग को अरुणाचल प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का नया अध्यक्ष चुना गया। पार्टी के केन्द्रीय और राज्य के वरिष्ठ नेतृत्व के बीच विचार-विमर्श के बाद पूर्व विधायक मोयोंग ने प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए अपना नामांकन दाखिल किया। इस पद के लिए कलिंग के आलावा किसी अन्य उम्मीदवार ने नामांकन दाखिल नहीं किया। परिणामस्वरूप, कलिंग मोयोंग को निर्विरोध और सर्वसम्मति से अरुणाचल प्रदेश भाजपा का नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया।इटानगर में भाजपा के प्रदेश मुख्यालय में मुख्यमंत्री पेमा खांडू, उपमुख्यमंत्री चौना मीन, बिजुराम वाहगे, असम सरकार के मंत्री अरुणाचल प्रदेश भाजपा प्रभारी अशोक सिंघल और भाजपा के अन्य नेताओं की उपस्थिति में केन्द्रीय मंत्री और असम के पूर्व मुख्यमंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष के नाम की घोषणा की। अरुणाचल प्रदेश भाजपा के नए अध्यक्ष के लिए

चुनाव प्रक्रिया संचालित करने हेतु सर्बानंद सोनोवाल को निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किया गया था। बताया जा रहा है कि नए प्रदेश अध्यक्ष के चयन को लेकर हुई चर्चा में मुख्यमंत्री पेमा खांडू, उपमुख्यमंत्री चौना मीन, केन्द्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल और अरुणाचल प्रदेश में भाजपा के प्रभारी अशोक सिंघल समेत वरिष्ठ नेताओं ने अहम भूमिका निभाई।

अरुणाचल प्रदेश से भाजपा के नए केन्द्रीय परिषद सदस्यों तागिन सिगा, यालेम तागा बुरांग और कामरंग तेसिया का गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

उल्लेखनीय है कि नव नियुक्त प्रदेश अध्यक्ष मोयोंग ने स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री बियुराम वाहगे से प्रदेश अध्यक्ष का पदभार संभाला। ईस्ट सियांग जिला पासीघाट के मिरकू के स्थायी निवासी 53 वर्षीय मोयोंग 2003 में मिरकू अंचल समिति सदस्य थे। फिर उसी वर्ष बोगोंग अंचल समिति के अध्यक्ष पद के लिए चुने गए। वह वर्ष 2012 में भाजपा में शामिल हुए। वह 38-पासीघाट पूर्व निर्वाचन क्षेत्र से 2014 से 2019 और 2019 से 2024 तक दो बार विधायक रहे। उन्होंने 2019 से 2024 तक शहरी विकास, नगरपालिका प्रशासन और सरकारी संपदा और नगर नियोजन और परिवहन विभागों के सलाहकार का पद भी संभाला।मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने मोयोंग को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी है। मुख्यमंत्री ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, मोयोंग जी के सफल कार्यकाल की कामना करता हूं और उम्मीद करता हूं कि उनके नेतृत्व में पार्टी मजबूत होगी और नई ऊंचाइयों पर पहुंचेगी।

नशा तस्करी से निपटने के लिए बीएसएफ व पंजाब पुलिस ने बनाई साझा रणनीति

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब में सीमा पार से होने वाली नशा तस्करी की घटनाओं से निपटने के लिए सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) व पंजाब पुलिस ने घंटे की बैठक कर साझा रणनीति बनाई। बीएसएफ मुख्यालय में ये इस साल की पहली उच्च स्तरीय बैठक की गई है।

जिसकी अध्यक्षता पंजाब पुलिस के एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स के एडीजीपी नीलाभ किशोर और पंजाब रेंज के सीमा सुरक्षा बल आईजी डॉ. अतुल फुलजेले ने एक दूसरे के साथ जानकारी साझा कर की। इसमें सुरक्षा को लेकर आगे की रूप रेखा बनाई।

बैठक में मुख्य तौर पर साल 2024 में आई दिक्कतों को का निपटारा और आने वाले दिनों में सुरक्षा को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। इसमें ड्रग तस्करी पर अंकुश लगाने, ड्रोन घुसपैठ के बढ़ते खतरे, सीमा सुरक्षा तंत्र को बढ़ाने और रक्षा की सेंकेंड लाइन में गहरी और मजबूत चेकिंग करने के प्रयासों को तेज करने पर चर्चा की गई। यह सहयोगात्मक प्रयास देश की सीमाओं की सुरक्षा और ड्रग तस्करी, ड्रोन खतरों और अन्य अंतरराष्ट्रीय अपराधों से उत्पन्न होने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए बीएसएफ और उसके सहयोगी संगठनों की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

भारत सबसे बड़ा सुपारी उत्पादक देश: शिवराज सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कर्नाटक के शिमोगा में अन्वेषणा मलनाड स्टार्टअप समिट-2025 में सहभागिता की। समिट को संबोधित करते हुए शिवराज सिंह ने कहा कि हमारे युवा ऊर्जा से भरे हैं, उनके पास विजन और अपार क्षमता है। हमारे युवा स्टार्टअप के क्षेत्र में देश-विदेश में खूब नाम कमा रहे हैं। आज गांव-गांव में स्टार्टअप क्रांति हो रही है। एग्रीटेक स्टार्टअप्स की बढ़ती संख्या यह बताती है कि हमारे किसान नई तकनीक, नवाचार और उद्यमिता से जुड़ रहे हैं। उन्होंने शिमोगा में सुपारी किसानों से संवाद किया। इस दौरान शिवराज सिंह ने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा सुपारी उत्पादक देश है। कुल सुपारी उत्पादन में 63 प्रतिशत भागीदारी भारत की

है। लगभग 58 हजार 664 करोड़ रुपये की सुपारी का पिछले साल उत्पादन हुआ था और लगभग 60 लाख किसान, सुपारी उत्पादन के काम में लगे हुए हैं। किसानों को ठीक दाम मिल पाए, इसके लिए सरकार कटिबद्ध है। देश में अगर कोई सुपारी इम्पोर्ट करेगा तो 100 प्रतिशत इम्पोर्ट ड्यूटी लगाई जाएगी, ताकि बाहर से आने वाली सुपारी महंगी आए। अवैध सुपारी भी यहां बड़ी चुनौती है, जिसकी क्वालिटी भी ठीक नहीं होती है। अवैध सुपारी लाने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय वैज्ञानिक समिति ने एलएसडी और व्हायएलडी जैसी बीमारियों को रोकने के लिए उपाय सुझाए है, जो सिफारिशें की हैं, इस पर जो योजना बनी है उसमें केन्द्र का हिस्सा 67 करोड़ रुपये हम इसी बजट में प्रावधान करके लागू करेंगे। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में खेती को लाभ का धंधा बनाने के लिए हमारी छह सूत्री रणनीति है। इसमें उत्पादन बढ़ाना, उत्पादन की लागत घटाना, फसल के ठीक दाम देना, नुकसान हो जाए तो भरपाई करना, खेती का विविधीकरण और ऑर्गेनिक खेती की ओर बढ़ना शामिल है। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि किसानों को ठीक दाम देने के लिए वैल्यू एडिशन जरूरी है, कुछ एफपीओ बहुत अच्छा काम कर रहे हैं, एक एफपीओ का टर्नओवर तो 60 करोड़ रुपये से ज्यादा है, ये एफपीओ नई कृषि क्रांति कर सकते हैं। अकेला किसान नहीं, एफपीओ ब्रांडिंग, मार्केटिंग वैल्यू एडिशन करें, और इसे करने के लिए हमारे स्टार्टअप्स तैयार खड़े हैं। एफपीओ और स्टार्टअप्स मिल जाएं। हमारे छात्रों के पास नए-नए आईडियाज़ हैं, आईडियाज़ को जमीन पर उतारकर कृषि क्षेत्र में बेहतर काम किया जा सकता है। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार कृषि के विकास और किसानों के कल्याण के लिए संकल्पित होकर कार्य कर रही है।

केंद्र का राजौरी जिले में हुई मौतों की जांच के लिए अंतर-मंत्रालयी टीम के गठन का आदेश

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में पिछले छह सप्ताह में तीन घटनाओं में हुई रहस्यमय मौतों के कारणों का पता लगाने के उद्देश्य से प्रभावित गांव का दौरा करने के लिए गृह मंत्रालय की अगुवाई में एक अंतर-मंत्रालयी टीम के गठन का आदेश दिया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने बताया कि टीम में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, कृषि मंत्रालय, रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय और जल संसाधन मंत्रालय के विशेषज्ञ शामिल होंगे। इसमें पशुपालन, खाद्य सुरक्षा और फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशालाओं के विशेषज्ञों द्वारा भी सहायता की जाएगी।मंत्रालय ने बताया कि टीम 19 जनवरी को दौरा शुरू करेगी और स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर तत्काल राहत पहुंचाने के साथ-साथ

भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए एहतियाती कदम उठाने पर भी काम करेगी। मंत्रालय ने बताया कि स्थिति के प्रबंधन और मौतों के कारणों को समझने के लिए देश के कुछ सबसे प्रतिष्ठित संस्थानों के विशेषज्ञों की सेवाएं प्राप्त करने की व्यवस्था की गई है।उल्लेखनीय है कि राजौरी जिले के एक सुदूर गांव में तीन परिवारों के 11 बच्चों समेत 14 लोगों की मौत हो गई। कंडी पुलिस स्टेशन में 7, 12, 23 दिसंबर और 12 जनवरी को दर्ज की गई चार दैनिक डायरी रिपोर्ट के अनुसार, कुल 14 लोगों (एक पुरुष और उसके चार बच्चे, एक महिला और उसके तीन बच्चे और एक पुरुष और उसके चार पोते-पोतियां) की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई।

जम्मू तवी रेलवे स्टेशन का आधुनिकीकरण यात्रियों की सुविधा और संचालन में सुधार के लिए बड़ा कदम

एजेंसी

नई दिल्ली। उत्तर रेलवे जम्मू तवी रेलवे स्टेशन पर एक बड़ी आधुनिकीकरण परियोजना पर काम कर रहा है। इसका उद्देश्य यात्रियों की सुविधा, सुरक्षा, बेहतर कनेक्टिविटी और संचालन में सुधार करना है।

भविष्य में जम्मू तवी रेलवे स्टेशन जम्मू-कश्मीर घाटी में ट्रेन संचालन को और बेहतर तरीके से संभालने के लिए तैयार होगा।उत्तर रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी हिमांशु शेखर उपाध्याय ने कहा कि जम्मू तवी यार्ड के आधुनिकीकरण के लिए शुरू किया गया काम इस साल 6 मार्च तक पूरा करने की योजना है। यार्ड का पुनर्विकास लगभग पूरा हो चुका है और नॉन-इंटरलॉकिंग का काम भी जल्द खत्म हो जाएगा। उन्होंने कहा कि यार्ड का यह काम जम्मू तवी स्टेशन के पुनर्विकास का एक चुनौतीपूर्ण और कठिन काम था लेकिन इसके पूरा होने के बाद स्टेशन का पुनर्विकास तेजी से होगा। इस बड़े अपग्रेडेशन प्रोजेक्ट की अनुमानित लागत 450 करोड़ रुपये है। उपाध्याय ने कहा कि जम्मू तवी यार्ड पुनर्निर्माण प्रोजेक्ट का मुख्य उद्देश्य वर्तमान में 3 प्लेटफार्मों को बढ़ाकर 7 प्लेटफार्म बनाना। अत्याधुनिक बैलास्टलेस ट्रैक तकनीक से लैस चार नए प्लेटफार्मों का निर्माण करना। प्लेटफार्मों पर संचालन को सुचारू बनाना और सफाई सुनिश्चित करना। उन्होंने कहा कि वर्तमान में 3 प्लेटफार्म हैं, उन्नयन के बाद 7 प्लेटफार्म होंगे। प्रत्येक प्लेटफार्म पर धोने योग्य एप्रन होंगे, जो स्वच्छ वातावरण में योगदान देंगे।

पंच परिवर्तन से बदलेगा देश, स्वच्छता का काम करने वाला अछूत नहीं: मिलिंद परांडे

एजेंसी

महाकुंभ नगर। महाकुंभ मेला क्षेत्र स्थित विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) के शिविर में दुर्गा वाहिनी के तीन दिवसीय अखिल भारतीय अभ्यास वर्ग का समापन हो गया। विहिप के अंतरराष्ट्रीय संगठन महामंत्री मिलिंद परांडे ने समापन समारोह में कहा कि पंच परिवर्तन से देश बदलेगा। उन्होंने सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, कुटुम्ब प्रबोधन, स्व का जागरण और नागरिक कर्तव्यों का जिक्र कर कहा कि हमें तीन स्तर पर काम करना है। मेरा व्यक्तिगत जीवन, मेरा परिवार, अपने संगठन की इकाई के माध्यम से पंच परिवर्तन का काम करना है। परांडे ने कहा कि व्यक्तिगत जीवन और सामाजिक व्यवहार अलग नहीं होना चाहिए। स्वच्छता का काम करने वाला अछूत नहीं। मां भी स्वच्छता करती है, वह तो अछूत नहीं है। गुण-कर्म से श्रेष्ठ होना ठीक है, जन्म से जुड़ी श्रेष्ठता ठीक नहीं। जो मुझे अच्छा नहीं लगता, वह व्यवहार दूसरों से नहीं करना। हम गाय, वृक्ष, पत्थर की पूजा करते हैं लेकिन मनुष्यों का सम्मान नहीं करते यह निकृष्ट आचरण है।उन्होंने कहा कि दहेज पर विचार करना पड़ेगा। फैमिली कोर्ट में मैट्रीमोनियल डिस्प्यूट बढ़ रहे हैं। सात फेरे, सात जन्मों के लिए, सात दिनों के लिए नहीं टिक रहे। वैवाहिक जीवन पर

दृष्टि बदलने की आवश्यकता। दहेज, कन्या भ्रूण हत्या, दहेज पर विचार करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि बच्चों को बाल्यकाल से धार्मिक एवं आध्यात्मिक बातों का प्रशिक्षण देना चाहिए। बाद में सिखाएंगे, यह सोचने से बहुत देर हो जाती है। घर के अच्छे संस्कार सिखाना पड़ेगा। जाति और भेदभाव घर में सिखाया जाता है। पारिवारिक सत्संग में धार्मिक एवं राष्ट्रीय विषयों की चर्चा करना चाहिए। विहिप के महामंत्री संगठन ने कहा कि अगला युद्ध पानी के लिए होगा। बारह महीने बहने वाली नदियां कम है नर्मदा के दक्षिण में। उत्तर भारत में अधिक नदियां हैं वर्ष भर बहने वाली। ब्रश करते समय, मुंह धोते समय नल खुला रखते हैं। कपड़ा धोने में पानी का बचाव। वर्षा जल संरक्षण। मंच पर छोटे बोतल रखना। आधा ग्लास पानी देना। उन्होंने कहा कि हम कार्बनडाय ऑक्साइड छोड़ते हैं, वृक्ष ऑक्सीजन छोड़ते हैं। वृक्ष लगाने का अभियान चलाना है।

वृक्ष लगाना और टिकाना जरूरी काम है। जन्म, मृत्यु के अवसर पर पेड़ लगाना। विद्यालय में, मन्दिर, श्मशान में पेड़ लगाना चाहिए। प्लास्टिक का उपयोग बंद करना चाहिए। फ्लेक्स भी बंद करना है। कपड़े के बैनर का उपयोग करना है। उन्होंने कहा कि स्व का जागरण जीवन के सभी क्षेत्र में हो रहा है।

आज के दौर में ज्वेलरी मेकिंग सिर्फ सुनारों का ही खानदानी काम नहीं रहा। आप भी गहने बनाने के काम में अपना भविष्य बना सकते हैं। शुरू में थोड़े इन्वेस्टमेंट के साथ आप अपना काम भी शुरू कर सकते हैं। कैसे, इस बारे में बता रहे हैं... जिस तरह ज्वेलरी अब सिर्फ सोने-चांदी का नाम नहीं है, ठीक वैसे ही यह काम अब केवल सुनारों का नहीं रह गया है। ज्वेलरी की बढ़ती डिमांड और बाजार में प्रतिस्पर्धा के चलते अब इस क्षेत्र में पढ़े-लिखे डिग्रीधारी प्रोफेशनल्स को काम करने का मौका मिलने लगा है।

ज्वेलरी मेकिंग

अपना करियर खुद कीजिए डिजाइन

भारत रत्न विज्ञान केंद्र के निदेशक एपी सिंह ने बताया कि 'ज्वेलरी मेकिंग में भारत दुनिया भर में सबसे आगे हो चुका है। यहां सस्ते और अच्छे कारीगर मिलने की वजह से विश्व का ध्यान भारत की ओर टिका हुआ है।' अब वह दौर भी धीरे-धीरे जा रहा है, जब लोग ज्वेलरी को आवश्यकता की चीज यानी इन्वेस्टमेंट की नजर से ज्यादा और साज-सज्जा यानी श्रृंगार की सोच से कम खरीदा करते थे। आजकल लोग इन्वेस्टमेंट के साथ इस बात पर विशेष ध्यान देने लगे हैं कि वे जिस आभूषण को खरीद रहे हैं, उसका डिजाइन कैसा है और वह पहनने पर कैसा लगेगा। डिजाइन अच्छा होगा तो उसे पहनने वाले की सुंदरता में भी चार चांद लगेंगे। लोगों की इसी सोच के चलते अब सोने-चांदी के अलावा आर्टिफिशियल और कॉस्टयूम ज्वेलरी की भी बाजार में काफी डिमांड है।

खैर, ज्वेलरी चाहे सोने-चांदी की हो या आर्टिफिशियल या कॉस्टयूम, दोनों को तैयार करने वालों को प्रशिक्षण एक ही तरह का दिया जाता है। आजकल के बदलते ट्रेंड और इस क्षेत्र में करियर के उम्दा चांस मिलने के चलते युवा इस ओर खूब रुख कर रहे हैं। इस क्षेत्र में पैसे की भी कोई कमी नहीं है।

ज्वेलरी मेकर्स का काम

इस क्षेत्र में काम करने वालों को आभूषण बनाना, उन्हें मॉडिफाई करना, डिजाइन करना आदि के अलावा जैमोलॉजी की बेसिक जानकारी तथा कास्टिंग टेक्नोलॉजी, ज्वेलरी का इतिहास, स्टोन कटिंग एंड इनेबलिंग यानी नक्काशी, टांका लगाना, ज्वेलरी साफ करना, तार खिंचाई, लड़ी जोड़ना सिखाया जाता है।

➲ **लागत:** इस काम को करने में कम से कम पांच लाख रुपए का खर्च आता है। आप जितना बड़ा काम करना चाहेंगे, लागत भी उतनी ही अधिक आएगी। अगर आप केवल टांका लगाने का काम करते हैं या तार खींचने का काम या लड़ी जोड़ने यानी पिरोने का काम करना चाहते हैं तो आपका काम बीस-तीस हजार रुपए में शुरू हो सकता है। जगह का खर्च आपको अलग से वहन करना पड़ेगा।

➲ **हैंड्स:** हैंड्स यानी सहयोग, मतलब आपको इस काम को करने के लिए कम से कम कितने वर्कर्स की आवश्यकता पड़ेगी तो आपको बता दें कि पांच लाख की लागत लगा कर काम शुरू करने पर आपको कम से कम 15 लोगों की आवश्यकता पड़ेगी। अगर आप काउंटर लगाकर काम शुरू करते हैं तो आपको किसी अन्य व्यक्ति की सहायता की जरूरत नहीं पड़ेगी या काम के हिसाब से आप कारीगर रख सकते हैं।

➲ **योग्यता:** ज्वेलरी मेकर बनने के लिए डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स करना आवश्यक है। इसके लिए आपकी न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता बारहवी होनी चाहिए। कुछ प्राइवेट संस्थान दसवीं पास छात्रों को भी प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। बड़े संस्थान लिखित परीक्षा और साक्षात्कार के आधार पर प्रवेश देते हैं।

➲ **कोर्स की अवधि:** ज्वेलरी मेकिंग के कोर्सेज की अवधि तीन माह से लेकर दो साल तक है। इसमें तीन से छः माह के सर्टिफिकेट कोर्स होते हैं, जबकि एक से दो साल में डिप्लोमा कोर्स कराए जाते हैं। आजकल कुछ संस्थान साप्ताहिक कोर्स भी कराते हैं, जिनमें रत्नों की शुद्धता मापना, रत्नों का चुनाव, मूल्य, सेटिंग, पॉलिशिंग, सोइंग एवं सोल्डरिंग, फेब्रिकेशन, रिपेयरिंग, रत्नों के अलावा टेराकोटा मोतियों और हाथी दांत व सीपियों का प्रयोग करना सिखाया जाता है। अगर आप कला में रुचि रखते हैं। दसवीं या बारहवीं पास हैं और अपना काम करना चाहते हैं या आपको नौकरी उतनी अच्छी नहीं मिल रही है अथवा आप परीक्षाओं में अच्छे अंक नहीं ला पाए हैं तो आप ज्वेलरी मेकिंग का काम सीख कर इस क्षेत्र में बहुत अच्छा पैसा कमा सकते हैं। कैसे, आइए जानें:- ज्वेलरी मेकिंग या डिजाइनिंग के लिए कम से कम 10 फुट चौड़े और 12 फुट लंबाई वाले कमरे की जरूरत होती है। बड़ा काम करने के लिए उसी हिसाब से जगह की ज्यादा जरूरत होती है।

प्रशिक्षण देने वाले प्रमुख संस्थान

ज्वेलरी मेकिंग का प्रशिक्षण देने वाले प्रमुख संस्थानों के नाम व पते इस प्रकार हैं-
रत्न परीक्षण प्रयोगशाला: राजस्थान चेंबर भवन, द्वितीय तल, मिर्जा इस्माइल रोड, जयपुर-302003,
रत्न भारतीय हीरा संस्थान: कैटरम गिड्स, पोस्ट बॉक्स नं-508, सुमुल डेयरी रोड, सूरत-395008, गुजरात
रत्न एवं आभूषण निर्यात संवर्धक परिषद: डॉ बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर मार्ग, मुंबई
भारत रत्न विज्ञान केंद्र: झंडेवालान, नई दिल्ली,
भारतीय रत्न विज्ञान संस्थान: नई दिल्ली
दिल्ली जैम एंड ज्वेलरी इंस्टीटयूट: नई दिल्ली

➲ **आमदनी:** ज्वेलरी मेकिंग का काम एक ऐसा काम है, जिसमें आपकी आमदनी अच्छी होने के साथ बढ़ती ही रहती है। इस काम में सोने-चांदी का 15 प्रतिशत हिस्सा अलॉय यानी दो-तीन धातुओं के मिश्रण में और 5 प्रतिशत हिस्सा ढलाई में मिलता है। मोटे तौर पर कहें तो कुल मिला कर अलग-अलग जगहों के हिसाब से 14, 15, 18 या 23 प्रतिशत हिस्सा बनाने वाले को मिलता है और बनवाई अलग से मिलती है। अन्य धातुओं से ज्वेलरी बनाने में केवल बनवाई मिलती है। शुद्ध आमदनी की अगर बात की जाए तो पांच लाख रुपए की लागत से शुरू किए गए काम से आप लाखों रुपए महीने तक कमा सकते हैं, जबकि आर्टिफिशियल या कॉस्टयूम ज्वेलरी बनाने में कुछ कम आमदनी होती है। आपका काम जितने बड़े स्तर का होगा या बढ़ेगा, उसी हिसाब से आमदनी भी बढ़ेगी।

➲ **लोन:** ज्वेलरी मेकिंग का काम शुरू करने के लिए अगर आपके पास पर्याप्त पैसा नहीं है तो आप लोन भी ले सकते हैं। इसके लिए आपके पास दो रास्ते हैं। एक निजी स्तर पर सीधे बैंक से लोन लेने का और दूसरा सरकारी संस्थान के सर्टिफिकेट पर ग्रामीण या शहरी स्वरोजगार योजना की स्कीमों के अंतर्गत लोन लेकर काम शुरू करने का। दोनों ही तरह से आपको जरूरी दस्तावेज जमा कराने होंगे। इन दस्तावेजों में प्रोजेक्ट रिपोर्ट, जगह के कागज, बैंक या स्कीम के मुताबिक सिक्योरिटी मनी, शिक्षा के प्रमाण-पत्र, आईडी प्रूफ, पासपोर्ट साइज फोटो आदि शामिल हैं। इसके अलावा आपको दो गवाह भी चाहिए। लोन की राशि आपकी प्रोजेक्ट रिपोर्ट, कार्य का आकार-प्रकार और जगह की वैल्यू पर निर्भर करेगी।

हमेशा ऊंचाइयों पर कैसे रहें?

यदि आप चाहते हैं कि आप ऊंचाई पर हों और प्रसन्नचित्त रहें तो उसका एक ही तरीका है, हमेशा दूसरों को प्रसन्न रखें। दूसरों की सहायता करने में कोई हर्ज नहीं है, किंतु यदि आप इसे अपनी प्राथमिकताओं, वचनबद्धता व जरूरतों की कीमत पर करते हैं तो आप हमेशा अप्रसन्न महसूस करेंगे। आपको इस बात का भी अहसास होगा कि आप अपने वांछित लक्ष्यों, इच्छाओं व उद्देश्यों को हासिल नहीं कर पा रहे हैं। इसके साथ ही आपको सुनिश्चित समय-अंतराल के साथ, सुनिश्चित लक्ष्यों की भी जानकारी होनी चाहिए। आपकी वचनबद्धता के स्तर, उत्साह व प्रेरणा में मेल होना भी जरूरी है। बड़े लक्ष्य पाने हैं तो बड़े कदम उठाने होंगे। आपके भीतर पथ में आने वाली हर बाधा पर हावी होने, उसका सामना करने व उस पर विजय पाने का साहस होना चाहिए।

पराजितों से दूर रहें

ऊंचाइयों पर रहने का एक तरीका यह भी है कि आप पराजित व नकारात्मक लोगों का साथ छोड़ दें, क्योंकि वे हमेशा यही बताने की कोशिश में रहते हैं कि आप कोई काम क्यों नहीं कर सकते या अपने लक्ष्य क्यों नहीं पा सकते। इन पराजितों के दल का हिस्सा न बनें, क्योंकि इनमें से कुछ को बदल पाना नामुमकिन होता है। यदि आप उनके साथ रहेंगे तो नकारात्मकता की चपेट में आते देर नहीं लगेगी।

शांत रहें व दूसरों को भी सहज रखें

आपको न केवल स्वयं को शांत व सहज रखना है, बल्कि अपने संपर्क में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति को भी आरामदेह महसूस करवाना है। हमें अपने सपनों को साकार करने के लिए आने वाले दिन की राह नहीं देखनी, बल्कि इस पर आज से ही काम शुरू कर देना है। आपको बड़े-से-बड़ा बनने का सपना देखना चाहिए। सफल व असफल लोगों में सबसे बड़ा अंतर एक ही होता है, वह है उनकी दृढ़ता। हमेशा ऊंचाई पर व प्रसन्नचित्त रहने का एक तरीका यह भी है कि व्यक्ति वित्तीय रूप से स्वतंत्र हो। जीवन में कई पहलू होते हैं जैसे परिवार, व्यवसाय व सामाजिक जीवन आदि।

प्रेरणा का स्रोत ऊंचा रखें

प्रेरणा का स्तर इतना ऊंचा हो कि आप हमेशा एक से दूसरे लक्ष्य तक जाने के लिए प्रेरित रहें। आपको अहसास हो कि सफलता की राह में अड़चनें भी होती हैं और आप उन बाधाओं व अड़चनों के बावजूद यात्रा को अधूरा नहीं छोड़ने वाले।

केवल आज में ही जिएं

प्रसन्न रहने का एक तरीका यह भी है कि बीते दिन की बुरी यादों को साथ न लाएं और न ही आने वाले कल की चिंता करें। प्रायः हम जिस दुर्भाग्य की कल्पना कर लेते हैं, वह घटित नहीं होती। यदि कोई संकट या परेशानी सामने आ भी जाए तो याद रखें कि वह भी बीत जाएगी। दिमाग में किसी भी चिंता का बोझ न डालें। हम आज का भार तो सह सकते हैं, किंतु कल व आने वाले कल की परेशानी का भार नहीं सह सकते। मनुष्य का स्वभाव भी बड़ा विचित्र होता है, वह एक शेर को तो चकमा दे सकता है, लेकिन किसी मच्छर या मक्खी को नहीं उड़ा पाता। ऊंचाई पर रहने का सबसे बेहतर तरीका यही है कि आने वाले कल की उन चिंताओं पर विचार न करें, जो संभवतः कभी घटित ही न हों। मिशेल डी मोंइज ने कहा है- ''मेरा जीवन ऐसे भयानक दुर्भाग्यों से भरपूर रहा है, जिनमें से ज्यादातर ऐसे हैं, जो कभी घटित ही नहीं हुए। ऊंचाइयों पर रहने का एक तरीका यह भी है कि आप पराजित व नकारात्मक लोगों का साथ छोड़ दें, क्योंकि वे हमेशा यही बताने की कोशिश में रहते हैं कि आप कोई काम क्यों नहीं कर सकते या अपने लक्ष्य क्यों नहीं पा सकते।

उंचाइयों पर रहने का एक तरीका यह भी है कि आप पराजित व नकारात्मक लोगों का साथ छोड़ दें...

गुरु-मंत्र: कम्युनिकेशन पर दें ध्यान

थैंक्यू... प्लीज... आई एम सॉरी... इनका प्रयोग अक्सर कम्युनिकेशन के दौरान होता है। कम्युनिकेशन अपने आप में काफी बड़ा, विस्तृत और आकर्षक विषय है। समाज में विभिन्न स्तरों पर संवाद की जरूरत और किस प्रकार का संवाद होना चाहिए, इस पर कई बातें निर्भर करती हैं।

कॉर्पोरेट वर्ल्ड में भी कम्युनिकेशन पर काफी ध्यान दिया जाता है। कम्युनिकेशन में सकारात्मकता आपको घर से लेकर आपके ऑफिस में सहायक सिद्ध होगी। घर पर अगर आप परिवार के किसी सदस्य के साथ बातचीत कर रहे हैं और उसमें कोई बात आपको अच्छी नहीं लगी तब आप तत्काल उस पर प्रतिक्रिया देते हैं और टोक देते हैं। खासतौर पर जब बात युवा साथी की हो तब उसे टोकना जरूरी भी है ताकि वह अपने कम्युनिकेशन में बदलाव लाए, पर यहां भी बात सकारात्मकता की लागू होती है। अगर आपने डांट कर अपनी बात मनाने के लिए कोई बात कही तब कुछ भी नहीं होने वाला और हो सकता है कि अगली बार आप संवाद स्थापित करने का मौका ही छोड़ दे। अगर बात कॉर्पोरेट वर्ल्ड की है तब कार्यालयों में यह देखा जाता है, अगर कोई कर्मचारी समय पर नहीं आता है तब छुट्टी से लेकर नोटिस देने जैसे कितने ही कार्य होते हैं। एक कंपनी में तो देरी से आने वाले को सभी स्टॉफ के सामने डांटने जैसी परंपरा ही थी, परंतु इससे क्या व्यवस्थाओं में परिवर्तन लाया जा सकता है क्या? या फिर कम्युनिकेशन इसमें किस तरह का हो सकता है, इस बारे में विचार किया जाए।

पॉजिटिव कम्युनिकेशन की बात की जाए तब कार्यालय में देरी से आने वाले कर्मचारी को इस बात के लिए प्रेरित किया जाए कि चलिए आज कोई समस्या होगी बावजूद इसके आप थोड़ा ही देर से आए। आप कल और जल्दी आ सकते हैं। हो सकता है कि इससे कर्मचारी के मन पर थोड़ा असर पड़े और वह जल्दी आने के लिए प्रेरित हो, जबकि दूसरी ओर अगर आपने उसे डांटा है तब उसका नकारात्मक असर ही पड़ेगा। वह ऑफिस में जल्दी जरूरी आएगा, पर अपना आउटपुट जैसा चाहिए वैसा नहीं देगा। घर पर भी युवाओं या किशोरों से बातचीत के दौरान या सामान्य रूप से बातचीत के दौरान भी अगर आप किसी विवाद को समाप्त करना चाहते हैं तब बातचीत की शुरुआत जिन मुद्दों पर असहमति है उनसे न करके जिन बातों पर सहमति है, उससे करेंगे तब बात बनेगी जरूर। कॉर्पोरेट वर्ल्ड में किसी भी उत्पाद या किसी अन्य कंपनी से डील करते वक्त इस बात का ध्यान रखा जाता है। दोनों साझा रूप से किन बातों पर सहमत हैं। एक बार हां की मुहर लग जाने के बाद अन्य बातें करने में आसानी हो जाती है। थैंक्यू... प्लीज... आई एम सॉरी का उपयोग कहां, कब और कितना करना यह भी जानना जरूरी है। कॉर्पोरेट वर्ल्ड में भावनाओं की कद्र थोड़ी कम ही होती है और खासतौर पर सेल्स के क्षेत्र में कंपनियों को टारगेट पूर्ण होने से मतलब होता है । इस कारण सॉरी की बात ही न कहें, बल्कि तर्क के सहारे अपनी बात रखें।

कर्नाटक 5वीं बार बना विजय हजारे ट्रॉफी का चैम्पियन, विदर्भ को 36 रनों से दी मात

एजेंसी

वडोदरा। विजय हजारे ट्रॉफी 2024-25 के हाईस्कोरिंग फाइनल मैच में कर्नाटक ने विदर्भ को 36 रन से हरा दिया। इस रोमांचक मुकाबले में मिली जीत से साथ कर्नाटक पांचवीं बार विजय हजारे ट्रॉफी का चैम्पियन बना। इस मैच में कर्नाटक ने टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 6 विकेट खोकर 348 रन बनाए। विदर्भ की टीम 349 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 48.2 ओवर में 312 रनों पर ऑलआउट हो गई और 36 रनों से मैच हार गई। कर्नाटक के लिए स्मरण रविचंद्रन के शतक (101) और कृष्णन श्रीजीत के (78) और अभिनव मनोहर (79) की शानदार पारियों खेली। इस मैच में विदर्भ ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण का फैसला किया और छठे ओवर में यश ठाकुर की गेंद पर देवदत्त पडिक्कल (8) के आउट होने से टीम को शुरुआती सफलता मिली। इसके बाद कप्तान मयंक अग्रवाल

(32) और केवी अनीश (21) भी पवेलियन लौट गए। स्मरण और श्रीजीत ने चौथे विकेट के लिए 160 रनों की बड़ी साझेदारी कर कर्नाटक को मैच में वापस ला दिया। अभिनव मनोहर ने 188.09 की स्ट्राइक रेट से मात्र 42 गेंदों पर 79 रन बनाए, जिसमें 10 चौके और 4 छक्के शामिल थे। कर्नाटक ने पहली पारी 348/6 पर समाप्त की और विदर्भ को बड़ा लक्ष्य दिया। विदर्भ के लिए दर्शन नालकांडे और नचिकेत भूते ने 2-2 विकेट हासिल किए। विदर्भ के लिए ओपनर ध्रुव शौरी के शानदार शतक (110) रनों की पारी खेली लेकिन वो अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाए। उनके अलावा हर्ष दुबे ने (63) की धमाकेदार पारी खेली। लेकिन विदर्भ की टीम लक्ष्य का पीछा करने से 36 रन पीछे रह गई। इस मैच में टीम के स्टार बल्लेबाज और कप्तान करुण नायर का बल्ला नहीं चला जो विदर्भ के हारने की वजह बना। नायर 27 रनों की पारी खेल प्रसिद्ध कृष्णा की बॉल पर बोल्ड हो गए. उनके अलावा यश कदम (15), जितेश शर्मा (34), शुभम दुबे (8) और अपूर्व वानखेड़े (12) रन बनाकर आउट हो गए। कर्नाटक के लिए अभिलाष शेट्टी, प्रसिद्ध कृष्णा और वासुकी कौशिक ने 3-3 विकेट हासिल किए और उनकी टीम को 36 रनों से जीत दिला दी।

मैनचेस्टर यूनाइटेड और स्कॉटलैंड के दिग्गज डेनिस लॉ का 84 साल की उम्र में निधन

एजेंसी

मैनचेस्टर। मैनचेस्टर यूनाइटेड और स्कॉटलैंड के दिग्गज स्ट्राइकर और बैलन डी'ओर जीतने वाले एकमात्र स्कॉटिश फुटबॉलर डेनिस लॉ का 84 वर्ष की आयु में निधन हो गया। द किंग और द लॉमैन के नाम से मशहूर लॉ ने मैनचेस्टर यूनाइटेड में 11 साल बिताए, जहाँ 404 मैचों में 237 गोल करके वे वेन रूनी और सर बॉबी चार्लटन के बाद क्लब की सर्वकालिक स्कोरिंग सूची में तीसरे स्थान पर हैं।

एबरडीन में जन्मे लॉ ने इटली के टोरिनो में रिकॉर्ड-तोड़ कदम उठाने से पहले हडर्सफ़ील्ड टाउन के साथ अपने पेशेवर करियर की शुरुआत की। उन्होंने मैनचेस्टर सिटी में भी कुछ समय बिताया और मैनचेस्टर यूनाइटेड में वापस लौटे, जहाँ उन्होंने एक फ़ुटबॉल आइकन के रूप में अपनी स्थिति को मज़बूत किया। लॉ ने स्कॉटलैंड के लिए 55 मैच खेले और 30 अंतरराष्ट्रीय गोल किए, जिससे वे देश के इतिहास में संयुक्त रूप से शीर्ष स्कोरर बन गए। खेल के अग्रणी, लॉ तीन बार ब्रिटिश ट्रांसफर रिकॉर्ड बनाने वाले पहले खिलाड़ी बन गए। उनका प्रभाव मैदान से परे था, और उन्होंने क्लब और देश दोनों के लिए एक अमिट विरासत छोड़ी। 2021 में, लॉ ने अल्जाइमर रोग और संवहनी मनोभ्रंश के अपने निदान का खुलासा किया। उनके परिवार ने एक बयान जारी किया और कहा, यह बहुत भारी मन से है कि हम आपको बताते हैं कि हमारे पिता डेनिस लॉ का दुखद निधन हो गया है। उन्होंने एक कठिन लड़ाई लड़ी लेकिन आखिरकार अब वह शांति से हैं। हम उन सभी लोगों का शुक्रिया अदा करना चाहते हैं जिन्होंने अतीत में और हाल ही में उनकी भलाई और देखभाल में योगदान दिया। हम जानते हैं कि लोगों ने उनका कितना समर्थन किया और उन्हें कितना प्यार दिया और उस प्यार की हमेशा सराहना की गई। धन्यवाद।

अंकुश, अमन व अभव्या ने उत्तर प्रदेश को दिलाई शानदार शुरुआत

एजेंसी

लखनऊ। अंकुश कुमार, अमन पाल व अभव्या तिवारी ने सातवीं नेशनल ओपन ताइक्वांडो चैंपियनशिप -2025 ने अपने-अपने वर्गों में स्वर्ण पदक जीतकर मेजबान उत्तर प्रदेश को शानदार शुरुआत दिलाई। मिनी इंडोर स्टेडियम, राजाजीपुरम में आयोजित इस चैंपियनशिप में ऑफिशियल ग्रुप की स्पर्धाओं के पहले दिन आंध्र प्रदेश ने दो स्वर्ण जबकि हरियाणा व दिल्ली ने एक-एक स्वर्ण पदक जीते। ताइक्वांडो फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में उत्तर प्रदेश ताइक्वांडो एसोसिएशन द्वारा आयोजित चैंपियनशिप का औपचारिक उद्घाटन उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने किया। चैंपियनशिप में 24 राज्यों व इकाईयों की टीमों से 1700 खिलाड़ी भाग ले रहे है जिसमें सीआरपीएफ, आईटीबीपी, कुमाऊं रेजीमेंट और सर्विसेज के खिलाड़ी भी शामिल है। पहले दिन हुई स्पर्धाओं में सब जूनियर बालक व्यक्तिगत पूमसे में आंध्र प्रदेश के तन्विथ उदय ने स्वर्ण, मणिपुर के मालेमंगनबा नुंगलेप्पम ने रजत पदक एवं उत्तर प्रदेश के अक्षत सूर्यांश व नवदीप मिश्रा ने कांस्य पदक जीता। सब जूनियर बालिका व्यक्तिगत पूमसे में दिल्ली की नायशा शर्मा ने स्वर्ण पदक जीता। उत्तर प्रदेश की वर्णिका कपूर को रजत एवं उत्तर प्रदेश की ही आरवी सिंह व समृद्धि आर्या ने कांस्य पदक जीता। कैडेट बालिका व्यक्तिगत पूमसे में अभव्या तिवारी ने स्वर्ण, आर्शी सिंह ने रजत, अंशिका खोखर व कौशिकी सिंह यादव (सभी उत्तर प्रदेश) ने कांस्य पदक जीते।

बुमराह की उपलब्धता पर संदेह,अर्शदीप पर भरोसा: रोहित

मुबंई। आईसीसी चैंपियंस ट्राफी के लिये चयन के बावजूद भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने स्टार पेस बॉलर जसप्रीत बुमराह की फिटनेस पर संदेह व्यक्त करते हुये कहा कि उन्हे अर्शदीप सिंह से उम्मीद है कि वह बुमराह की कमी को दूर करेंगे।चैंपियंस ट्राफी और इंग्लैंड के खिलाफ एक दिवसीय श्रृखंला के लिये टीम की घोषणा के बाद पत्रकारों से बातचीत में रोहित ने कहा ÷ हम जसप्रीत बुमराह की उपलब्धता को लेकर निश्चित नहीं हैं, इसलिए हम चाहते थे कि अर्शदीप सिंह आकर वह भूमिका निभायें। हमने केवल तीन सीमर लिए हैं क्योंकि हम इन ऑलराउंडरों को अपने साथ रखना चाहते थे। मोहम्मद सिराज को टीम में नहीं लिये जाने के फैसले पर उन्होने कहा यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि वह (मोहम्मद सिराज) हमारे साथ नहीं हैं। अर्शदीप ने बहुत ज़्यादा वनडे नहीं खेले हैं, लेकिन वह हमेशा सफ़ेद गेंद से खेलते रहे हैं, इसलिए मैं यह नहीं कहूँगा कि उनके पास अनुभव नहीं है और मोहम्मद शमी सफ़ेद गेंद क्रिकेट के दिग्गज रहे हैं। हर्षित ने भी अपनी क्षमता दिखाई है। यशस्वी जायसवाल के चयन को लेकर पूछे गये सवाल पर उन्होने कहा हमने उन्हें पिछले कुछ महीनों में उनके प्रदर्शन के आधार पर चुना है, हालाँकि उन्होंने हाल के दिनों में कोई वनडे नहीं खेला है, लेकिन हम उनकी क्षमता जानते हैं। घरेलू क्रिकेट में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेटरों की भागीदारी पर पूछे गये सवाल पर उन्होने कहा ÷ पिछले 6-7 सालों में ऐसा समय नहीं आया जब हम 45 दिनों तक घर पर बैठे रहे हों। हमारा घरेलू सत्र अक्टूबर में शुरू होता है और उस समय भारत भी काफी क्रिकेट खेलता है।

38वें राष्ट्रीय खेलों का शुभंकर मौलि पहुँचा पिथौरागढ़, भव्य स्वागत

पिथौरागढ़/नैनीताल। 38वें राष्ट्रीय खेलों से जुड़ा शुभंकर मौलि पिथौरागढ़ पहुंचा और स्पोर्ट्स स्टेडियम में भव्य स्वागत किया गया। उत्तराखंड में पहली बार राष्ट्रीय खेलों का आयोजन किया जा रहा है। विभिन्न जिलों में अलग-अलग प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी।आगामी 28 जनवरी को देहरादून में इन खेलों का शुभारम्भ होगा। राष्ट्रीय खेलों के प्रचार-प्रसार और खेलों के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए कुछ समय पहले हल्द्वानी से विभिन्न हिस्सों के लिए राष्ट्रीय खेलों की मशाल और शुभंकर मौलि को रवाना किया गया था। आज इसी क्रम में मौलि पिथौरागढ़ पहुंचा। जिलाधिकारी विनोद गिरी गोस्वामी और पुलिस अधीक्षक श्रीमती रेखा यादव ने स्वयं स्पोर्ट्स स्टेडियम में मौली का स्वागत किया। इस दौरान युवाओं में भारी उत्साह देखा गया। राष्ट्रीय खेलों के तहत पिथौरागढ़ में बाक्सिंग प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाना है।

नोमान के पंजे से वेस्टइंडीज बेदम,पाक को मिली 202 रन की बढ़त

मुल्तान। नोमान अली (39 रन पर पांच विकेट) और साजिद खान (65 रन पर चार विकेट) की कातिलाना गेंदबाजी की बदौलत पाकिस्तान ने पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन वेस्टइंडीज की पहली पारी 137 रन पर समेट कर 93 रन की महत्वपूर्ण बढ़त हासिल करने के साथ अपनी स्थिति मजबूत कर ली। मुल्तान क्रिकेट स्टेडियम पर दिन का खेल खत्म होने के समय पाकिस्तान ने अपनी दूसरी पारी में तीन विकेट खोकर 109 रन बना लिये थे और इस प्रकार उसकी कुल लीड 202 रन की हो चुकी है। कामरान गुलाम नौ और सउद शकील दो रन बना कर क्रीज पर टिके हुये थे। इससे पहले कप्तान शान मसूद (52) और मोहम्मद हुरैरा (29) ने 67 रन जोड़े। मसूद दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से रन आउट हो गये। पहली पारी में आठ रन का योगदान देने वाले बाबर आजम (5) का बल्ला आज भी नहीं चला और वह 11 गेंद खेल कर वारिकेन का दूसरा शिकार बने। इससे पहले साजिद खान ने अपने पहले स्पेल के लगातार दो ओवरों में मिकाइल लुइस (1),केसी कार्टी(0) और केवम हॉज (4) का विकेट चटका कर मेहमान टीम के खेमे में हलचल मचा दी वहीं दूसरे छोर पर नोमान अली वेस्टइंडीज पर कहर बरपा रहे थे।

लखनऊ विश्वविद्यालय की टीम क्रिकेट मैच खेलने के लिए नेपाल रवाना, आनंद सागर करेंगे कप्तानी

एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय की क्रिकेट टीम इंटरनेशनल टूर्नामेंट खेलने के लिए नेपाल रवाना हुई है। यह क्रिकेट टूर्नामेंट (टी-20 जय नेपाल कप) त्रिभुवन यूनिवर्सिटी काठमांडू, नेपाल में 20 जनवरी से 28 जनवरी तक काठमांडू, नेपाल में आयोजित किया जा रहा है। पहली बार लखनऊ विश्वविद्यालय की टीम किसी दूसरे देश में खेलने जा रही है। इस टीम की कप्तानी आनंद सागर कर रहे हैं।इस क्रिकेट टूर्नामेंट में भारत, नेपाल, बांग्लादेश और यूनाइटेड अरब अमीरात की विभिन्न विश्वविद्यालय की क्रिकेट टीमें प्रतिभाग कर रही हैं। लखनऊ विश्वविद्यालय की टीम को रवाना होने से पहले क्रीड़ा परिषद के महासचिव प्रो. अजय कुमार आर्य ने कुलपति आलोक कुमार राय का परांजपे पवेलियन ग्राउंड में स्वागत किया और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। कुलपति ने इस क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए खिलाड़ियों को अग्रिम शुभकामनाएं दी।

क्रीड़ा परिषद के महासचिव प्रो. अजय कुमार आर्य ने बताया कि आज तक लखनऊ विश्वविद्यालय के इतिहास में पहली बार कोई टीम इंटरनेशनल टूर्नामेंट खेलेगी। यह सब कुलपति के कुशल नेतृत्व और प्रेरणा से संभव हो पाया है। विश्विद्यालय टीम को रवाना करने के लिए भारी संख्या में छात्र-छात्राएं एवं शिक्षक उपस्थित रहे। जिनमें क्रमशः क्रीड़ा परिषद के चेयरमैन डॉ. आर. बी. सिंह, क्रिकेट प्रेसिडेंट डॉ. एस. ए. अल्वी, प्रो. मनुका खन्ना प्रति कुलपति, प्रो. राकेश द्विवेदी, आदि उपस्थित रहे। क्रिकेट की 17 सदस्यीय टीम के साथ मुख्य कोच उबैद कमाल एवं सहायक कोच शोएब कमाल तथा मैनेजर डॉ अरुण कुमार हैं। टीम के कप्तान आनन्द सागर है। कुलपति ने क्रिकेट टीम को भारत का झंडा एवं क्रीड़ा परिषद लखनऊ विश्वविद्यालय का झंडा देकर रवाना किया। लखनऊ विश्वविद्यालय के क्रीड़ा परिषद के मार्शल प्रोफेसर राकेश द्विवेदी ने कुलपति आलोक राय को लखनऊ विश्वविद्यालय के कीड़ा परिषद की कैप भेंट करके उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया। लखनऊ विश्वविद्यालय अपना पहला मैच दिल्ली विश्वविद्यालय से 23 जनवरी को खेलेगी। इस टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला 28 जनवरी को त्रिभुवन यूनिवर्सिटी काठमांडू नेपाल के मुख्य ग्राउंड पर होगा।

17 सदस्य दल में निम्नलिखित खिलाड़ी शामिल हैं-

आनंद सागर कैप्टन, मनोज कांडपाल, आदित्य प्रताप सिंह, अमृत सिंह ,अर्जुन रायज्यादा, ओंकार सिंह ,अंश रावत, सैयद मोहम्मद मेहंदी, आशीष यादव, अभिषेक सोनी, यशवर्धन सिंह अभिषेक प्रकाश, सैयद मोहम्मद रिजवी, हर्षवर्धन प्रताप सिंह, सिद्धार्थ दीक्षित एवं राहुल दास हैं।

3 वीं यूपी स्टेट मास्टर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में चमके मुरादाबाद मंडल के खिलाड़ी

एजेंसी

मुरादाबाद। 33 वीं यूपी स्टेट मास्टर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में मुरादाबाद मंडल के सीनियर खिलाड़ियों ने गोल्ड व सिल्वर मेडल प्राप्त किए हैं। सभी विजेता खिलाड़ियों का नेताजी सुभाषचंद्र बोस सोनकपुर स्पोर्टर्स स्टेडियम रामगंगा विहार मुरादाबाद में स्वागत अभिनंदन किया गया।

प्रभारी क्षेत्रीय क्रीड़ाधिकारी प्रदीप कुमार सक्सैना व उत्तर प्रदेश ओलम्पिक संघ के संयुक्त सचिव डॉ. अजय पाठक ने बताया कि 14 व 15 जनवरी को लालपुर स्टेडियम वाराणसी में यूपी स्टेट मास्टर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप आयोजित हुई। जिसमें जनपद मुरादाबाद के सीनियर खिलाड़ियों में कमलेश सिंह ने 5000 मीटर पैदल चाल एवं 2000 मीटर की स्टीपल चेज रेस में गोल्ड मैडल प्राप्त किया, यशपाल सिंह ने 5000 मीटर पैदल चाल एवं 2000 मीटर स्टीपल चेज रेस में

गोल्ड मेडल प्राप्त किया। जनपद अमरोहा के रामवीर सिंह ने त्रिकूद जम्प में गोल्ड मेडल, चक्का फेंक में सिल्वर मैडल व गोला फेंक में कांस्य पदक प्राप्त किया। उक्त पदक विजेता खिलाड़ी बेगलरू में माह मार्च में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय स्तर प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश की टीम से प्रतिभाग करेंगे। इस मौके पर कमलेश सिंह, यशपाल सिंह, रामवीर सिंह का नेताजी सुभाषचंद्र बोस सोनकपुर स्पोर्टर्स स्टेडियम में स्वागत अभिनंदन किया गया।

दक्षिण अफ्रीका पर शानदार जीत के साथ भारतीय महिला टीम खो खो विश्व कप 2025 के फाइनल में पहुंची

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय महिला खो खो टीम ने इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में पहले खो खो विश्व कप 2025 के सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 66-16 से हराकर एक बार फिर अपनी सामरिक क्षमता का परिचय दिया। ब्लू में महिलाओं ने अटैक और डिफेंस दोनों में शानदार प्रदर्शन किया, जिससे नेपाल के साथ रोमांचक फाइनल मुकाबला तय हो गया। 19 जनवरी (रविवार) को इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में खिताबी मुकाबला खेला जाएगा।

ब्लू जर्सी में महिलाओं ने चैथरा बी के ड्रीम रन के साथ शानदार शुरुआत की, जो नाजिया बीबी और निर्मला भाटी के डिफेंडरों द्वारा पकड़े जाने के बाद भी जारी रही। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका की सिनेथेम्बा मोसिया द्वारा बाहर किए जाने से पहले अकेले ही 5 अंक बनाए। यह उन्हें

टर्न 1 के अंत में दक्षिण अफ्रीका के 8 अंकों के करीब ले जाने के लिए पर्याप्त था, जिससे उन्हें मैच की शानदार शुरुआत मिली। टर्न 2 में रेशमा ने पूरे फॉर्म में खेल दिखाया। भारतीय महिलाओं ने दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ियों को कई बैचों में आउट किया और महत्वपूर्ण अंक अर्जित किए। यह टीम के लिए महत्वपूर्ण साबित हुआ, क्योंकि स्कोर ब्लू जर्सी में भारतीय महिलाओं के पक्ष में 33-10 था। भारतीय महिला टीम के लिए अपने दूसरे मैच में ड्रीम रन टर्न 3 के अंत में आया। इस दौरान वैष्णवी पोवार, नसरीन शेख और भीलरदेवी ने 5 मिनट तक अच्छा खेल दिखाया। उनके 5 अंक तीसरे टर्न के प्रतीक थे, क्योंकि स्कोर 38-16 था, जिससे उन्हें सेमीफाइनल मुकाबले के अंतिम 7 मिनट में एक मजबूत मंच मिला। टर्न 4 में दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ियों के लिए सबसे लंबा बैच सिर्फ 1 मिनट और 45 सेकंड तक चला, जिससे भारतीयों ने फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। नसरीन शेख और रेशमा राठौड़ ने टीम को जीत दिलाई और अंतिम स्कोर 66-16 रहा।

मैच पुरस्कारः

मैच का सर्वश्रेष्ठ अटैकरः सिनेथेम्बा मोसिया (टीम साउथ अफ्रीका)

मैच का सर्वश्रेष्ठ डिफेंडरः निर्मला भाटी (टीम इंडिया)

मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ीः वैष्णवी पवार (टीम इंडिया)

ऑस्ट्रेलियन ओपन : टेलर फ्रिट्ज़ को हराकर चौथे दौर में पहुंचे गेल मोनफिल्स

एजेंसी

मेलबर्न। फ्रांस के स्टार टेनिस खिलाड़ी गेल मोनफिल्स 38 साल की उम्र में ऑस्ट्रेलियन ओपन के चौथे दौर में पहुंचने वाले रोजर फेडरर के बाद दूसरे पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने नंबर 4 वरीय टेलर फ्रिट्ज़ को 3-6, 7-5, 7-6 (1), 6-4 से हराया।

मोनफिल्स ने 19वें ऑस्ट्रेलियाई ओपन में छठी बार चौथे दौर में जगह बनाई। मोनफिल्स से भिड़ने से पहले फ्रिट्ज़ शानदार फॉर्म में थे, उन्होंने अपने पिछले दो मैचों में केवल आठ गेम गंवाए थे। लेकिन मोनफिल्स ने अपने सटीक ग्राउंडस्ट्रोक और धमाकेदार सर्विस के साथ दुनिया के चौथे नंबर के खिलाड़ी को शिकस्त दी।41वें स्थान पर काबिज मोनफिल्स ने मैच जीतने के बाद कहा, रणनीति बेसलाइन को थामे रखने और निश्चित रूप से गति को बदलने की थी।

लाइन के नीचे कुछ बड़े शॉट लगाए और अपने फोरहैंड से कुछ शेप का इस्तेमाल किया, अपने बैकहैंड से कुछ स्लाइस किया और अच्छी सर्विस की। मुझे खुद पर पूरा भरोसा है, मुझे पूरा भरोसा है कि मैं अभी टूर्नामेंट में आगे बढ़ूंगा। क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के लिए उनका सामना एक अन्य अमेरिकी खिलाड़ी बेन शेल्टन या इटली के लोरेंजो मुसेट्टी से होगा। मोनफिल्स अपने लंबे करियर में कभी भी किसी मेजर टूर्नामेंट के सेमीफाइनल से आगे नहीं बढ़ पाए हैं।

7 वीं ओपन राष्ट्रीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में मुरादाबाद के खिलाड़ी करेंगे प्रतिभाग

एजेंसी

मुरादाबाद। जिला ताइक्वांडो स्पोर्ट्स एसोसिएशन मुरादाबाद के सचिव शाहवेज़ अली ने बताया कि 19 व 20 जनवरी को लखनऊ के राजाजीपुरम स्थित मिनी स्टेडियम 7 वीं ओपन राष्ट्रीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में मुरादाबाद जनपद से 30 खिलाड़ी प्रतिभाग करेंगे। इस चैम्पियनशिप में देशभर से लगभग तीन हजार खिलाड़ी प्रतिभाग कर रहे है।

जिला ताइक्वांडो स्पोर्ट्स एसोसिएशन के सचिव शाहवेज़ अली ने बताया कि 7 वीं ओपन राष्ट्रीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में जिले के 30 खिलाड़ियों का चयन हुआ है, इसमें सबजूनियर बालक वर्ग में विभु राज, विवान शर्मा, निलय चौधरी, विराज कपूर, अक्षत सूर्यांश, वंश, शाहज़ेब खान व सबजूनियर बालिका वर्ग में मिस्टी चंद्रवंशी, अदिति सैनी, देवांशी का चयन हुआ है। कैडेट बालक वर्ग में आशीष सिंह, वासु भाटिया, अक्षत कश्यप, आयुष

सूर्यांश व कैडेट बालिका वर्ग में अनायदा, आदूषी का चयन हुआ है। जूनियर बालक वर्ग में लवकुश यादव, कैफ खान, मोहम्मद अयान व बालिका वर्ग में आलिया पाशा का चयन हुआ है, सीनियर बालक वर्ग में निखिल कुमार, रायन सागर, वैभव सक्सेना, रोहित कुमार व बालिका वर्ग में कशिश मालिक, यशोदा थापा का चयन हुआ है। निर्णायक मंडल में जिला मुरादाबाद से केशव थापा और अरुण कुमार को चुना गया ।टीम कोच में शाहवेज अली और संदीप कुमार रहे।

शारजाह वॉरियर्स की टीम में इरादे की कभी कमी नहीं होगी : कोच जेपी डुमिनी

एजेंस

शारजाह। श्रीलंकाई बल्लेबाज अविष्का फर्नांडो की शानदार पारी की बदौलत शारजाह वॉरियर्स ने शारजाह में दुबई कैपिटल्स को हराकर अंक तालिका में दूसरा स्थान हासिल किया। इस सीजन में अपना पहला घरेलू मैच खेल रहे शारजाह वॉरियर्स ने 201 रनों का लक्ष्य 5 विकेट और 11 गेंद शेष रहते सफलतापूर्वक हासिल किया। मैच के बाद शारजाह वॉरियर्स के कप्तान टिम साउथी ने आईएलटी20 प्रेस विज्ञप्ति के हवाले से कहा, इस तरह के स्कोर का पीछा करना और फर्नांडो की पारी अविश्वसनीय थी। सुबह विमान से उतरना और ऐसा करना विशेष है। फर्नांडो हमारे लिए शानदार था। कप्तान ने आगे कहा, सुधार करने के लिए बहुत सी चीजें हैं, क्षेत्ररक्षण और गेंद के साथ, जो जीत के बाद हमेशा करना आसान होता है। यह एक अच्छा विकेट था, अगर आपने गेंद के साथ अच्छा प्रदर्शन किया तो यह अच्छा था लेकिन अगर आप थोड़ा चूक गए, तो यह एक अलग कहानी है। कुछ खिलाड़ी शानदार थे और जब दूसरे खिलाड़ी आकर अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो यह टीम की गहराई को दर्शाता है। कोच जेपी डुमिनी ने कहा, फील्डिंग हमारे खेल का एक ऐसा क्षेत्र है जिस पर हम काम कर सकते हैं। हम सामूहिक रूप से फील्डिंग में बड़ा प्रयास करने की कोशिश करते हैं। इसलिए, यह कुछ ऐसा है जिस पर हम काम करना चाहते हैं और फील्डिंग कुछ ऐसा है जिसमें हम निश्चित रूप से बेहतर होना चाहते हैं। अविष्का फर्नांडो, जिन्होंने 27 गेंदों में 8 छक्के और 6 चौके की मदद से 81 रन बनाए,ने कहा, अपने स्वाभाविक खेल पर ध्यान केंद्रित कर रहा हूं और आज की पारी के लिए भगवान का शुक्रिया अदा करता हूं।

सप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी भारत की चैंपियंस ट्रॉफी टीम में शामिल, सिराज बाहर

एजेंसी

मुंबई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने आगामी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 और इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला के लिए को 15 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा कर दी है। टीम में जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी और हार्दिक पांड्या सभी जगह बनाने में सफल रहे हैं। इन तीनों ने आखिरी बार 2023 विश्व कप में वनडे प्रारूप में हिस्सा लिया था। 15 सदस्यीय टीम की कमान रोहित शर्मा संभालेंगे जबकि शुभमन गिल उपकप्तान होंगे। हालांकि मोहम्मद सिराज को बाहर कर दिया गया है। वहीं, इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में बुमराह की जगह हर्षित राणा टीम में होंगे। कप्तान रोहित शर्मा ने यहां आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में कहा, हम बुमराह के बारे में निश्चित नहीं हैं, कि वह खेलेंगे या नहीं। इसलिए हम ऐसा खिलाड़ी चाहते थे जो आगे और पीछे दोनों जगह गेंदबाजी कर सके। शमी के बारे में सभी जानते हैं कि

वह नई गेंद से क्या करते हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण बात है कि मोहम्मद सिराज को टीम से बाहर होना पड़ा। लेकिन हमारे पास निर्धारित भूमिकाओं के लिए उपयुक्त खिलाड़ियों को चुनने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। अर्शदीप ने बहुत ज़्यादा वनडे नहीं खेले हैं, लेकिन वह पिछले कुछ समय से सफ़ेद गेंद वाले क्रिकेट में हैं। इसलिए हम अनुभवहीनता के बारे में चिंतित नहीं हैं। आप सभी को खुश नहीं कर सकते। दिन के अंत में, आप उस टीम को चुनते हैं जो आपको गेम जिता सकती है। बुमराह को भारत की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के आखिरी दौर में पीठ में दर्द की शिकायत थी, इस अभियान में उन्होंने 151.2 ओवर फेंके और 13.06 की औसत से 32 विकेट लिए। वह मोहम्मद शमी के साथ तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुआई करेंगे। शमी 2023 वनडे विश्व कप में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज थे, लेकिन तब से अपने बाएं अकिलीज़ टेंडन की सर्जरी के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से बाहर हैं।

ताइक्वांडो चैंपियनशिपःआंध्र ने जीते दो स्वर्ण, दिल्ली व हरियाणा को एक-एक स्वर्ण

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के अंकुश कुमार, अमन पाल व अभव्या तिवारी ने सातवीं नेशनल ओपन ताइक्वांडो चैंपियनशिप ने अपने-अपने वर्गों में स्वर्ण पदक जीतकर मेजबान को शानदार शुरुआत दिलाई। मिनी इंडोर स्टेडियम, राजाजीपुरम में आयोजित इस चैंपियनशिप में ऑफिशियल ग्रुप की स्पर्धाओं के पहले दिन आंध्र प्रदेश ने दो स्वर्ण , जबकि हरियाणा व दिल्ली ने एक-एक स्वर्ण पदक जीते। ताइक्वांडो फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में उत्तर प्रदेश ताइक्वांडो एसोसिएशन द्वारा आयोजित चैंपियनशिप का औपचारिक उद्घाटन मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करके किया। मुख्य अतिथि बृजेश पाठक ने अपने आर्शीवचन में विभिन्न टीमों से आए खिलाड़ियों को लखनऊ में स्वागत करते हुए उन्हें चैंपियनशिप में हार्दिक बधाई और सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दी। उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता करते हुए उत्तर प्रदेश ताइक्वांडो एसोसिएशन के अध्यक्ष शैलेश कुमार सिंह शैलू ने बताया कि चैंपियनशिप में 24 राज्यों व इकाईयों की टीमों से 1700 खिलाड़ी भाग ले रहे है जिसमें सीआरपीएफ, आईटीबीपी, कुमाऊं रेजीमेंट और सर्विसेज के खिलाड़ी भी शामिल है। आज समारोह में उत्तर प्रदेश ताइक्वांडो एसोसिएशन के सचिव राजकुमार ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए प्रतिभागी टीमों में शामिल खिलाड़ियों का आभार जताया।

इस अवसर पर ताइक्वांडो फेडरेशन ऑफ इंडिया के महासचिव आरडी मंगेशकर, उपाध्यक्ष एल.सुकुन सिंह, डिप्टी सीईओ मनोज कुमार, राजस्थान ताइक्वांडो एसोसिएशन के सचिव लक्ष्मण सिंह हाडा, बिहार ताइक्वांडो एसोसिएशन के सचिव समता राही, उत्तर प्रदेश ताइक्वांडो एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष देवेंद्र सिंह, पूर्व पार्षद शिवपाल सांवरिया सहित अन्य पदाधिकारी भी मौजूद रहे। पहले दिन हुई स्पर्धाओं में सब जूनियर बालक व्यक्तिगत पूमसे में आंध्र प्रदेश के तन्विथ उदय ने स्वर्ण, मणिपुर के मालेमंगनबा नुंगलेप्पम ने रजत पदक एवं उत्तर प्रदेश के अक्षत सूर्यांश व नवदीप मिश्रा ने कांस्य पदक जीता। सब जूनियर बालिका व्यक्तिगत पूमसे में दिल्ली की नायशा शर्मा ने स्वर्ण पदक जीता। उत्तर प्रदेश की वर्णिका कपूर को रजत एवं उत्तर प्रदेश की ही आरवी सिंह व समृद्धि आर्या ने कांस्य पदक जीता। कैडेट बालिका व्यक्तिगत पूमसे में अभव्या तिवारी ने स्वर्ण, आर्शी सिंह ने रजत, अंशिका खोखर व कौशिकी सिंह यादव (सभी उत्तर प्रदेश) ने कांस्य पदक जीते।

कैडेट बालक व्यक्तिगत पूमसे में आंध्र प्रदेश के जी.करुण्या संदीप ने स्वर्ण, दिल्ली के रोहन ने रजत एवं उत्तर प्रदेश के दक्ष प्रताप सिंह व अनिरूद्ध शुक्ला ने कांस्य पदक जीते। सब जूनियर बालक अंडर-25 किग्रा में अमन पाल ने स्वर्ण, अंश शर्मा ने रजत एवं अंश वर्मा व निखिल सोनी ने कांस्य (सभी उत्तर प्रदेश) पदक जीते। कैडेट बालक अंडर-148 सेमी. में उत्तर प्रदेश के अंकुश कुमार ने स्वर्ण, दिल्ली के रोहन ने रजत, उत्तर प्रदेश के रूद्र प्रताप व हरियाणा के पंकज ने कांस्य पदक जीता। कैडेट बालिका अंडर-156 सेमी. में हरियाणा की तनु ने स्वर्ण, उत्तर प्रदेश की आकांक्षा कुशवाहा ने रजत एवं उत्तर प्रदेश की पूर्णिमा मौर्या व नंदिनी ने कांस्य पदक जीते।

'एक लड़की होकर मैंने...'

कंगना रौनत

ने क्यों रिजेक्ट की थी अक्षय कुमार की फिल्म? एक्ट्रेस ने दिया ये जवाब

बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत के पास अक्षय कुमार की फिल्म का ऑफर गया था. एक्ट्रेस से एक शो में जब इसकी वजह पूछी गई तो उन्होंने इसका जवाब बहुत ही बेबाकी के साथ दिया था. उन्होंने ये भी बताया कि जो वो करना चाहती थीं, कर रही हैं और वो खुश हैं.

बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत ने आज तक बड़े स्टार्स जैसे शाहरुख खान, सलमान खान, आमिर खान या अक्षय कुमार के साथ फिल्में नहीं कीं. उनके पास ऑफर्स आए लेकिन एक्ट्रेस की सोच कुछ अलग थी जिसके बारे में वो अक्सर बात करती हैं. जब एक शो में कंगना से पूछा गया कि उन्होंने अक्षय कुमार की फिल्म का ऑफर क्यों ठुकराया था तब कंगना का जवाब कुछ ऐसा था जो आमतौर पर कोई एक्ट्रेस बेबाकी के साथ नहीं बोल पाती है. आपकी अदालत के एक एपिसोड में कंगना रनौत आई थीं. यहां एंकर ने उनसे अक्षय कुमार की फिल्म ठुकराने से लेकर बड़े एक्टर्स के साथ काम ना करने की वजह पूछी. इसपर एक्ट्रेस कंगना रनौत ने क्या कहा, आइए जानते हैं.

कंगना ने क्यों ठुकराई थी अक्षय की फिल्म?

एंकर ने कंगना से पूछा, 'आप इंडस्ट्री के बड़े एक्टर्स के साथ काम क्यों नहीं करती हैं? अक्षय कुमार को भी आपने ना कहा?' इसपर कंगना रनौत ने जवाब दिया, 'अक्षय कुमार मेरे पास फिल्म लाए थे 'सिंह इज ब्लिंग'. फिर और थी कोई उसी तरह की तो मुझे एक ऐसा मौका मिला, एक लड़की होकर मैंने अपना अस्तित्व बनाया सर, इसमें क्या गलत है. कितनी बेटियों को ये देश ऐसा मौका देता है कि वो अपना अस्तित्व बना सकें तो मैंने बनाया. मुझे नहीं लगता इसमें कुछ गलत है.'

एक्ट्रेस से पूछा गया तो दूसरे एक्टर्स के साथ आप फिल्में क्यों नहीं करती हैं, क्या अकेले ही इंडस्ट्री में टिके रहना है? इसपर कंगना ने हंसते हुए कहा था, 'ऐसा नहीं है कि मैं काम नहीं करना चाहती लेकिन अगर उस फिल्म में एक्ट्रेस के लिए भी सही रोल होगा और फिल्म से लोगों को गलत मैसेज नहीं जाएगा तो जरूर उनके साथ काम करूंगी. फिलहाल तो मैं इसी में खुश हूं कि कहीं ना कहीं फैन्स उनके इस बेबाकपन को पसंद करते हैं.'

रिलीज हुई कंगना रनौत की लेटेस्ट फिल्म

काफी समय से रिलीज को तरस रही फिल्म 'इमरजेंसी' आखिरकार सिनेमाघरों में रिलीज हो ही गई. फिल्म में कंगना रनौत ने पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय इंदिरा गांधी का रोल प्ले किया है. इस फिल्म की प्रोड्यूसर और डायरेक्टर भी कंगना ही हैं. फिल्म में दिवंगत एक्टर सतीश कौशिक भी नजर आए, वहीं फिल्म में अनुपम खेर, मिलिंद सोमान और श्रेयस तलपड़े भी अहम किरदारों में हैं.

सैफ अली खान पर हमले के बाद सितारों में नाराजगी, पूजा भट्ट-जूनियर NTR ने कानून-व्यवस्था पर उठाए सवाल

सैफ अली खान के घर में आधी रात को घुसे हमलावर ने एक्टर पर जानलेवा हमला कर दिया. घायल एक्टर को इलाज के लिए लीलावती अस्पताल में भर्ती कराया गया है. सैफ के घर से सभी मेड शक के घेरे में हैं और क्राइम ब्रांच टीम एक्टर के घर के आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और टीम पूरी तरह से जांच करके पता लगाने की कोशिश कर रही है कि आखिर इस हमले के पीछे किसका हाथ है. इस मामले में फैन्स और सेलेब्स के रिएक्शन सामने आ रहे हैं और वो इस मामले पर अपना गुस्सा जाहिर कर रहे हैं. इसपर एक्ट्रेस पूजा भट्ट और जूनियर एनटीआर का रिएक्श सामने आया है.पूजा भट्ट ने एक्स और इंस्टाग्राम दोनों पर इस मामले को लेकर रिएक्शन दिया है. एक्ट्रेस ने इंस्टा पर एक पोस्ट शेयर किया है, जिसमें लिखा है कि सैफ अली खान पर हमला हो गया है और वो हॉस्पिटल में एडमिट हैं. इस पोस्ट पोस्ट को शेयर कर पूजा ने मुंबई पुलिस को टैग करते हुए लिखा, मुंबई पुलिस प्लीज मुंबई स्पेशली बांद्रा को फिर से सुरक्षित बनाएं.

पूजा भट्ट ने कानून व्यवस्था पर उठाए सवाल

पूजा ने इंस्टा पर एक और स्टोरी शेयर की है, जिसमें उन्होंने लिखा है, कोई भी घटना होने के बाद लोकल पुलिस सबसे पहले हमारा बचाव करती है. ये उनकी ड्यूटी है कि वो ऐसा एनवायरनमेंट बनाएं कि क्रिमिनल इतनी आसानी से किसी वारदात को अंजाम न दें सकें. बीट ऑफिसर को ऐसी घटनाओं पर लगाम लगाने की कोशिश करनी चाहिए. इसके अलावा पूजा भट्ट ने एक्स पर भी पोस्ट किया, जहां उन्होंने कानून व्यवस्था पर सवाल उठाया है. एक्ट्रेस ने लिखा, कानून और व्यवस्था. हमारे पास कानून तो है.लेकिन व्यवस्था का क्या?

जूनियर एनटीआर ने भी जताया दुख

एक दूसरी पोस्ट में भी पूजा भट्ट ने मुंबई पुलिस को टैग करते हुए सुरक्षा पर सवाल उठाते हुए कहा कि क्या इस अराजकता को रोका जा सकता है. हमें बांद्रा में और ज्यादा पुलिस की जरूरत है. खासकर उपनगरों की क्रीन ने पहले कभी इतना असुरक्षित महसूस नहीं किया. कृपया ध्यान दें. इसके साथ उन्होंने देवेंद्र फडणवीस और अजीत पंवार को भी टैग किया है. वहीं जूनियर एनटीआर ने एक्स पर लिखा, सैफ सर पर हुए हमले के बारे में सुनकर हैरान और दुखी हूं. मैं उनकी सेहत में जल्द सुधार और अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता हूं.

क्या युग देवगन की है कोई गर्लफ्रेंड? अजय ने बेटे के रिलेशनशिप पर दिया ऐसा जवाब

बॉलीवुड एक्टर अजय देवगन काम के साथ अपनी फैमिली को भी पूरा टाइम देते हैं. उनकी बॉन्डिंग वाइफ काजोल के साथ जितनी अच्छी है उतना ही रिश्ता अपने बच्चों के साथ भी जबरदस्त है. खासकर अजय अपने बेटे युग के दोस्त बनकर रहते हैं और उन्होंने एक पॉडकास्ट में बताया कि युग अब इतने बड़े हो गए हैं कि वो उनके फीमेल फ्रेंड्स के बारे में डिस्कशन भी करते हैं.रणवीर अलाहाबादिया के यूट्यूब चैनल के पॉडकास्ट पर फिल्म सिंघम अगेन की रिलीज से पहले अजय देवगन और रोहित शेट्टी पहुंचे थे. इस दौरान जब अजय से पूछा गया कि युग की उम्र क्या है और उनका बेटे के साथ बॉन्ड कैसा है. इसपर अजय ने क्या कहा, आइए जानते हैं.

कैसा है अजय देवगन का उनके बेटे के साथ बॉन्ड?

पॉडकास्ट में अजय देवगन से पूछा गया, 'आपके बेटे की उम्र क्या है?' अजय ने जवाब दिया कि 14 साल का हो गया है. एक्टर से फिर सवाल हुआ, 'अब तो गर्लफ्रेंड का फेज स्टार्ट होगा?' एक्टर ने इसका जवाब दिया, 'हां, वो डिस्कस करता है मुझसे.' अजय देवगन से अगला सवाल पूछा गया, 'डेट कर रहा है वो किसी को?' अजय देवगन ने आगे कहा, 'हां, स्कूल में उसकी कुछ दोस्त हैं जो खास हैं, फिर मैं उसे लिमिटेशंस समझाता हूं कि लड़कियों से कैसे बात करना चाहिए, क्या-क्या होता है और सबकुछ.'

अजय देवगन से फिर सवाल किया गया, 'आपसे डरता है वो?' तो अजय ने कहा, 'नहीं, वो मुझसे बिल्कुल नहीं डरता है, बल्कि मेरे से वो हर तरह की बात बोल देता है. हमारा बॉन्ड दोस्त जैसा है, लेकिन मैं उसकी चीजों को ऑबजर्व करता हूं और गलत होने पर उसे समझाता भी हूं.' अजय देवगन के इंस्टाग्राम पर कई ऐसी तस्वीरें हैं, जिन्हें देखकर आपको उनका अपने बेटे के साथ बॉन्ड समझ आ जाएगा. युग काजोल-अजय के लाडले हैं और उनकी मस्ती भरी तस्वीरें-वीडियो भी अक्सर पैपराजी के जरिए देखने को मिल जाती हैं.

अजय देवगन की आने वाली फिल्में

अजय देवगन की पिछली रिलीज फिल्म सिंघम अगेन थी, जो बॉक्स ऑफिस पर औसत रही. 2025 में अजय देवगन की पहली फिल्म आजाद है जो 17 जनवरी को रिलीज होगी, जिससे उनके भांगे अमन देवगन और रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी बॉलीवुड डेब्यू कर रहे हैं.

इसी साल अजय देवगन की दो और फिल्में रिलीज होगी जिसमें से एक 1 मई को 'रेड 2' और 14 नवंबर को 'दे दे प्यार दे 2' रिलीज होगी.

अर्चना पूरन सिंह

को इंप्रेस करने के लिए सतीश कौशिक ने रुकवा दिया चलता शो, जानें किस्सा

बॉलीवुड के पॉपुलर कॉमेडी एक्टर सतीश कौशिक आज भले हमारे बीच नहीं हैं लेकिन उनके कई मजेदार किस्से अक्सर सुनने को मिल जाते हैं. सतीश कौशिक कपिल शर्मा के शो में कई बार आए थे और यहां उन्होंने अपने कई किस्से सुनाए थे लेकिन एक किस्सा लोगों को याद रह गया. वो किस्सा था अर्चना पूरन सिंह को लेकर जब उन्होंने बताया था कि एक जमाने में वो उनका क्रश हुआ करती थीं.कपिल शर्मा के शो में एक बार सतीश कौशिक अपने खास दोस्त अनुपम खेर के साथ आए थे. यहां उन्होंने बताया कि एक बार दुबई में उन्होंने अर्चना पूरन सिंह को इंप्रेस करने के लिए चलता शो रुकवा दिया था.

सतीश कौशिक और अर्चना पूरन के किस्से

कौशिक एक बार कई स्टार्स के साथ दुबई में शो करने पहुंचे जिनमें से एक अर्चना पूरन सिंह भी थीं. सतीश ने आगे कहा, 'ये अर्चना जो है, मैं बैक स्टेज था, शो की तैयारी हो रही थी तभी ये अचानक मेरे पास भागती हुई आई, रोती हुई आई. मैंने कहा क्या हुआ तो इसने मुझसे कहा-सतीश मैं बस से आ रही थी तो कुछ लड़कों ने मेरे साथ बदतमीजी की. तो मैंने कहा अरे क्या बात कर रही हो, फिर मैंने मन में सोचा ये मौका अच्छा है इसे इंप्रेस करने का..'

सतीश कौशिक ने आगे कहा, 'तब मेरे अंदर का हीरो बाहर निकल रहा था. मैंने कहा क्या हुआ तेरे को हुआ क्या, फिर इसने मुझे पूरी बात बताई. मैंने ऑर्गनाइजर को बुलाया और चिल्लाते हुए कहा कि देखिए ये अर्चना है मेरी दोस्त के साथ ऐसा-ऐसा हुआ है अगर वो लड़के 5 मिनट के अंदर यहां नहीं आए तो आप देखना आपका ये शो हो नहीं पाएगा दुबई के अंदर.' इसपर अर्चना पूरन सिंह ने कहा, 'इसने वो शो रुकवा दिया था.'इसके बाद सतीश कौशिक ने आगे कहा, 'वो लोग दुबई के पावरफुल लोग थे, उनके सामने मैंने अपनी छाती चौड़ी करके धाक जमाई. फिर कुछ लोगों को पकड़ा गया, अर्चना ने उन्हें पहचाना और वो लोग इसके पैर पकड़ने लगे. माफी मांगी और इसने मुझे गले लगा लिया वो गले लगते ही मेरे को क्रश हो गया था इसपर.'

कब हुई थी सतीश कौशिक की डेथ?

13 अप्रैल 1956 को जन्में सतीश कौशिक ने थिएटर से एक्टिंग की शुरुआत की थी. इनका बॉलीवुड करियर 1983 में आई फिल्म 'जाने भी दो यारों' से शुरू हुआ था और इसके बाद उन्होंने कई फिल्में कीं. सतीश कॉमेडी के बादशाह थे. 9 मार्च 2023 को सतीश कौशिक की गुरुग्राम में डेथ हो गई थी जिसकी वजह हार्ट अटैक थी.